THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-28 अंक : 218 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) आश्विन शु.13 2080 शुक्रवार, 27 अक्टूबर-2023

प्रधान संपादक – डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

पीएम ने साईं मंदिर में पूजा की

7500 करोड़ की योजनाओं का उद्घाटन किया, कहा- पहले भ्रष्टाचार के आंकड़े आते थे, अब विकास हो रहा

शिर्डी, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को शिर्डी के साईं बाबा समाधि मंदिर में दर्शन किए। इसके बाद उन्होंने 7500 करोड़ रुपये की कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इस दौरान पीएम मोदी ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि 2014 से पहले भी आप बड़े-बड़े आंकड़े सुनते थे, लेकिन वे होते थे इतने लाख करोड का घपला, इतने लाख करोड़ का भ्रष्टाचार। लेकिन आज ये पैसे विकास के लिए खर्च हो रहे हैं।

पीएम की स्पीच की बड़ी बातें...

देश को गरीबी से मुक्ति मिले, गरीब से गरीब परिवार को आगे बढ़ने का अवसर मिले, यही सच्चा सामाजिक न्याय है। हमारी सरकार सबका साथ सबका विकास के मंत्र पर चलती है। आज जब देश की अर्थव्यवस्था बढ़ रही है तो गरीब कल्याण के लिए सरकार का बजट भी बढ़ रहा है।

आज महाराष्ट्र में 1 करोड़ 10 लाख आयुष्मान कार्ड दिए जा रहे हैं, इन्हें 5 लाख के इलाज के मुफ्त सुविधा है। हर घर जल पहुंचाने के लिए भी 2 लाख करोड़ खर्च किए गए हैं। पीएम स्वनिधि योजना से रेहड़ी पर दुकान लगाने वालों को हजारों करोड़ का फायदा मिल रहा है।

हाल ही में विश्वकर्मा योजना शुरू की गई। इससे छोटे व्यापारियों पर 13 हजार करोड़ से ज्यादा खर्च किया जा रहा है। 2014 से पहले भी आप आंकड़े सुनते थे, लेकिन वे होते थे इतने लाख करोड़ का घपला, इतने लाख करोड़ का भ्रष्टाचार। आज ये पैसे विकास के लिए खर्च हो रहे हैं। पहले किसानों की सुध कोई नहीं लेता था, हमने पीएम किसान सम्मान निधि योजना शुरू की। इसकी मदद से देशभर के छोटे किसानों को 2 लाख 60 हजार करोड़ दिए गए हैं। महाराष्ट्र के छोटे किसानों के खाते में 26 हजार करोड़ रुपये ट्रांसफर हुए हैं। महाराष्ट्र सरकार ने यहां नमो शेतकारी महासम्मान निधि शुरू की है, जिससे राज्य के किसानों को 6 हजार रुपये अतिरिक्त मिलेंगे।

निलवंडे बांध के नहर नेटवर्क का उद्घाटन किया :

जनसभा से पहले पीएम ने शिर्डी के साईं मंदिर में नए दर्शन कतार परिसर का भी उद्घाटन किया, इसकी आधारशिला साल 2018 में रखी थी। इसके बाद पीएम ने अहमदनगर के शिर्डी में निलवंडे बांध का जलपूजन किया और बांध का नहर नेटवर्क देश को समर्पित किया।

कश्मीर में सुरक्षाबलों ने 5 आतंकियों को मार गिराया

3 लश्कर के, 2 की पहचान नहीं, कुपवाड़ा में घुसपैठ की कोशिश कर रहे थे

नई दिल्ली, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा में एलओसी के पास माछिल सेक्टर में गुरुवार को सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ हुई। इसमें पांच आतंकी मारे गए। 3 आतंकी लश्कर से जुड़े थे, वहीं 2 की पहचान नहीं हो सकी है। एडीजीपी कश्मीर ने बताया कि आतंकी माछिल सेक्टर में भारत की सीमा में घुसपैठ करने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन सुरक्षाबलों ने इनके मंसूबों को नाकाम कर दिया।

बीते पांच दिनों में कश्मीर में घुसपैठ की यह दूसरी घटना है, जिसे सुरक्षाबलों ने नाकाम कर दिया। इससे पहले 22 अक्टूबर को जवानों ने बारामूला के उरी सेक्टर में दो आतंकियों को मार गिराया था। दोनों आतंकी एक बड़े ग्रुप का हिस्सा थे, जो लगातार बारिश और खराब विजिबिलिटी का सहारा लेकर एलओसी पार करने की कोशिश कर रहे थे। सेना के प्रवक्ता ने बताया था कि इंटेलिजेंस एजेंसियों और जम्मू-कश्मीर पुलिस ने इनपुट दिए थे कि हथियारबंद आतंकियों का एक समूह सीमा के इस पार आने की कोशिश कर रहा है।

महुआ को 31 अक्टूबर का बुलावा

भाजपा सांसद निशिकांत बोले, सवाल सिर्फ एक महुआ चोर है या नहीं, सच दस्तावेजों में है

नई दिल्ली, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। टीएमसी सासद महुआ मोइत्रा को लोकसभा की एथिक्स कमेटी ने पैसे लेकर संसद में सवाल पूछने (कैश फॉर क्वेरी) के मामले में 31 अक्टूबर को बुलाया है। एथिक्स कमेटी के चीफ विनोद के सोनकर ने यह जानकारी दी। इसके पहले आज (26 अक्टूबर) को लोकसभा की एथिक्स कमेटी सुनवाई हुई। महुआ के वकील जय अनंत देहाद्राई एथिक्स कमेटी के सवालों का जवाब देने पहुंचे।

जय अनंत के बाद भाजपा सांसद निशिकांत दुबे भी कमेटी के सामने पेश हुए। दुबे ने ही टीएमसी सांसद पर आरोप लगाया था कि उन्होंने बिजनेसमैन दर्शन हीरानंदानी के कहने पर संसद में सवाल पूछे। पूछताछ के बाद निशिकांत ने कहा कि उन्हें जब भी बुलाया जाएगा, कमेटी के सामने मौजूद रहूंगा। निशिकांत ने कहा, मुझसे जो भी मांगा जाएगा वो सबूत दूंगा, सारा सच कागजों में है। गोड्डा से भाजपा सांसद निशिकांत दुबे से जब पूछा गया कि महुआ ने उन पर आरोप लगाया कि चुनाव नामांकन के दौरान निशिकांत ने अपनी फर्जी

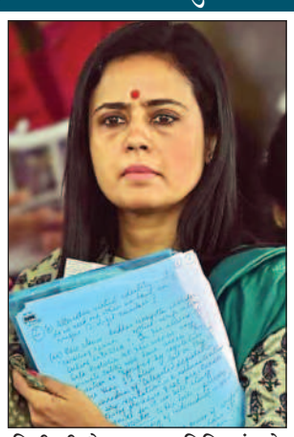

डिग्री दी है। इस पर निशिकांत ने कहा कि सवाल केवल एक है, महुआ चोर है कि नहीं।

एथिक्स कमेटी के सदस्यों के बारे में जान लीजिए

निशिकांत दुबे की शिकायत की सुनवाई करने वाली एथिक्स कमेटी के अध्यक्ष भाजपा सांसद विनोद कुमार सोनकर हैं। कमेटी के मेंबर के तौर पर भाजपा की ओर से वीडी शर्मा, सुमेधानंद सरस्वती, अपराजिता सारंगी, डॉ. राजदीप रॉय, सुनिता दुग्गल और सुभाष भामरे हैं। कांग्रेस की ओर से कमेटी में वी वैथीलिंगम, एन उत्तम कुमार रेड्डी, बालासौरी वल्लभनेनी और प्रणीत कुमार शामिल हैं। इसके अलावा शिवसेना के हेमंत गोडसे, जेडीयू के गिरिधारी यादव, सीपीआई(एम) के पीआर नटराजन और बसपा के दानिश अली शामिल हैं।

निशिकांत ने स्पीकर को चिट्ठी लिख शिकायत की थी

झारखंड के गोड्डा से सांसद दुबे ने 15 अक्टूबर को लोकसभा स्पीकर के नाम चिट्ठी लिखी थी। इसका टाइटल था, 'री-इमर्जेंस ऑफ नैस्टी कैश फॉर क्वेरी इन पार्लियामेंट।' लोकसभा स्पीकर ओम बिड़ला ने मंगलवार 17 अक्टूबर को निशिकांत दुबे की शिकायत एथिक्स कमेटी के पास भेजी दी थी।

लोकसभा स्पीकर को लिखी चिट्ठी में निशिकांत ने महुआ मोइत्रा पर आरोप लगाया था कि उन्होंने सदन में सवाल पूछने के लिए मुंबई के बिजनेसमैन दर्शन हीरानंदानी से गिफ्ट और कैश लिया है।

निशिकांत ने स्पीकर से मांग की थी कि इस मामले की जांच के लिए कमेटी बनाई जाए और महुआ मोइत्रा को सदन से निलंबित किया जाए।

पत्रकार सौम्या मर्डर केस में फैसला टला

सजा के खिलाफ दलीलों पर 7 नवंबर को होगी सुनवाई, 5 दोषियों ने गोली मारी थी

नई दिल्ली, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। पत्रकार सौम्या विश्वनाथन हत्याकांड के दोषियों की सजा पर दिल्ली की साकेत कोर्ट ने फैसला 7 नवंबर तक के लिए टाल दिया है। दोषियों की सजा के खिलाफ दलीलों, हलफनामों और रिपोर्ट्स पर बहस होगी। इससे पहले अदालत ने 18 अक्टूबर को हत्या के आरोप में 5 आरोपियों को दोषी करार दिया था।

रवि कपूर, अमित शुक्ला, अजय कुमार और बलजीत मलिक को हत्या का, जबकि पांचवें आरोपी अजय सेठी को आईपीसी की धारा 411 (बेईमानी से चोरी की संपत्ति प्राप्त करना) के तहत दोषी ठहराया गया है। सौम्या की 30 सितंबर 2008 को गोली मारकर हत्या की गई थी। अब मामले में 15 साल बाद आरोपियों को सजा सुनाई जाएगी।

एडीशनल सेशन जज जस्टिस

रवींद्र कुमार पांडे ने कहा कि पांचों दोषियों के हलफनामे के साथ परिवीक्षाधीन अधिकारी ने प्री सेंटेन्सिंग रिपोर्ट (पीएसआर) समेत कुछ डॉक्यूमेंट्स दाखिल नहीं किए थे। इस कारण दोषियों की सजा पर बहस नहीं हो सकी। अदालत ने इसे तैयार करने का निर्देश देते हुए मामले को 7 नवंबर के लिए लिस्टेड किया है।

पुलिस ने दावा किया था कि हत्या के पीछे का मकसद लूटपाट था। हत्या के दोषी पांचों लोग मार्च 2009 से हिरासत में हैं। फैसला आने के बाद सौम्या की मां ने कहा था कि हम दोषियों के लिए उम्रकैद की मांग करते हैं, उन्हें वही भुगतना चाहिए जो हमने झेला है।

25 साल की सौम्या विश्वनाथन हेडलाइंस टुडे की पत्रकार थीं। 30 सितंबर 2008 को दिल्ली के वसंत विहार में आधी रात उनकी हत्या कर दी गई थी। वे ऑफिस से अपनी कार से वापस घर आ रही थीं।

पुलिस ने बताया था कि जिगिशा घोष की हत्या में इस्तेमाल किए गए हथियार की बरामदगी से सौम्या की हत्या के मामले का खुलासा हुआ। ट्रायल कोर्ट ने 2017 में जिगिशा घोष हत्या मामले में रवि कपूर और अमित शुक्ला को मौत की सजा और बलजीत मलिक को आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी।

किसान विरोधी नीति को साबित करती चुनाव आयोग से कांग्रेस की अपील : केटीआर

हैदराबाद, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) ने भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) से 'रैतू बंधु' योजना के कार्यान्वयन को रोकने के लिए कहने पर कांग्रेस की आलोचना करते हुए कहा कि इससे फिर से साबित हो गया है कि कांग्रेस किसान विरोधी है।

बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव (केटीआर) ने कहा कि कांग्रेस तेलंगाना में 24 घंटे बिजली और पीने के पानी की आपूर्ति में कटौती की भी मांग कर सकती है, क्योंकि लोग इसमें भी मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव का हाथ देख सकते हैं। केटीआर ने आरोप लगाया कि कांग्रेस किसानों की नंबर एक दुश्मन है और कहा कि यह चुनाव आयोग को दिए गए उनके प्रतिनिधित्व से साबित होता है।

बीआरएस नेता ने कहा कि किसान 'रैतू बंधु' योजना के तहत उन्हें निवेश समर्थन रोकने की कांग्रेस की साजिशों को बर्दाश्त नहीं करेंगे। केटीआर ने एक्स पर पोस्ट किया कि लोग कांग्रेस को खारिज कर देंगे और उसे तेलंगाना में सबक सिखाएंगे। उन्होंने दावा किया कि

कर्नाटक में किसान पहले से ही कांग्रेस को वोट देने के अपने फैसले पर पछता रहे हैं।

केटीआर ने यह भी आरोप लगाया कि पार्टी इस तथ्य को सहन करने में असमर्थ है कि किसानों को तेलंगाना में 24 घंटे बिजली की आपूर्ति मिल रही है, और इसलिए उसके नेताओं ने सुझाव दिया है कि आपूर्ति को घटाकर तीन घंटे किया जाना चाहिए। वह किसानों के लिए निवेश सहायता योजना 'रैतू बंधु' पर राज्य कांग्रेस नेताओं द्वारा ईसीआई को दिए गए एक प्रतिनिधित्व पर प्रतिक्रिया दे रहे थे, जिसके तहत राज्य सरकार किसानों को हर साल दो किस्तों में 10,000 रुपये प्रति एकड़ प्रदान कर रही है।

ईडी की छापेमारी पर मल्लिकार्जुन खड़गे और पायलट ने बीजेपी को घेरा

नई दिल्ली, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। ईडी ने कथित परीक्षा पत्र लीक मामले में धन शोधन जांच के सिलसिले में आज कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और महुआ विधानसभा सीट से पार्टी के उम्मीदवार ओमप्रकाश हुड़ला के परिसरों पर छापे मारे। अब ईडी के इस एक्शन पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और सचिन पायलट ने बीजेपी को घेरा है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने एक्स पर लिखा, चुनाव आते ही ईडी, सीबीआई, आईटी आदि भाजपा के असली 'पन्ना प्रमुख' बन जाते हैं। राजस्थान में अपनी निश्चित हार को देखते हुए भारतीय जनता पार्टी ने चला अपना आखिरी दांव! ईडी ने छत्तीसगढ़ के बाद राजस्थान में भी विधानसभा चुनाव अभियान में उतरते हुए कांग्रेसी नेताओं के खिलाफ कार्रवाई शुरू कर दी है। पीएम मोदी सरकार की तानाशाही लोकतंत्र के लिए घातक है। हम एजेंसियों के दुरूपयोग के खिलाफ लड़ते रहेंगे, जनता भाजपा को करारा जवाब देगी।

राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा राजस्थान में छापेमारी की कार्रवाई पर प्रतिक्रिया जताते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी इस तरह के हथकंडों से कांग्रेस के नेताओं को डरा नहीं सकती। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि राज्य कांग्रेस के सभी नेता और कार्यकर्ता एकजुटता से साथ खड़े हैं। ईडी ने कथित परीक्षा पत्र लीक मामले में धन शोधन जांच के सिलसिले में बृहस्पतिवार को कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा और महुआ विधानसभा सीट से पार्टी के उम्मीदवार ओमप्रकाश हुड़ला के परिसरों पर छापे मारे।

इसके साथ ही एक अन्य मामले में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बेटे वैभव गहलोत को समन दिया गया है। सचिन पायलट ने 'एक्स' पर लिखा, राजस्थान कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के यहां ईडी की छापेमारी की मैं कठोर शब्दों में निंदा करता हूं। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के पुत्र वैभव गहलोत को भी ईडी का समन दिया गया है।

उन्होंने आगे लिखा, भाजपा इस तरह के हथकंडों से कांग्रेस के नेताओं को डरा नहीं सकती। प्रदेश कांग्रेस के सभी नेता और कार्यकर्ता एकजुटता से साथ खड़े हैं। इस प्रकार की कार्रवाई से भाजपा की घबराहट साफ दिखाई देती है, क्योंकि जनता आगामी चुनावों में राजस्थान में फिर कांग्रेस की सरकार लाने का मन बना चुकी है। वहीं ईडी की कार्रवाई के बाद डोटासरा ने 'एक्स' पर लिखा, 'सत्यमेव जयते'।

'एक देश-एक चुनाव' पर विधि आयोग ने दिया फॉर्मूला

चुनाव 2 साल बाद हों और सरकार गिरे तो सर्वदलीय सरकार संभव

नई दिल्ली, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। लोकसभा और विधानसभाओं के चुनाव एक साथ कराने के मुद्दे पर पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में गठित कमेटी और विधि आयोग की अहम बैठक हुई। इसमें आयोग ने 'एक देश, एक चुनाव' का रोड मैप पेश किया। साथ ही तय कार्यकाल से पहले सरकार गिरने की स्थिति में अगले चुनाव तक क्या व्यवस्था रहे, इसके दो मॉडल सुझाए।

पहला- सरकार गिरने के समय लोकसभा या विधानसभा का कार्यकाल 2 साल से कम बचा हो तो सर्वदलीय सरकार बनाई जाए। लोकसभा में इसे 'राष्ट्रीय एकता की सरकार' कहा जाएगा। दूसरा मॉडल- सरकार गिरने पर मध्यावधि चुनाव हो तो यह 5 साल की सरकार के लिए नहीं, बल्कि बचे हुए कार्यकाल के लिए ही कराया जाए। मध्यावधि चुनाव भी तभी हो, जब कार्यकाल 2 साल से अधिक बचा हो।

2029 या 2034 के लोकसभा चुनाव के साथ नई व्यवस्था लागू की जा सकती है :

आयोग ने साफ किया कि एक साथ चुनाव कराना संविधान के बुनियादी ढांचे, संघीय ढांचे या लोकतांत्रिक व्यवस्था को प्रभावित नहीं करता, बल्कि इन स्तंभों को मजबूत करता है। देश की प्रगति, संसाधनों की बचत और जनता के हितों के लिए यह कदम जरूरी है। कमेटी को बताया गया कि 2029 या 2034 में लोकसभा चुनाव के साथ विधानसभाओं के चुनाव सुनिश्चित करने के लिए कितने राज्यों में सरकार का कार्यकाल बढ़ाना और कितने में घटाना पड़ सकता है। यह लक्ष्य विशेष प्रावधान के माध्यम से हासिल किया जा सकता है।

राष्ट्रीय संगोष्ठी में पहुंचे शाह

नई दिल्ली, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय बीज सहकारी समिति लिमिटेड (बीबीएसएसएल) द्वारा आयोजित सहकारी क्षेत्र में उन्नत और पारंपरिक बीजोत्पादन पर राष्ट्रीय संगोष्ठी में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह शामिल हुए। उन्होंने इस संगोष्ठी में कहा कि पीएम मोदी की पहल से बाजरा के लिए एक बाजार विकसित हो गया है।

वहां मौजूद लोगों को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कहा, भारत के अलावा बहुक ही कम ऐसे देश हैं जहां बाजरे का उत्पादन होता है। आज पूरी दुनिया अच्छी गुणवत्ता वाले बाजरे की बीज की मांग कर रही है। अगर उन्हें अच्छी गुणवत्ता वाली बाजरे और ज्वार के बीज की जरूरत है तो भारत के अलावा उन्हें कोई भी यह उपलब्ध नहीं करा सकता है। अमेरिका मक्का दे सकता है।

उन्होंने आगे कहा, रागी, बाजरा ज्वार जैसे अन्य कई मोटे आनाजों पर भारत का एकाधिकार हो सकता है।

खराब वाहनों की नीलामी से मिला 55 करोड़ रुपये का राजस्व : रक्षा मंत्रालय

नई दिल्ली, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। रक्षा मंत्रालय के ऐसे वाहन जो खराब हो चुके हैं, उन्हें बेचकर 55 करोड रुपये से अधिक का राजस्व अर्जित किया है। यह प्रक्रिया रक्षा मंत्रालय द्वारा शुरू किए गए स्वच्छता अभियान का हिस्सा है। इसी अभियान के अंतर्गत रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 26 अक्टूबर को नई दिल्ली के साउथ ब्लॉक स्थित रक्षा मंत्रालय के सचिवालय में सफाई का निरीक्षण किया।

रक्षा मंत्रालय का कहना है कि मंत्रालय ने साउथ ब्लॉक में फर्नीचर स्क्रैप और फोटोकॉपियर मशीनों जैसे अप्रचलित और बेकार आईटी उपकरणों के निपटान से 5.34 लाख रुपये का राजस्व अर्जित किया है। मंत्रालय ने बताया कि खराब हो चुके वाहनों की नीलामी से भी 55 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ है। स्वच्छता की इसी भावना को

ध्यान में रखते हुए चल रहे विशेष अभियान 3.0 के दौरान एक पुराने अप्रयुक्त कमरे का कचरा साफ किया गया और उसका नवीनीकरण किया गया तथा उसे 'महिला विश्राम कक्ष' में रूपांतरित कर दिया गया, जहां कर्मचारी दोपहर के भोजन के दौरान खुद को तरोताजा कर सकते हैं।

रक्षा मंत्री ने साउथ ब्लॉक की दूसरी मंजिल पर महिला विश्राम कक्ष का उद्घाटन किया। महिला कर्मचारियों ने दूसरों के लिए अनुकरणीय इस सकारात्मक पहल के लिए उन्हें धन्यवाद दिया। राजनाथ सिंह ने भूतल पर कमरा नंबर 88 का भी दौरा किया, जिसका नवीनीकरण किया जा रहा है। अपशिष्ट पदार्थ एकत्र हो जाने के कारण यह कक्ष अब तक अप्रयुक्त था, जिसे अब साफ कर दिया गया है।

इस दौरान रक्षा मंत्री ने कर्मचारियों के साथ परस्पर बातचीत की। रक्षा मंत्री ने कर्मचारियों को कार्यस्थल पर अत्यधिक स्वच्छता बनाए रखने के लिए हर सप्ताह व्यक्तिगत रूप से कुछ घंटे श्रमदान करने के लिए प्रोत्साहित भी किया।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस बात पर बल दिया कि स्वच्छ और व्यवस्थित कार्यस्थल से उत्पादकता बढ़ती है। उन्होंने स्वच्छता वीरों को भी सम्मानित किया, जिनके अथक प्रयासों ने रक्षा मंत्रालय में स्वच्छता अभियान के सफल आयोजन में

दिल्ली में एक्यूआई 250 के पार मुंबई की हवा भी जहरीली

25 साल पहले 30 प्रतिशत इलाकों में प्रदूषण नहीं था, अब ऐसे इलाके सिर्फ 9 प्रतिशत

नई दिल्ली, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। मौसम के सर्द होने के साथ हवा में स्मॉग दिखने लगा है। गुरुवार सुबह दिल्ली में एक्यूआई (एयर क्वालिटी इंडेक्स) 256 और मुंबई में एक्यूआई 139 दर्ज किया गया। ये आंकड़े सिस्टम ऑफ एयर क्वालिटी एंड वेदर फॉरकास्टिंग एंड रिसर्च ने जारी किए हैं।

आईआईटी दिल्ली के ट्रिप-सेंटर की रिपोर्ट के मुताबिक, 25 साल पहले देश के 30 प्रतिशत इलाकों में प्रदूषण नहीं था। उस समय किसी भी शहर में 100 से ज्यादा एक्यूआई दर्ज नहीं होता था। अब 11 प्रतिशत से अधिक आबादी 100 से अधिक एक्यूआई वाले शहरों में रह रही है। मध्य भारत के 14 शहरों में पुणे ऐसा शहर है, जहां 25 साल में प्रदूषण सालाना रूप से 104 प्रतिशत बढ़ गया।

कर्नाटक के चिकबल्लापुर में टाटा सूमो-टैंकर से टकराई

भीषण सड़क हादसे में 12 की मौत

नई दिल्ली, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। कर्नाटक के चिकबल्लापुर में भीषण सड़क हादसा हो गया। इस दुर्घटना में 12 लोगों की मौत हो गई है। यह हादसा गुरुवार सुबह 7 बजकर 15 मिनट पर एनएच 44 पर चित्रावती ट्रैफिक पुलिस स्टेशन के ठीक सामने हुआ। इस घटना में 12 की मौत और एक गंभीर रूप से घायल हुआ है। मरने वालों में 8 पुरुष और 4 महिलाएं शामिल हैं। एनएच 44 पर एक खड़े टैंकर में सामने से आ रही टाटा सूमो ने टक्कर मार दी। टैंकर और सूमो की टक्कर के बाद घायलों को अस्पतालों में भर्ती करवाया गया था, जहां उनकी मौत हो गई।सूत्रों के मुताबिक, घने कोहरे की वजह से कार ड्राइवर सड़क किनारे खड़े टैंकर को देख नहीं सका और उनमें जाकर भिड़ गया।

सड़क हादसे में 12 की मौत

एसपी चिक्कबल्लापुर ने घटना की जानकारी देते हुए कहा,आज सुबह 7:15 बजे एनएच 44 (बैंगलोर-हैदराबाद) हाईवे पर चिक्कबल्लापुर के पास एक सड़क दुर्घटना हुई। एपी02सीएच 1021 नंबर की टाटा सूमो ने एन एल01 क्यू 1954नंबर के टैंकर को पीछे से टक्कर मार दी। टाटा सूमो में सवार 12 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल है, जिसका इलाज चिक्कबल्लापुर जनरल अस्पताल में किया जा रहा है। हम पीड़ितों, ड्राइवरों और घटना में शामिल वाहनों के बारे में जानकारी इकट्ठा कर रहे हैं।

खड़े टैंकर में घुस गई कार

पुलिस ने बताया कि यह दुर्घटना सुबह करीब सात बजे चिक्कबल्लापुर शहर के जिला मुख्यालय के बाहरी इलाके में हुई। एसयूवी आंध्र प्रदेश में अनंतपुर से बेंगलुरु जा रही थी तभी चालक ने राष्ट्रीय राजमार्ग-44 पर खड़े एक टैंकर में टक्कर मारी दी, जिससे चार महिलाओं समेत 12 यात्रियों की मौत हो गई। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि दुर्घटना में मारे गए लोग अनंतपुर जिले के रहने वाले थे।

मृतकों में कार चालक भी शामिल है। हादसे की वजह का अभी पता नहीं चला है। ऐसा संदेह है कि कोहरे के कारण दृश्यता कम होने से दुर्घटना हुई होगी लेकिन अभी इसकी पुष्टि नहीं हुई है। उन्होंने बताया कि मृतक अनंतपुर के गोरंटला के रहने वाले थे और एक परिवार के नहीं थे।पुलिस ने बताया कि भारतीय दंड संहिता की संबंधित धाराओं के तहत दुर्घटना का एक मामला दर्ज किया गया है और मृतकों की पहचान करने तथा उनके परिवार के सदस्यों से संपर्क करने का प्रयास किया जा रहा है।

मां को पहले किया लहूलुहान, फिर सूखी लकड़ियों पर लिटाकर लगा दी आग, महाराष्ट्र में कलयुगी बेटे की खौफनाक करतूत

मुंबई, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में कलयुगी बेटे की एक खौफनाक करतूत सामने आई है। 26 वर्षीय शख्स ने खाना परोसने को लेकर हुए मामूली विवाद के बाद अपनी ही मां को आग के हवाले कर दिया। पुलिस ने बताया है कि बुधवार (25 अक्टूबर) को वारदात के समय गंभीर रूप से झुलसी महिला ने आज (26 अक्टूबर) गुरुवार की सुबह अलीबाग के सरकारी अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया है। महिला की पहचान चंगुना नामदेव खोत के रूप में हुई है, जबकि आरोपी बेटे का नाम जायेश है। वारदात को अंजाम देने के बाद वह फरार होने की फिराक में था, लेकिन पुलिस ने उसे घेर कर जंगल से धर दबोचा है। रिपोर्ट के मुताबिक घटना महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले के रेवदंडा के पास नवखार गांव में हुई।

महाराष्ट्र के बीड जिले में 6 घंटे में हुए दो भीषण हादसे, 10 लोगों की मौत

मुंबई, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के बीड जिले में बीती रात बेहद काली साबित हुई है। खबर है कि यहां आष्टी तालुके में रात 12:00 बजे से सुबह 6:00 बजे के बीच दो भीषण सड़क हादसे हो गए। इन दोनों हादसों में 10 लोगों की मौत हो गई। मुंबई से बीड की ओर आ रही सागर ट्रेवल्स नाम की निजी बस हादसे का शिकार हो गई। इस भीषण हादसे में 6 यात्रियों की जान चली गई। वहीं दौलावडगांव में एंबुलेंस और मालवाहक ट्रक की टक्कर हो गई। इस हादसे में भी 4 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई।

पहला हादसा हुआ सागर ट्रेवल्स नाम की एक निजी बस का जो मुंबई से बीड आ रही थी। यात्रियों से भरी ये बस भयानक हादसे का शिकार हो गई। ये बस हादसा बीड जिले के आष्टा फाटा में हुआ है। प्रारंभिक जानकारी में 6 लोगों की मौत की जानकारी सामने आई है। सागर ट्रेवल्स नाम की निजी बस में करीब 45 से 50 यात्री सफर कर रहे थे। लेकिन रात के अंधेरे में अज्ञात कारणों से ड्राइवर का नियंत्रण खो गया और बस दुर्घटनाग्रस्त हो गई। जानकारी मिली है कि सुबह तड़के मुंबई से बीड की ओर आते वक्त आष्टा हरिनारायण पर टर्न लेने के दौरान बस का नियंत्रण खो गया और हादसा हो गया। टक्कर इतनी भीषण थी बस के एक तरफ से परखच्चे उड़ गए।

एम्बुलेंस और ट्रक की टक्कर में 4 की मौत

वहीं 6 घंटे के भीतर एक दूसरे हादसे की भी खबर आ गई। जानकारी मिली है कि बीड डिले के आष्टी तालुका के धामनगांव से एक मरीज को अहमदनगर ले जाते समय रात को धौलावडगांव में एक एम्बुलेंस और ट्रक की भीषण टक्कर हो गई। इस हादसा में सांगवी पाटन के डॉ। राजेश ज़िन्जुर्के (उम्र 38 वर्ष) और धामनगांव के एम्बुलेंस ड्राइवर भरत लोखंडे और 2 अन्य लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि एक घायल का इलाज चल रहा है। दुर्घटनाग्रस्त एंबुलेंस में कुल पांच लोग सवार थे।

बीएस येदियुरप्पा को जेड सिक्योरिटी

क्या हुआ कि बढ़ानी पड़ी पूर्व सीएम की सुरक्षा

बेंगलूरू, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री और बीजेपी के वरिष्ठ नेता बीएस येदियुरप्पा को जेड श्रेणी की सुरक्षा मिली है। हाल ही में सेंट्रल इंटेलिजेंस ब्यूरो (आईबी) की ओर से खतरे का अलर्ट जारी किए जाने के बाद केंद्रीय गृह मंत्रालय ने यह फैसला लिया है। कर्नाटक में सक्रिय कट्टरपंथी समूहों से संभावित खतरे को देखते हुए हाल ही में आईबी ने उनकी सुरक्षा का आंकलन किया था। आइबी की रिपोर्ट में उनकी सुरक्षा को लेकर चिंता जताई गई थी। रिपोर्ट केंद्रीय गृह मंत्रालय के पास भी सौंपी गई थी, जिसके बाद उनकी सुरक्षा बढ़ाने का निर्णय लिया गया है।

सीआरपीएफ कमांडो संभालेंगे सुरक्षा का जिम्मा

गृह मंत्रालय के निर्देशानुसार येदियुरप्पा की सुरक्षा का जिम्मा केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) कमांडो के सशस्त्र जवान संभालेंगे। सूत्रों के मुताबिक, येदियुरप्पा की सुरक्षा के लिए कुल 33 सीआरपीएफ जवान तैनात किए जाएंगे। इसके अतिरिक्त, उनके आवास पर 10 सशस्त्र स्टैटिक गार्ड तैनात रहेंगे, जिनके साथ मिलकर छह निजी सुरक्षा अधिकारी (पीएसओ) चौबीसों घंटे सुरक्षा सुनिश्चित करेंगे।

ड्राइवरों की टीम भी सुरक्षा घेरे में शामिल

उनके काफिले में खासतौर पर प्रशिक्षित कुशल ड्राइवरों को भी शामिल किया गया है जो खतरे की स्थिति में उन्हें सुरक्षित निकालने में सक्षम होंगे। संभावित खतरों के खिलाफ निरंतर निगरानी सुनिश्चित करने के लिए 12 सशस्त्र एस्कॉर्ट कमांडो को तीन शिफ्टों में तैनात किया जाएगा। निरंतर निगरानी बनाए रखने के लिए, दो पर्यवेक्षकों को शिफ्ट में तैनात किया जाएगा, जिनके दो स्तरीय सुरक्षा घेरे में हमेशा येदियुरप्पा रहेंगे।

येदियुरप्पा को मिली थी धमकी

यह भी बताया गया है कि उनकी सुरक्षा में तैनात होने वाले कमांडो मार्शल आर्ट में भी दक्ष हैं और बिना हथियारों के भी लड़ने में माहिर हैं। वे चौबीसों घंटे मशीन गन और मॉडर्न कम्युनिकेशन डिवाइस से लैस होंगे। आपको बता दें कि येदियुरप्पा के परिवार के कई लोग राजनीति में सक्रिय हैं। यह भी दावा किया जा रहा है उन्हें चरमपंथी समूहों की ओर से धमकी दी गई थी, जिसके बाद गृह मंत्रालय ने ये महत्वपूर्ण कदम उठाया है।

इंद्र सेना रेड्डी नल्लू ने त्रिपुरा के राज्यपाल के रूप में शपथ ली

अगरतला, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। इंद्र सेना रेड्डी नल्लू ने बृहस्पतिवार को त्रिपुरा के 20वें राज्यपाल के रूप में शपथ ली। यहां राजभवन में आयोजित समारोह में त्रिपुरा उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश अपरेश कुमार सिंह ने उन्हें शपथ दिलाई। राज्यपाल के शपथ ग्रहण समोराह में मुख्यमंत्री माणिक साहा, उनके मंत्रिमंडलीय सहयोगी और मुख्य सचिव जे।के सिन्हा भी मौजूद थे। शपथ ग्रहण समारोह के बाद उन्होंने संवाददाताओं से कहा, "त्रिपुरा के राज्यपाल के रूप में जिम्मेदारी सौंपने के लिए मैं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को धन्यवाद देता हूं। मैं त्रिपुरा के विकास में अपना सर्वश्रेष्ठ योगदान दूंगा। मैं राज्य में पारदर्शिता, सशक्तिकरण और जवाबदेही लाना चाहता हूं और मुख्यमंत्री माणिक साहा के नेतृत्व वाली राज्य सरकार के साथ सहयोग करूंगा।" तेलंगाना में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और अविभाजित आंध्र प्रदेश के तीन बार के विधायक रहे नल्लू ने सत्यदेव एन आर्य की जगह ली है। न्यायामूर्ति सब्यसाची दत्ता पुरकायस्थ और न्यायमूर्ति विश्वजीत पालित ने उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में शपथ ली। मुख्य न्यायाधीश सहित उच्च न्यायालय में न्यायाधीशों की संख्या अब पांच हो गई है।

लश्कर तय्यबा ने दी कैंट रेलवे स्टेशन को उड़ाने की धमकी; जगाधरी, पानीपत सहित कई स्टेशन के नाम शामिल

अंबाला, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। लश्कर ए तय्यबा ने अंबाला कैंट रेलवे स्टेशन को उड़ाने की धमकी दी है। इसमें जगाधारी, पानीपत सहित हरियाणा के कई स्टेशनों के नाम शामिल है। लश्कर ए तय्यबा ने कहा कि 13 नवंबर को वह स्टेशनों पर धमाके करेंगे। इसके साथ ही 15 को मंदिरों को भी उड़ाने की धमकी मिली है। सुरक्षा को लेकर जीआरपी और आरपीएफ अलर्ट मोड पर है और जल्द ही स्टेशन पर कमांडो दस्ता तैनात होगा।

प्रियंका गांधी निजी यात्रा पर पुणे पहुंचीं

पुणे, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाद्रा बृहस्पतिवार को निजी यात्रा पर पुणे पहुंचीं। उन्होंने हवाईअड्डे पर पहुंचने के बाद एक कार में आगे की यात्रा की।

स्थानीय कांग्रेस नेताओं के अनुसार, कांग्रेस की महासचिव यहां एक बीमार रिश्तेदार से मिलने आई हैं। कांग्रेस की पुणे इकाई के अध्यक्ष अरविंद शिंदे सहित कुछ कांग्रेस सदस्य उनके स्वागत के लिए हवाई अड्डे पर गए लेकिन उन्होंने किसी से भी नहीं मिलने का फैसला किया और काफिले के बजाय एक कार में जाते हुए दिखीं। शिंदे ने कहा कि यह प्रियंका गांधी की निजी यात्रा है और उन्होंने पहले ही कहा था कि उनके स्वागत के लिए कोई नेता न आए और न ही मीडिया मौजूद रहे। उन्होंने कहा,"प्रोटोकॉल का पालन करते हुए हमने उनके स्वागत की कोशिश की लेकिन विशेष सुरक्षा समूह (एसपीजी) ने हमें उनसे मिलने नहीं दिया। वह काफिले को छोड़कर एक कार में चली गई।" शिंदे ने कहा कि वह एक बीमार रिश्तेदार से मिलने आयी हैं।

कुपवाड़ा में सुरक्षाबलों का आतंकियों के साथ मुठभेड़, 2 आतंकवादी हुए ढेर

श्रीनगर, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिले में गुरुवार को मच्छल सेक्टर में आतंकियों के घुसपैठ की कोशिश को सेना ने नाकाम कर दिया। इस दौरान सेना और आतंकियों के बीच मुठभेड़ शुरू हो गई, जिसमें सुरक्षाबलों ने दो आतंकवादियों को ढेर कर दिया। जम्मू-कश्मीर पुलिस ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर ट्वीट कर जानकारी दी है। उन्होंने ट्वीट करते हुए लिखा, 'कुपवाड़ा पुलिस द्वारा दी गई एक विशेष जानकारी के आधार पर, मच्छल सेक्टर में एक मुठभेड़ शुरू हो गई है, जिसमें अब तक दो आतंकवादी मारे गए हैं।

ऑपरेशन चल रहा है।' इससे पहले श्रीनगर स्थित सेना की चिनार कोर ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, 'भारतीय सेना, जम्मू-कश्मीर पुलिस और खुफिया एजेंसियों द्वारा 26 अक्टूबर को चलाये गये एक संयुक्त अभियान में कुपवाड़ा सेक्टर में एनओसी पर सतर्क जवानों ने घुसपैठ की कोशिश को नाकाम कर दिया,' पोस्ट में कहा गया कि अभियान जारी है।

पुंछ में बड़ा हादसा: सोते समय अचानक गिरी कच्चे मकान की छत, एक की मौत

पुंछ, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। जम्मू संभाग के पुंछ जिले में गुरुवार सुबह बड़े हादसे की खबर है। जिले के मेंढर उपजिला के दूरदराज गांव गुरसाई मुरी में एक कच्चे मकान की छत गिर गई। इसकी चपेट में आने से परिवार के छह लोग घायल हो गए। इनमें से एक ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया है। जानकारी के अनुसार, बुधवार-गुरुवार की रात पुंछ के दूरदराज गांव गुरसाई मुरी कच्चे मकान की छत गिरने से उसमें मौजूद छह लोग घायल हो गए। सूचना मिलते ही लोग मदद के लिए मौके पर पहुंचे। घायलों को तुरंत बाहर निकाल कर उपचार के लिए सुरनकोट अस्पताल पहुंचाया गया।

मोहन भागवत बोले- दुनिया को धर्म की राह दिखा रहा भारत

रखें श्रद्धा-दान और त्याग की भावना

सहारनपुर, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। सहारनपुर जनपद के सरसावा के लिए आज का दिन बेहद महत्वपूर्ण है। श्री कृष्ण मंदिर के भूमि पूजन कार्यक्रम में आज यहां देश भर से साधु-संत जुट रहे हैं, जिसमें सर संघचालक मोहन भागवत बतौर मुख्यातिथि शिरकत करने पहुंचे हैं। कार्यक्रम को लेकर पुलिस-प्रशासन भी पूरी तरह से अलर्ट है। सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त किए गए हैं। आरएसएस प्रमुख डॉ। मोहन भागवत ने कहा कि भारत में एक विशेषता है कि वह पूरी दुनिया को धर्म की राह दिखा रहा है। सर संघचालक मोहन भागवत कार्यक्रम में करीब दो घंटे रुकने के बाद सहारनपुर के पंत विहार स्थित श्री कृष्ण ज्ञान मंदिर के रजत जयंती महोत्सव में भी शिरकत करने पहुंचे। आरएसएस प्रमुख डॉ। मोहन भागवत ने कहा कि भारत में एक विशेषता है कि वह पूरी दुनिया को धर्म की राह दिखा रहा है। भले ही पंथ ओर सम्प्रदाय अलग अलग हों, लेकिन काम सभी एक ही कर रहे हैं। धर्म सभी को जोड़कर रखता है। कहा कि धर्म साश्वत है, अगर यह खत्म हुआ तो श्रृष्टि भी खत्म हो जाएगी। इसलिए कुशलतापूर्वक कार्य करें। कभी भी अपने अंदर अंहकार मत लाओ। पवित्रता जरूरी है। भागवत गीता में भारत के जीवन का निचोड़ है। व्यक्ति को श्रद्धा, दान और त्याग की भावना रखनी होगी। जो भी करो वह उत्तम होना चाहिए। कहा कि जीवन मे आने वाली परिस्थितियों से भागना नहीं है, इनका मुकाबला करो। यदि भाग गए तो जिंदा होते हुए भी मौत के समान है। प्रकृति के साथ चले, यह धर्म की आवश्यकता है। दुनिया मे ऐसे भी लोग हैं जो दुष्ट हैं, उनसे घबराना नहीं है। हमारी किसी से दुश्मनी नहीं है। सभी को साथ लेकर चले। वहीं आचार्य कारंजेकर बाबा ने कहा कि हमने देवबंद में श्री कृष्ण मंदिर का निर्माण करने के लिए लोक निर्माण विभाग के मंत्री से जमीन मांगी है। उन्होंने वहां पर जमीन दिलाने का आश्वासन दिया है अगर जमीन मिलती है तो हम देवबंद में भी श्री कृष्ण मंदिर बना देंगे। इस महोत्सव के बाद सरसंघचालक दिल्ली के लिए रवाना होंगे। सुरक्षा के मद्देनजर इसमें पांच सीओ, 16 इंस्पेक्टर, 50 कांस्टेबल, 80 होमगार्ड, यातायात पुलिस और स्थानीय पुलिस को भी तैनात किया गया है।

चौथी बार पीडीपी की अध्यक्ष बनीं महबूबा मुफ्ती की बेटी इल्तिजा

श्रीनगर, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) के अध्यक्ष पद के लिए गुरुवार को श्रीनगर स्थित पीडीपी मुख्यालय में चुनाव हुए। इस दौरान महबूबा मुफ्ती को किसी भी अन्य दावेदार का नाम प्रस्तावित नहीं हुआ। ऐसे में महबूबा मुफ्ती को निर्विरोध तीन साल की अवधि के लिए पार्टी का अध्यक्ष चुन लिया गया। महबूबा मुफ्ती की बेटी एवं उनकी सलाहकार इल्तिजा मुफ्ती समेत अन्य पार्टी नेताओं ने उन्हें बधाई दी। चुनाव प्रक्रिया का हिस्सा रहे पार्टी नेताओं में से एक ने कहा कि श्रीनगर में पार्टी मुख्यालय में महबूबा मुफ्ती को फिर से अध्यक्ष चुना गया है। उन्होंने बताया कि चुनाव प्रक्रिया ध्वनिमत से संपन्न हुई। पार्टी के उपाध्यक्ष अब्दुल रहमान वीरी ने अध्यक्ष के रूप में महबूबा मुफ्ती के नाम का प्रस्ताव रखा, जिसका पार्टी महासचिव जी नबी लोन हंजुरा ने समर्थन किया। महबूबा मुफ्ती को लगातार चौथी बार पार्टी अध्यक्ष चुना गया है। पार्टी के सर्वोच्च पद के लिए चुनाव हर तीन साल के बाद होता है।

'हिंद- प्रशांत हमारे लिए चुनौती और अवसर दोनों'

सेना प्रमुख बोले- सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए सक्रिय रहने की जरूरत

नई दिल्ली, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। थल सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे ने गुरुवार को कहा कि सीमा पर स्थिति स्थिर बनी हुई है और हमें कई प्रकार के चुनौतियों से निपटने के लिए सक्रिय रूप से तैयार रहने की जरूरत है। उन्होंने एक कार्यक्रम में कहा कि हम दुनिया में अभूतपूर्व बदलाव देख रहे हैं और रूस-यूक्रेन संघर्ष से हमने सबक सीखा कि हम सैन्य हार्डवेयर के आयात के लिए अन्य देशों पर निर्भर नहीं रह सकते हैं। थलसेना अध्यक्ष ने कहा कि 40,000 'अग्निवीरों' का पहला बैच इकाइयों में शामिल हो गया है और क्षेत्र से इसकी प्रतिक्रिया अच्छी और उत्साहजनक है। उन्होंने कहा कि हम सेना में आधुनिक प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने पर महत्वपूर्ण ध्यान दे रहे हैं। सेना प्रमुख ने कहा कि हमारा ध्यान सेना का पुनर्गठन, प्रौद्योगिकी का समावेश, मौजूदा संरचनाओं में सुधार करने पर है। थल सेना प्रमुख ने हिंद- प्रशांत पर बोलते हुए कहा कि यह हमारे लिए चुनौती और अवसर दोनों साबित होगा और हमें विभिन्न सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए सक्रिय रहने की जरूरत है।

कुल्लू में दो युवकों से 10 किलोग्राम चरस बरामद

कुल्लू, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स की टीम ने चरस की बड़ी खेप पकड़ने में सफलता हासिल की है। लंबे समय के बाद इतनी बड़ी खेप बरामद की गई है। चरस तस्करी का मामला बुधवार बीती रात उस दौरान सामने आया जब एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स की टीम सुंदर नगर के पुंघ में नाका पर मौजूद थी। इस दौरान टीम द्वारा ऑल्टो कार एच पी 66 ए - 4096 को जांच के लिए रोका गया। जांच के दौरान कार में मौजूद दो युवकों के कब्जे से टीम द्वारा 10 किलो ग्राम चरस की खेप बरामद की गई। डीएसपी कुल्लू एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स हेमराज वर्मा ने बताया कि आरोपियों की पहचान गिरधारी लाल (26) पुत्र पारस राम गांव वार्ड न1 बिजल सुचैन जिला कुल्लू व अरुण कुमार (22) पुत्र मेहर चंद गांव देउरी डाक घर बनोगी तहसील बंजार जिला कुल्लू के रूप में हुई है।

समीर वानखेड़े के पिता धोखाधड़ी का शिकार ऑनलाइन शॉपिंग में खाते से उड़े हजारों रुपए

मुंबई, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। एनसीबी के पूर्व जोनल प्रमुख समीर वानखेड़े के पिता और सेवानिवृत्त सहायक पुलिस आयुक्त ज्ञानदेव वानखेड़े ऑनलाइन धोखाधड़ी का शिकार हुए हैं। हाल ही में ऑनलाइन ड्राई फ्रूट्स खरीदने की कोशिश के दौरान वह साइबर जालसाजों से 31,019 रुपये गंवा बैठे। शिकायतकर्ता का आरोप है कि उन्होंने 2000 रुपए के ड्राई फ्रूट्स का ऑर्डर किया था लेकिन, कुछ ही घंटों बाद आए एक फोन कॉल के झांसे में आकर उन्होंने हजारों रुपए गंवा दिए। रिपोर्ट के मुताबिक, 70 वर्षीय ज्ञानदेव वानखेड़े ने ओशिवारा पुलिस स्टेशन में एक एफआईआर दर्ज कराई थी।

जिसमें उन्होंने कहा था कि उन्हें विक्रेता अजीत बोरा द्वारा फेसबुक पर ड्राई फ्रूट्स का विज्ञापन मिला था। शिकायतकर्ता ने 2000 के बादाम, नट्स, अंजीर और अखरोट का ऑर्डर दिया। हालांकि उन्हें कुछ घंटों के बाद एक फोन कॉल आया जिसमें कहा गया कि उनका पार्सल तैयार है लेकिन जीएसटी के कारण अवरुद्ध हो गया है। उसकी क्लेरेंस के लिए जब उसने अपना ऑर्डर रद्द करने और पैसे वापस करने के लिए कहा। विक्रेता बोरा ने उन्हें गूगल पे पर कोड सबमिट करने के लिए कहा और तीन अलग-अलग कोड प्रदान किए। कथित तौर पर, वानखेड़े ने निर्देशों का पालन किया और तब उन्हें महसूस हुआ कि उनके बैंक खाते से दो किस्तों में 31000 रुपए निकाल लिए गए।

अस्पताल के शौचालय में नाबालिग ने दिया बच्ची को जन्म, पुलिस ने दर्ज किया रेप का मामला

नई दिल्ली, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। पश्चिमी दिल्ली के दशमेश अस्पताल में 17 साल की एक लड़की पेट दर्द की शिकायत लेकर पहुंची। इसके बाद उसने अस्पताल के शौचालय में एक बच्ची को जन्म दिया। खबर फैल गई और अस्पताल में अफरा-तफरी मच गई। सूचना पाकर पुलिस भी मौके पर पहुंची। लड़की और उसके परिवार के बारे में काफी पूछताछ की गई। महिला आयोग की काउंसलर को भी बुलाया गया। काफी प्रयास के बाद भी किशोरी या उसके परिजनों ने नवजात बच्ची के बारे में कोई जानकारी नहीं दी। पुलिस ने रेप और पॉक्सो की धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

जेल में बंद आजम खान ने अजय राय से मिलने से किया इनकार, वजह भी बता दी

सीतापुर, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। सीतापुर की जेल में बंद सपा नेता आजम खान ने यूपी कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय से मिलने से इनकार कर दिया। आजम खान ने कहा कि मैं किसी भी पार्टी के पॉलिटिकल लीडर से नहीं मिलना चाहता हूं। आजम खान ने कहा कि परिवार के लोगों के अलावा वो किसी से नहीं मिलेंगे। यह इसलिए क्योंकि इस महीने वो जेल में केवल एक बार ही किसी से मिल सकते हैं। सूत्रों के मुताबिक यूपी कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अजय राय 1 बजे आजम खान से मिलने वाले थे। मगर इससे पहले आजम खान ने अजय राय से मिलने से मना कर दिया। लखनऊ से निकलने से पहले अजय राय ने कहा था कि आजम खान का पूरा परिवार परेशान है,

इसलिए उनसे मिलने का प्लान बनाया है। इसे सियासत से जोड़कर नहीं देखना चाहिए। अजय राज ने लखनऊ से निकलने से पहले कहा था कि इस मुश्किल वक्त में हम सबका फर्ज बनता है कि हम आजम खान के साथ खड़े रहें। जब हम भाजपा विधायक थे और वो मंत्री थे तब उन्होंने कभी किसी काम के लिए मना नहीं किया। आज वो दुख की घड़ी में हैं तो हमारा उनसे मिलने का कर्तव्य बनता है। बता दें कि इससे पहले कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष के आजम खान से मुलाकात को लेकर कई राजनीतिक मायने निकाले जा रहे थे।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

शुक्रवार, 27 अक्टूबर, 2023 3

युविचार

उस ज्ञान का कोई लाभ नहीं, जो समाज के हित में ना हो !

मैंने अपना काम कर दिया है, अब आपकी बारी : सीएम केसीआर

हैदराबाद, 26 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। लोगों को लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय भूमिका निभाने की आवश्यकता पर जोर देते हुए, बीआरएस अध्यक्ष और मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने कहा कि अब समय आ गया है कि तेलंगाना के लोग राज्य की प्रगति को जारी रखने के लिए अपना योगदान दें और मतदाताओं से आग्रह किया कि वे ऐसा करें। वोट डालने से पहले बीआरएस शासन के मुकाबले पिछली सरकारों के प्रदर्शन का मूल्यांकन करें।

सीएम ने गुरुवार को एटचैम्पेट में एक विशाल सभा को संबोधित करते हुए कहा कि हमने एक साथ तेलंगाना राज्य हासिल किया। मैंने इसकी प्रगति के लिए अपना योगदान दिया है। अब, यह सुनिश्चित करने की आपकी बारी है कि राज्य का विकास जारी रहे और ज़रूरतों को इसका फल मिले। कोई भी हिचकिचाहट पूरे राज्य के लिए विनाश का कारण बन सकती है और अतीत की कांग्रेस सरकारों के अंधकार युग को वापस ला सकती है। मुख्यमंत्री ने मतदाताओं को राज्य में पिछले प्रशासन की उपलब्धियों की तुलना वर्तमान बीआरएस सरकार से करने के लिए प्रोत्साहित किया, साथ ही विपक्षी शासित राज्यों के साथ तुलना करने के लिए भी प्रोत्साहित किया। उन्होंने हर घर में पीने का पानी और निर्बाध बिजली आपूर्ति जैसे वादे पूरे करने में बीआरएस के रिकॉर्ड को रेखांकित किया। अन्य राज्यों के भाजपा नेता इन चुनावों के दौरान राज्य का दौरा करेंगे और बड़े वादे करेंगे। लेकिन वे सभी अपने राज्यों में ऐसी महत्वपूर्ण प्रतिबद्धताओं को पूरा करने में असफल रहे।

चन्द्रशेखर राव ने कहा कि काम किए जाने या न किए जाने की आलोचना हमेशा होती रहेगी, लेकिन लोगों को आगे की सोच अपनानी होगी।

जब उन्होंने सभा से पूछा कि क्या वे तेलंगाना के धान उत्पादन में गिरावट देखना चाहते हैं, जो वर्तमान में तीन करोड़ टन है, या इसे चार करोड़ टन तक बढ़ाने का लक्ष्य है, तो उन्हें अपने पक्ष में भारी प्रतिक्रिया मिली। उन्होंने कल्याणकारी योजनाओं की

घोषणा करने के लिए बीआरएस के व्यावहारिक और यथार्थवादी दृष्टिकोण पर प्रकाश डाला, जिन्हें राज्य के बढ़ते राजस्व के अनुसार समायोजित किया गया है। उन्होंने अपने चुनावी घोषणापत्र में बीआरएस के कार्रवाई योग्य वादों की तुलना विपक्ष की व्यापक प्रतिबद्धताओं से की, जिन्हें वे बाद में लागू करने में विफल रहे।

मुख्यमंत्री ने एटचम्पेट विधानसभा क्षेत्र के लोगों को आश्वासन दिया कि बीआरएस उमामहेश्वर लिफ्ट सिंचाई योजना को पूरा करेगा, जिससे लगभग 1.5-2 लाख एकड़ को फायदा होगा।

उन्होंने लगभग 192 मामले दायर करने के लिए कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराया, जिसके कारण पलामुरू-रंगारेड्डी लिफ्ट सिंचाई योजना (पीआरएलआईएस) को तय समय पर पूरा करने में देरी हुई और परियोजना के लंबित कार्यों को पूरा करने की कसम खाई, जिसे हाल ही में पलामूरू क्षेत्र में सूखे की स्थिति को समाप्त करने के लिए चालू किया गया है।

कर्मचारियों से डाक मतपत्र का उपयोग करने का आग्रह किया गया

वारंगल, 26 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। जीडब्ल्यूएमसी आयुक्त और वारंगल (पूर्व) रिटर्निंग ऑफिसर (आरओ) शेख रिजवानबाशा ने लोगों को डाक मतपत्र का उपयोग करने के बारे में शिक्षित करने के महत्व पर जोर दिया है। गुरुवार को यहां सेक्टर अधिकारियों के साथ एक बैठक को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि 80 वर्ष से अधिक उम्र के वरिष्ठ नागरिक फॉर्म 12-डी का उपयोग करके घर से मतदान कर सकते हैं। सरकारी कर्मचारी जो अन्य निर्वाचन क्षेत्रों में चुनाव ड्यूटी पर काम कर रहे हैं, उन्हें फॉर्म - 12 जमा करना चाहिए, और जो लोग अपने निर्वाचन क्षेत्रों में चुनाव ड्यूटी पर काम कर रहे हैं, उन्हें ड्यूटी प्रमाण पत्र फॉर्म 12-ए जमा करना चाहिए। सेक्टर अधिकारियों को सेवा मतदाताओं को डाक मतपत्र के माध्यम से वोट का उपयोग करने के लिए भी प्रोत्साहित करना चाहिए। इस अवसर पर मास्टर ट्रेनरों ने पोस्टल वोटिंग के प्रयोग पर व्याप्त संशय को दूर किया। बैठक में जीडब्ल्यूएमसी के अतिरिक्त आयुक्त अनीस उर राशिद, तहसीलदार इकबाल, मास्टर ट्रेनर संदीप कुमार और नागेश्वर राव और चुनाव डीटी मधुसूदन शामिल हुए।

रैतू बंधु वितरण बंद करने की कांग्रेस की मांग बिलकुल गलत : हरीश राव

हैदराबाद, 26 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। मंत्री टी. हरीश राव ने रैतू बंधु संवितरण का विरोध करने के लिए कांग्रेस पार्टी पर तीखा हमला किया है। गुरुवार को यहां तेलंगाना भवन में एक संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए, हरीश राव ने कहा कि कांग्रेस ने भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) के पास शिकायत दर्ज करके रैतू बंधु वितरण को रोकने की मांग करके अपना असली रंग उजागर कर दिया है और उसने एक बार फिर खुद को साबित कर दिया है कि यह किसान विरोधी पार्टी है। रैतू बंधु कोई नई योजना नहीं है और इसे चुनावों के लिए नहीं बनाया गया है। हरीश राव ने कहा कि रैतू बंधु योजना के तहत, तेलंगाना में लगभग 69 किसान लाभान्वित हो रहे हैं और अब तक लगभग 75,000 करोड़ रुपये किसानों के खातों में जमा किए जा चुके हैं। मंत्री ने कहा कि कांग्रेस नेता इस डर में फंस गए हैं कि आगामी विधानसभा चुनाव में किसान कांग्रेस को अपना वोट नहीं देंगे। उन्होंने बताया कि

यही कारण है कि उन्होंने किसानों के खिलाफ एक साजिश पकड़ी है और रैतू बंधु योजना के कार्यान्वयन का विरोध करते हुए ईसीआई के पास शिकायत दर्ज कराई है।

यह याद दिलाते हुए कि कर्नाटक में कांग्रेस सरकार अपने चुनावी वादों को पूरा करने में विफल रही है, हरीश राव ने कहा कि कर्नाटक के लोग कोडंगल और गडवाल क्षेत्रों में आ रहे थे और सभी क्षेत्रों में पर्याप्त बिजली आपूर्ति की मांग को लेकर कांग्रेस सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहे थे। उन्होंने आगाह किया कि अगर कांग्रेस सत्ता में आई तो रायथु बंधु योजना बंद कर दी जाएगी और तेलंगाना में तीन घंटे से अधिक बिजली की आपूर्ति नहीं की जाएगी। हरीश राव ने कहा कि कांग्रेस पार्टी द्वारा परेशानियां पैदा करने के बावजूद तेलंगाना में पूरा कृषक समुदाय अब मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के साथ है और किसानों से आगामी विधानसभा चुनावों में हराकर सबसे पुरानी पार्टी को उचित सबक सिखाने के लिए कहा है।

भारत गेम डेवलपर्स कॉन्फ्रेंस 2 से, हैदराबाद करेगा मेजबानी

हैदराबाद, 26 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। दुनिया भर के गेमिंग विशेषज्ञ यहां हैदराबाद में 2 से 4 नवंबर तक एचआईसीसी में आयोजित होने वाले तीन दिवसीय इंडिया गेम डेवलपर्स कॉन्फ्रेंस (आईडीजीसी) में हिस्सा लेंगे। अपने 15वें वार्षिक अवतार में यह आयोजन दक्षिण एशिया का सबसे बड़ा डेवलपर सम्मेलन है जिसमें 150 से अधिक वक्ताओं और 100 अतिसक्रिय सत्रों की भागीदारी के साथ 4000 से अधिक प्रतिभागियों की भागीदारी की उम्मीद है। यह सम्मेलन इंडिया जॉय के साथ-साथ चलेगा, जो 31 अक्टूबर से 5 नवंबर तक हैदराबाद में होगा। आईडीजीसी में स्पॉटलाइट एआई, वेब3, कला और डिजाइन, प्रौद्योगिकी, उत्पादन, व्यवसाय और उत्पाद प्रबंधन, अच्छे, उभरते रुझानों और कैरियर के अवसरों के लिए गेम को कवर करने वाले एम्लाइड गेम्स पर होगा।

सीपी ने किया चुनाव व्यवस्थाओं का निरीक्षण

स्ट्रांग रूम और सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया

हैदराबाद, 26 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राज्य में आगामी विधानसभा चुनावों के मद्देनजर, राचकोंडा पुलिस आयुक्त डीएस चौहान ने आज क्षेत्र स्तर की सुरक्षा व्यवस्था और चुनाव प्रबंधन व्यवस्था की निगरानी के लिए सरूरनगर में इनडोर स्टेडियम का दौरा किया। उन्होंने वहां स्ट्रांग रूम की व्यवस्थाएं भी देखीं और सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। इस मौके पर कमिश्नर ने कहा कि वे राज्य विधानसभा चुनाव सशस्त्र तरीके से कराने की पूरी कोशिश करेंगे।

बताया जा रहा है कि कर्मचारियों को चुनाव ड्यूटी से संबंधित विशेष निर्देश दिए गए हैं और मैदानी स्तर पर ड्यूटी करने वाले निचले स्तर के कर्मचारियों को चुनाव नियमों की जानकारी और समझ देने के लिए कर्मचारियों के साथ बैठकें भी की जा रही हैं। इस मौके पर आयोग ने कहा कि राचकोंडा के तहत विधानसभा क्षेत्रों में बिना किसी अनियमितता के विधानसभा चुनाव कराने के लिए सभी तरह की सुरक्षा व्यवस्था की जा रही है। इस मौके पर कमिश्नर ने कहा कि पुराने अपराधियों पर लगाम लगाई जा रही है और तस्करी कर लाए जा रहे पैसों को पकड़ने के लिए जरूरी जगहों पर चेक पोस्ट बनाए जा रहे हैं। इस कार्यक्रम में साई श्री, डीसीपी एलबी नगर जोन, आरओ एलबी नगर श्रीमती पंकजा और अन्य पुलिस और जीएचएमसी अधिकारियों ने भाग लिया।

मादक द्रव्य के साथ तीन गिरफ्तार

हैदराबाद, 26 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। टीएसएनएबी के अधिकारियों ने दबीरपुरा पुलिस, हैदराबाद कमिश्नरेट के साथ मिलकर डबीरपुरा पुलिस स्टेशन, हैदराबाद की सीमा में मादक पदार्थ यानी एमडीएमए के साथ तीन व्यक्तियों को पकड़ा और (12) ग्राम एमडीएमए ड्रग जब्त किया। आरोपी व्यक्तियों में मिर्जा असगर अली बेग, निवासी यूसुफगुडा, मोहम्मद साजिद, निवासी यूसुफगुडा, मोहम्मद अब्दुल सलाम खान उर्फ फैज़ान निवासी सैदाबाद शामिल है। पुलिस के अनुसार तीनों आरोपी व्यक्ति मिर्जा असगर अली बेग, मोहम्मद साजिद और मोहम्मद अब्दुल सलाम खान उर्फ फैजान दोस्त हैं और पिछले दो वर्षों से ड्रग की तस्करी कर रहे हैं और हैदराबाद शहर में जरूरतमंद उपभोक्ताओं को एमडीएमए दवा बेच रहे हैं। वे अपने ज्ञात स्रोतों से भारी मात्रा में एमडीएमए दवा खरीद रहे हैं और उपभोक्ताओं को ऊंची कीमतों पर बेच रहे हैं, जिससे आसानी से पैसा कमाया जा रहा है। आरोपी व्यक्ति मिर्जा असगर अली बेग और मोहम्मद साजिद अन्य ड्रग पेडलर यानी मोहम्मद अब्दुल सलाम खान उर्फ फैजान को एमडीएमए की आपूर्ति करने के लिए रजिया मस्जिद, दबीरपुरा के पास आए, तो टीएसएनएबी ने दबीरपुरा पीएस के साथ मिलकर कार्रवाई की।

चंद्रग्रहण के कारण आठ घंटे बंद रहेगा चिलकुर बालाजी मंदिर

हैदराबाद, 26 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य भर के मंदिर इस रविवार को आने वाले चंद्रग्रहण की तैयारी कर रहे हैं। चिलकुर बालाजी मंदिर ने ग्रहण के कारण शनिवार शाम से आठ घंटे की अवधि के लिए अस्थायी रूप से बंद करने की घोषणा की है। प्रत्याशित चंद्र ग्रहण इस क्षेत्र में दिखाई देने की उम्मीद है, जो 29 अक्टूबर को सुबह 1.05 बजे शुरू होगा और 2.22 बजे समाप्त होगा। अपनी पारंपरिक परंपरा का पालन करते हुए, चिलकुर मंदिर का प्रवेश द्वार ग्रहण की शुरुआत से पूरे आठ घंटे पहले 28 अक्टूबर को शाम 5.30 बजे बंद कर दिया जाएगा। जैसा कि मंदिर के अधिकारियों ने खुलासा किया है, मंदिर में रविवार सुबह शुद्धिकरण अनुष्ठान किया जाएगा, और एकान्त पूजा होगी, जिसमें भक्तों को सुबह 7 बजे के आसपास भाग लेने की अनुमति होगी। इसी तरह, तिरुमाला में श्रीवारी मंदिर चंद्र ग्रहण के कारण अस्थायी रूप से बंद रहेगा। 28 अक्टूबर को, मंदिर के दरवाजे शाम 7.05 बजे बंद कर दिए जाएंगे और 29 अक्टूबर को सुबह 3.15 बजे फिर से खोले जाएंगे, जिसके परिणामस्वरूप आठ घंटे का अंतराल रहेगा।

हमशा से किसान विरोधी रही कांग्रेस : इंद्रकरण

निर्मल, 26 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। मंत्री अल्लोला इंद्रकरण रेड्डी ने कहा कि रैथु बंधु सहायता वितरण के खिलाफ कांग्रेस पार्टी की शिकायत ने साबित कर दिया है कि यह किसान विरोधी पार्टी है। गुरुवार को यहां मीडिया से बात करते हुए, इंद्रकरण रेड्डी ने इस पहल के कार्यान्वयन को रोकने के लिए भारत के चुनाव आयोग के पास शिकायत दर्ज कराने के लिए कांग्रेस के खिलाफ गुस्सा व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि बीआरएस पार्टी कांग्रेस के इस कदम की निंदा करती है. उन्होंने किसानों से अनुरोध किया कि वे कृषि समुदाय के हितों के खिलाफ काम करने के लिए पार्टी को इंगित करें।

उन्होंने योजना के लाभार्थियों से घबराने की अपील की और कहा कि सरकार सीधे किसानों के खातों में वित्तीय सहायता जमा करेगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के लिए ईसीआई से इस योजना को रोकने का अनुरोध करना उचित नहीं था। उन्होंने कहा कि शिकायत ने किसानों के प्रति कांग्रेस के नकली प्रेम को उजागर कर दिया है। इस बीच, रेड्डी ने कहा कि बीआरएस भाजपा की तरह हिंसा और धमकियों का सहारा नहीं लेगी, बल्कि विकास और कल्याणकारी योजनाओं का हवाला देकर वोट मांगेगी। उन्होंने निर्मल में श्री महालक्ष्मी मंदिर के परिसर में दशहरा समारोह के दौरान भाजपा नेताओं के व्यवहार की निंदा की। उन्होंने कहा कि लोग भाजपा के कृत्यों को देख रहे हैं। रेड्डी ने समारोह के दौरान सत्ता के दुरुपयोग के नेताओं के आरोपों से इनकार किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि उन्हें एक विधायक और मंत्री की हैसियत से इस कार्यक्रम में आमंत्रित किया गया था। श्रद्धालुओं ने समारोह पूर्वक पर्व मनाया। लेकिन भाजपा नेताओं को यह बात हजम नहीं हुई और उन्होंने अराजकता फैलाने की कोशिश की, जिससे महिलाओं और बच्चों को असुविधा हुई। उन्होंने त्योहार का फायदा उठाने और धर्म का इस्तेमाल कर जनता को भड़काने के लिए बीजेपी को जिम्मेदार ठहराया।

बीएचयू वाराणसी के साथ युवा संगम का नोडल केंद्र बना आईआईटी हैदराबाद

हैदराबाद, 26 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान हैदराबाद (आईआईटीएच), बनारस हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) वाराणसी के साथ अपने युग्मित संस्थान के रूप में, सम्मानित युवा संगम (चरण- III) पहल में तेलंगाना के लिए एक नोडल केंद्र के रूप में अपनी भागीदारी की घोषणा करते हुए प्रसन्न है। एक भारत श्रेष्ठ भारत कार्यक्रम के तहत भारत सरकार की इस पहल का उद्देश्य विभिन्न राज्यों के युवाओं के बीच संबंधों को मजबूत करना, हमारे देश के जीवंत युवा के बीच एकता और समझ को बढ़ावा देना है। गौरतलब है कि युवा संगम, एक असाधारण पहल है, जो पूरे भारत के युवाओं को विभिन्न राज्यों में एक्सपोज़र टूर की पेशकश करके एकजुट करती है। यह कार्यक्रम छात्रों, ऑफ-कैंपस युवाओं, एनएसएस स्वयंसेवकों और 18-30 वर्ष की आयु के व्यक्तियों को भारत की समृद्ध संस्कृति, परंपराओं, विकास और प्रौद्योगिकी का पता लगाने की अनुमति देता है। भारत की विविधता और एकता की व्यापक समझ प्रदान करने के लिए नवंबर से दिसंबर तक यात्राएं आयोजित करने की योजना है। युवा संगम का मुख्य उद्देश्य हमारे युवाओं को पांच व्यापक क्षेत्रों पर्यटन (पर्यटन), परंपरा (परंपराएं), प्रगति (विकास), परस्पर संपर्क (लोगों से लोगों का जुड़ाव) और प्रोडयोगिकी (प्रौद्योगिकी) बहुआमी अनुभव प्रदान करना है।इस अविश्वसनीय अवसर के लिए तेलंगाना राज्य के युवाओं को प्रोत्साहित करते हुए, आईआईटीएच के निदेशक प्रो. बीएस मूर्ति ने कहा, आईआईटीएच, अपने आदर्श वाक्य 'मानवता के लिए प्रौद्योगिकी में आविष्कार और नवाचार' और राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) के अनुरूप है। 2020, युवा संगम (चरण - III) में तेलंगाना के लिए एक नोडल केंद्र के रूप में अपनी भूमिका की गर्व से घोषणा करता है, और बीएचयू वाराणसी के साथ साझेदारी करके खुशी हो रही है। यह पहल, एक भारत श्रेष्ठ भारत कार्यक्रम के तहत भारत सरकार की एक दूरदर्शी रचना है, जो हमारे युवाओं को एकजुट करने और सशक्त बनाने, सांस्कृतिक प्रचार और अंतःविषय शिक्षा को बढ़ावा देने का प्रयास करती है और तकनीकी नवाचार को प्रोत्साहित करेगी।

वर्दी पहनी और ठेके पर पहुंच गए दरोगा जी छलकाया जाम तो वायरल हो गया वीडियो

हरदोई, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के हरदोई में एक दरोगा का शराब पीते हुए वीडियो सोशल मीडिया में तेजी से वायरल हो रहा है। दरोगा वर्दी में हैं और शराब के एक ठेके पर जाम छलकाते नजर आ रहे हैं। मामला हरदोई के शहर कोतवाली थाना क्षेत्र में रेलवे गंज चौकी क्षेत्र स्थित जींदपीर चौराहा पर देसी शराब के ठेके का है। इस वीडियो पर संज्ञान लेते हुए एसपी हरदोई केशव चंद्र गोस्वामी ने दरोगा की पहचान कर उसके खिलाफ उचित कार्रवाई के आदेश दिए हैं। वायरल वीडियो में देशी शराब का ठेका साफ नजर आ रहा है। इसमें दिख रहा है कि एक व्यक्ति पुलिस की वर्दी में यहां आता है और पर्दे से कवर एक कमरे में कभी खड़े होकर और कभी बैठकर जाम छलकाता है। इस घटना के वक्त मौके पर मौजूद किसी व्यक्ति ने वीडियो बना लिया और सोशल मीडिया पर अपलोड कर दिया।

योगी सरकार की योजना में लापरवाही पड़ी भारी

लगा लाखों का जुर्माना, अधिकारियों से मांगा जवाब

महोबा, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बुंदेलखंड के महोबा में वाटरलाइन डालने में की गई लापरवाही कार्यदायी संस्था व अफसरों पर भारी पड़ गई. जल जीवन मिशन के तहत महोबा में वाटरलाइन डालने का कार्य कर रही कम्पनी सीनसीज टेक लिमिटेड पर नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग ने 10 लाख रुपये का जुर्माना ठोका है. जिले के दो गांवों में वाटरलाइन डालने में लेटलतीफी की गाज जिले के एडीएम नमामि गंगे और जल निगम (ग्रामीण) के अधिशासी अभियंता पर भी गिरी है. दोनों अधिकारियों को कार्रवाई

के दायरे में लाते हुए जवाब तलब किया गया है. पूरे मामले पर नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के प्रमुख सचिव अनुराग श्रीवास्तव ने विभाग के आला अफसरों से रिपोर्ट मांगी है. बुंदेलखंड के महोबा जिले में हर घर जल योजना का लक्ष्य तेजी से पूरा किया जा रहा है. यहां ग्रामीणों को नल से जल पहुंचाने का 97.50 फीसदी से अधिक काम पूरा हो चुका है. यूपी में महोबा जिला सर्वाधिक नल कनेक्शन देने में पहले स्थान पर है. इस बीच पिछले सप्ताह समीक्षा के दौरान महोबा के कबरई विकाखंड के अलीपुर और सुखौरा गांव में वाटरलाइन नहीं होने की शिकायत मिली. पूरे मामले पर तत्काल एक्शन लेते हुए नमामि गंगे एवं ग्रामीण जलापूर्ति विभाग ने अलीपुर और सुखौरा गांव से रिपोर्ट तलब की. कार्यदायी कम्पनी के लेटलतीफ वाटरलाइन डालने की रिपोर्ट सामने आई, जिस पर कार्रवाई करते हुए राज्य पेजयल एवं स्वच्छता मिशन के अधिशासी निदेशक बृजराज यादव ने सीनसीज टेक लिमिटेड पर 10 लाख का जुर्माना ठोकने के साथ अगले सात दिनों के अंदर गांव में वाटर लाइन बिछाने का काम पूरा करने के निर्देश दिये.

बर्थडे पर केक काटा, मिठाई बांटी, रात में फंदे से लटकी मिली लड़की की लाश, मां के ब्वॉयफ्रेंड पर आरोप

गोपालगंज, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार के गोपालगंज से एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। बर्थडे की रात फंदे से लड़की की लटकी हुई लाश मिलने के बाद सनसनी फैल गई। पूरा मामला नगर थाना क्षेत्र के साधु चौक हनुमानगढ़ी मोहल्ले का है। लड़की की पहचान 15 वर्षीय अफसाना खातून के रूप में हुई है। वह बरौली थाना क्षेत्र के प्यारेपुर गांव निवासी सरफुद्दीन आलम की पुत्री थी। एसएस बालिका उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में कक्षा 9वीं की छात्रा थी। इधर घटना को लेकर अफसाना खातून की फुआ फुलजहा खातून ने लड़की की मां के ब्वॉयफ्रेंड पंकज कुमार पर हत्या कर शव को फंदे से लटकाने का आरोप लगाया है। घटना की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची नगर थाने की पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेजा। बताया जाता है कि पुलिस ने घटनास्थल से कई साक्ष्य को बरामद किया है जिसके आधार पर मौत की गुत्थी को सुलझाने के लिए जांच चल रही है।

यूपी की ये महिला पुलिसवाली कर देती हैं एनकाउंटर, मुठभेड़ में बदमाश को यूं मार गिराया

कुशीनगर, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। हाथ में पिस्टल, एसएलआर लेकर और बुलेटप्रूफ जैकेट पहनी नजर आ रही यूपी की ये महिला पुलिस अधिकारी और सिपाही चर्चा में हैं। महिला पुलिस अफसर और सिपाहियों की इस टीम ने कुशीनगर में एक एनकाउंटर को अंजाम दिया है। इस एनकाउंटर के बारे में यूपी समेत पूरे देश में बात हो रही है। अक्सर जब एनकाउंटर की तस्वीरें सामने आती हैं, तो पुरुष अफसरों और सिपाहियों की टीम ही नजर आती है। संभवतः ऐसा यूपी में तो पहली बार है जब पुलिस फोर्स की महिला सदस्यों ने कोई एनकाउंटर लीड किया है। यह मामला कुशीनगर में गौ तस्करी के आरोपी के एनकाउंटर का है। कुशीनगर के रामकोला थाना क्षेत्र में पुलिस और बदमाश के बीच मुठभेड़ हो गई। यह मुठभेड़ महिला पुलिस कर्मियों और बदमाश के बीच हुई। महिलाओं की पुलिस टीम ने मुठभेड़ में 25 हज़ार के इनामिया इमामुल उर्फ बिहारी को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए अभियुक्त पर गौ तस्करी वह कई अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज थे। पुलिस को इसकी तलाश लंबे समय से थी। इस इनामिया बदमाश के खिलाफ कुशीनगर, गोरखपुर और संतकबीरनगर में दर्जनों घटनाओं को अंजाम देने का आरोप था। इसके पास से पुलिस ने एक देसी कट्टा, कारतूस और बाइक बरामद की है। इस मुठभेड़ में महिला थाना अध्यक्ष सहित पडरौना एसओ व चार थानों की महिला पुलिसकर्मी शामिल रहीं हैं। रामकोला थाना क्षेत्र के मेहंदीगंज अमडरिया नहर के पास हुई मुठभेड़ में घायल आरोपी रामकोला थाना क्षेत्र के परसौनी खुर्द का रहने वाला हैं। इसका नाम इमामुल उर्फ बिहारी है।

पुलिस अधिकारियों ने क्या बताया?

कुशीनगर पुलिस अधीक्षक धवल जायसवाल ने बताया कि पकड़ा गया 25000 का इनामी इमामुल गोरखपुर, कुशीनगर, संतकबीरनगर जिलों में काफी सक्रिय रूप से गो तस्करी और अन्य अपराधों को अंजाम देता था। कुशीनगर पुलिस को भी इसकी तलाश काफी दिनों से थी। मुखबिर से इसकी सूचना कुशीनगर पुलिस को मिली। इस पकड़ने के लिए टीम निकली, जिसका नेतृत्व पांच महिला पुलिस कर्मियों की टीम ने किया।

नीतीश कुमार का क़दम 'इंडिया गठबंधन' में

बिखराव की तरफ़ इशारा कर रहा है- नित्यनानंद राय

पटना, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार में आगामी चुनाव को लेकर सियासी पारा चढ़ा हुआ है> 'एनडीए और इंडिया गठबंधन' के सहयोगी दल अपनी पार्टी की पकड़ मज़बूत करने में जुटे हुए हैं। इसी क्रम में सीएम नीतीश कुमार द्वारा मध्यप्रदेश को लोकसभा चुनाव में उम्मीदवार उतारने को लेकर 'इंडिया गठबंधन' में बिखराव को लेकर चर्चा शुरू हो गई है। केंद्रीय गृहराज्य मंत्री नित्यानंद राय ने भी जदयू के एमपी चुनाव लड़ने पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि यह नीतीश कुमार का निजी फ़ैसला है, लेकिन उनका यह क़दम इस ओर इशारा ज़रूर कर रहा है कि' इंडिया गठबंधन' में

बिखराव है। उन्होंने कहा कि 'घमंडिया गठबंधन' में सभी लोग कुर्सी के लालची हैं। भ्रष्टाचार, घोटाला, अहंकार और अत्याचार के प्रतीक हैं। इस गठबंधन में सब खुद लिए सोचते हैं, मध्यप्रदेश में नीतीश कुमार ने प्रत्याशी दिया है तो उसपर हम लोगों को कुछ नहीं कहना है। आने वाले समय में सभी राज्यों में भाजपा जीत दर्ज कर रही है। उन्होंने कहा कि महागठबंधन दिखावा यह लोग कभी एक नहीं हो सकते हैं। बिहार में साथ और मध्यप्रदेश में कांग्रेस के खिलाफ़ उम्मीदवार उतारने पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अखिलेश प्रसाद सिंह ने कहा कि लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर गठबंधन हुआ है। पार्टी कमजोर होने वाली नहीं है। जदयू उम्मीदवार जीतेंगे तो कांग्रेस को ही मज़बूती देंगे।

जदयू के मध्यप्रदेश में कांग्रेस के खिलाफ उम्मीदवार उतारने पर सियासी गलियारों में यह चर्चा होने लगी है कि, नीतीश कुमार द्वारा उठाए गए इस क़दम से विपक्षी दलों को मौक़ा मिलेगा। विपक्ष के नेता यह कह भी रहे हैं कि इंडिया गठबंधन में मतभेद है। सहयोगी दलों में कई मुद्दों को लेकर आपसी सहमति नहीं बैठ पा रही है। इसी वजह से प्रेशर पॉलिटिक्स करते हुए नीतीश कुमार ने सियासी दांव खेल दिया है।

फर्जी आईपीएस बनकर पुलिस अधिकारियों को करता था फोन, वसूली ही नहीं फटकार भी लगाता था; ऐसे हुआ गिरफ्तार

मथुरा, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश पुलिस के हाथ एक बड़ी कामयाबी लगी है। पुलिस ने मुठभेड़ में एक ऐसे अपराधी को धर दबोचा है जो खुद को आईपीएस बताया करता था और दूसरे सरकारी अधिकारियों पर रौब झाड़ता था। मथुरा पुलिस ने इस फर्जी अफसर को गिरफ्तार कर लिया है। एनकाउंटर में घायल फर्जी आईपीएस अधिकारी का अस्पताल में इलाज चल रहा है। हैरानी की बात तो ये है कि आरोपी फर्जी आइपीएस बनकर थाना प्रभारियों से दर्ज मामलों की जानकारी लेता था और उसके बाद आरोपितों से एफआईआर में से उनके नाम निकालने के नाम पर मोटी रकम वसूलता था।

उड़ान भरते ही गिरा फ्यूल टैंक हुआ धमाका, मौके पर पुलिस फोर्स

लखनऊ, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। बीकेटी के गाज़ीपुर गांव में एयरफोर्स के विमान से 2 फ्यूल टैंक जमीन पर गिरे गए। विमान का फ्यूल टैंक खेत में गिरने से किसानों में दहशत फैल गई थी जो अभी भी बरकार है। मौके पर एयरफोर्स के जवान और पुलिसकर्मी पहुंचे जिन्होंने घटना का जायजा लिया। अचानक हवा में उड़ रहे विमान से फ्यूल टैंक जमीन पर गिर गए, विमान बहुत ऊंचाई पर था गिरने के कारण तेज आवाज आई और धमाके से वहा के लोग डर गए। लखनऊ में बीकेटी के गाज़ीपुर गांव का मामला है। घटना की जानकारी होने पर एयरफोर्स का बयान सामने आया है कि सिस्टम में खराबी से 2 ड्रॉप टैंक गिर गए, लेकिन एयरफोर्स का विमान सुरक्षित उतर गया है। एयरफोर्स ने ड्रॉप टैंकों को भारतीय वायुसेना ने बरामद किया है।

उन्होंने जारी बयान में कहा कि विमान में सिस्टम में खराबी की वजह से एयरफोर्स के विमान से 2 फ्यूल टैंक जमीन पर गिरे है। जिसके कारण विमान का फ्यूल टैंक खेत में गिरने से किसानों में दहशत फैल गई और ऊंचाई से गिरने के कारण धमाके की आवाज सुनाई दी। जिससे लोग घबराए हुए है,लेकिन मौके पर एयरफोर्स के जवान, पुलिसकर्मी मौजुद है।

बलिया में जमीन विवाद में युवक की गोली मारकर हत्या

बलिया, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बलिया जिले में जमीन विवाद को लेकर एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई और मामले में तीन लोगों को हिरासत में लिया गया है। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह घटना बुधवार रात दुबहड़ क्षेत्र के शिवपुर दियर व्यासी नई बस्ती गांव की है और मृतक की पहचान यथार्थ विक्रम सिंह के रूप में हुई है। पुलिस अधीक्षक एस। आनंद ने बताया कि बुधवार रात यथार्थ को गोली मार दी गई और उसे गंभीर हालत में जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से उसे वाराणसी के अस्पताल रेफर किया गया लेकिन रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया। उन्होंने बताया कि यथार्थ की मां रिंकी सिंह की शिकायत पर सात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और उनमें से तीन को हिरासत में ले लिया गया है।

कैसे सपा और बीजेपी का करीबी बना अनूप चौधरी, खड़ा किया ठगी का साम्राज्य

लखनऊ, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। महाठग शब्द सुनते ही अब तक दो ही नाम जेहन में आते थे... पहला नटवरलाल और दूसरा सुकेश चंद्रशेखर। अब इस कड़ी में तीसरा नाम भी जुड़ गया है। यह नाम समाजवादी पार्टी (सपा) और भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के करीबी रहे अनूप चौधरी का है। यह वही अनूप चौधरी है जिसकी चार राज्यों की पुलिस तलाश कर रही थी, जबकि वह खुद उत्तर प्रदेश पुलिस की सुरक्षा में खुलेआम घूम रहा था। यही नहीं, वह खुद को बीजेपी का वरिष्ठ नेता और रेल मंत्रालय की क्षेत्रीय रेल उपभोक्ता सलाहकार समिति व भारतीय खाद्य निगम का सदस्य बताकर अधिकारियों की आंख में धूल भी झोंक रहा था। उसका रुतबा ऐसा था कि बड़े से बड़े अधिकारी भी उससे सवाल पूछने की हिम्मत नहीं जुटा पाते थे। हालांकि अब जब एसटीएफ ने इस शातिर जालसाज को अरेस्ट किया, उसके कारनामों को उजागर किया तो वही अफसर हैरान हैं। दरअसल बीते चार साल में करोड़ों रुपये की ठगी को अंजाम देने वाले इस अनूप चौधरी ने उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, उत्तराखंड और राजस्थान के दो दर्जन से अधिक आईएएस और आईपीएस अधिकारियों को बेवकूफ बनाकर सरकारी सुविधाएं हासिल की है। इसके लिए वह अफसरों को अपने पदनाम वाला फर्जी लेटरपैड ईमेल के जरिए भेजता था। फिर इन्हीं सुविधाओं का तामझाम दिखाकर उसने इन चारो राज्यों में ठगी की 10 से अधिक वारदातों को अंजाम दिया है। अनूप ने सोशल मीडिया में खुद को बीजेपी का वरिष्ठ पदाधिकारी बताया है। इसके अलावा वह खुद को रेल मंत्रालय भारत सरकार का अशासकीय सदस्य बताता है।

इसके अलावा उसने अपनी प्रोफाइल में खुद को महाराष्ट्र बीजेपी के अनुसूचित मोर्चा, बीजेपी युवा मोर्चा बिहार का सह प्रभारी और बीजेपी अनुसूचित मोर्चे की राष्ट्रीय कार्यसमिति का सदस्य भी बताया है। उसने कई जगह खुद को फिल्म सेंसर बोर्ड का सदस्य भी बताया है। अनूप चौधरी लग्जरी गाड़ी में चलता है। इस दौरान उसके साथ एक ओएसडी और सरकारी गनर भी होता है। अनूप चौधरी ने साल 2020 में गाजियाबाद के एसएसपी को लेटर लिखकर सरकारी गनर हासिल किया था। इस संबंध में अब गाजियाबाद पुलिस के वीआईपी सेल इंस्पेक्टर मयंक अरोड़ा गाजियाबाद के कविनगर थाने में मुकदमा दर्ज कराया है।

तामझाम दिखाकर करता था ठगी

वह प्रधानमंत्री के नौ साल की उपलब्धियों को लेकर सार्वजनिक मंचों पर आता है और मीडिया चैनलों को इंटरव्यू भी देता है। ये तो हुई उसके रुतबे की बात, अब बात करते हैं उसकी ठगी के तरीके की। दरअसल यह शातिर बदमाश जिस भी राज्य में जाता था, अपने ओएसडी के जरिए लेटरपैड पर संबंधित जिले के डीएम और एसपी को सूचना देता था। फिर अपने रुतबे के हिसाब से सुरक्षा, गेस्ट हाउस व अन्य तामझाम की व्यवस्था कराता था। अब तक उसने 19 बार अलग अलग जिलों में सुरक्षा हासिल की है। वह इसी तामझाम को दिखाकर अपने शिकार को फंसाता और उनसे मोटी रकम ऐंठ लेता था। यह जालसाज देश या संबंधित राज्य के विभिन्न मंत्रालयों से बड़े बड़े काम कराने के नाम पर वसूली करता था। अयोध्या में यह जालसाज जब पकड़ा गया, उस समय भी वह लखनऊ के एक कारोबारी को ठगने की फिराक में था। इसके लिए उसने कारोबारी को अयोध्या बुला लिया था।

युवती की हत्या में वांछित आरोपी पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार

गाजियाबाद, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। गाजियाबाद के थाना वेव सिटी इलाके में 22 अक्टूबर को एक होटल में एक युवती का शव मिला था। इसमे उसके साथ होटल आए उसके दोस्त की तलाश की जा रही थी। गुरुवार थाना वेव सिटी पुलिस द्वारा नायफल रोड पर चेंकिग की जा रही थी। चेंकिग के दौरान काले रंग की पल्सर मोटरसाइकिल सवार दो व्यक्तियों को चेंकिग के लिए रोका गया तो उन्होंने पुलिस टीम पर फायर कर दिया। जवाबी करवाई में एक बदमाश अजहरुद्दीन घायल हो गया, जबकि दूसरा अभियुक्त फरार हो गया है।

चिड़ियाघर के जानवरों का भी बदलेगा डाइट प्लान अब बाघ और चीता को ज्यादा मिलेगा खाना

गोरखपुर, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। मौसम बदलते ही लोगों के डेली रूटीन में भी बदलाव आता है। लोग मौसम के हिसाब से खुद को चेंज कर लेते हैं। कुछ ऐसा ही जानवरों के साथ भी होता है। मौसम बदलते ही लोग अपने खान-पान में चेंज करते हैं। तो वहीं बदलते मौसम के साथ शहर के जू में भी अब जानवरों के डाइट प्लान को बदला जाएगा। अब अपने बाड़े से बाहर और अंदर निकलने की टाइमिंग भी जानवरों की चेंज हो जाएगी। बदलते मौसम के हिसाब से जू के डॉक्टर अब जानवरों के भी डाइट प्लान को बदलेंगे। मौसम बदलते ही जानवरों के डाइट प्लान भी जू में डॉक्टर बदल देते हैं। अब ठंड आते ही शहीद अशफाक उल्ला खा गोरखपुर चिड़ियाघर में 250 से अधिक रखे जानवरों के भी डाइट प्लान को बदल जाएगा।

गर्मी और बरसात में जानवरों के डाइट कुछ और होते हैं। लेकिन ठंड आते ही चिड़ियाघर के कुछ जानवरों के डोज को बढ़ा दिया जाता तो, कुछ जानवरों का डोज कम हो जाता है। चिड़ियाघर में मांसाहारी जानवरों के डाइट को बढ़ा दिया जाता है। जिसमें बाघ, चीता इनके डाइट प्लान बढ़ते हैं तो, वही तेंदुआ, लकड़बग्घा, लोमड़ी के डाइट प्लान 5 किग्रा से बढा कर के 6 किग्रा कर दिया जाता है। शहीद अशफाक अल्लाह खा गोरखपुर चिड़ियाघर के डॉक्टर योगेश बताते हैं कि, ठंड का सीजन आते ही जानवरों के डाइट प्लान को भी बदल दिया जाता है। उनके बाड़े में भी कई बदलाव किए जाते हैं। जो जानवर ठंड में ज्यादा रहते हैं उनके लिए अलग व्यवस्था होती है। जबकि गर्मी में रहने वाले जानवरों के बाड़े में रूम हीटर व चटाई बिछाई जाएगी। ताकि उन्हें ठंड कम लग सके वही, जानवरों के डाइट प्लान में बदलाव किया जाएगा। तोता, चिड़िया, पक्षी को कम दाना पानी दिया जाएगा।

'ये गठबंधन नहीं बल्कि ठगबंधन,' ओपी राजभर ने इंडिया एलायंस पर साधा निशाना

लखनऊ, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। इंडिया गठबंधन में जारी अंतर्कलह को लेकर विपक्ष ने इंडिया एलायंस को घेरना शुरु कर दिया है। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (एसबीएसपी) के अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर ने इंडिया गठबंधन को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने बुधवार को कहा कि ये गठबंधन नहीं बल्कि ठगबंधन है। ये गठबंधन जनता को धोखा देने के लिए आया है। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में सीट शेयरिंग को लेकर कांग्रेस और सपा में जारी गुटबाजी के लेकर उन्होंने कहा कि जब समाजवादी पार्टी ने अपने प्रत्याशी उतारे तो गठबंधन में दरार दिखने लगी। उन्होंने कहा कि दोनो पार्टियों के बीच बयान इस स्तर तक आ गए कि मानों आज ही गठबंधन टूट जाएगा। ओम प्रकाश राजभर ने कहा कि यह गठबंधन ज्यादा दिनों तक चलने वाला नहीं है क्योंकि अलग-अलग विचारों के लोग एकत्रित हुए हैं। सब परेशान हैं, सबको सीटों की बहुत ख्वाहिश है, इसी वजह से ये आपस में झगड़ रहे हैं। अगर नीतीश कुमार उसमें कूद गए हैं तो क्या बुरा किया। उन्होंने इस गठबंधन को ठगबंधन बताया। उन्होंने कहा कि ये डर की वजह से गठबंधन नहीं है। समाज को ठगने और धोखा देने के लिए है। उन्होंने कहा कि अगर हम लालू जी की बात करें नीतीश जी की बात करें सामाजिक न्याय की बात करते हैं। तो सामाजिक न्याय सिर्फ लालू और नीतीश के लिए है या फिर सबके लिए है? आठ बार नीतीश मुख्यमंत्री बनें, बिहार में 36 फीसदी आबादी पिछड़ों की है। क्या उन्होंने कभी सोचा कि पिछड़ों को मुख्यमंत्री बना दें। मौका मिला भी तो अपनी पत्नी को बना दिया। ये हक को लूटने वाले और समाज को ठगने वाले लोग हैं।

राहुल गांधी पर बोला हमला

राहुल पर हमला करते हुए उन्होंने कहा कि आज राहुल गांधी कह रहे हैं हम जातिगत जनगणना कराएंगे, ये ठगने का ड्रामा नहीं तो क्या है। उन्होंने कहा कि जब सदन में 2011 की जनगणना सार्वजनिक करने की बात आई तो पेपर किसने फाड़ा राहुल गांधी ने और आज जातिवाद जनगणना की बात कर रहे हैं। उन्होंने राहुल गांधी से सवाल किया कि जब सत्ता में थे तो आपने जातिगत जनगणना क्यों नहीं कराई। सरकार में जब आप रहते हो तब ये सब क्यों नहीं करते हो। ये पूर्ण रूप से ठगबंधन है।

अतीक के बहन-बहनोई के बाद अब भांजा भी फंसा, कोर्ट ने दिया बड़ा झटका

प्रयागराज, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। माफिया डॉन अतीक अहमद और उसके भाई अशरफ की हत्या हुए 7 से 8 महीने हो चुके हैं। मगर लगता है कि अतीक अभी भी जिंदा है। हम ऐसा इसलिए बोल रहे हैं कि अभी भी हर दिन अतीक से जुड़ी खबरें सामने आती रहती हैं। दरअसल अपराध की दुनिया में सिर्फ अतीक अहमद ही नहीं था। बल्कि उसका परिवार और उसके रिश्तेदार भी इसमें शामिल थे। आपको जानकर हैरानी होगी कि अतीक की बहन-बहनोई और भांजे तक पर रंगदारी मांगने, मारपीट करने, धमकी देने आदि मामलों में केस दर्ज है। अब इसी बीच अतीक अहमद के भांजे जका को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। बता दें कि अतीक अहमद के भांजे जका को कोर्ट से राहत नहीं मिली। प्रयागराज जिला जज की तरफ से जका की अग्रिम जमानत की याचिका खारिज कर दी गई है।

मड़ियांव में कबाड़ मंडी में लगी भीषण आग दमकल ने पाया काबू

लखनऊ, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। मड़ियांव स्थित कबाड़ मंडी में बुधवार देर रात आग लग गई। कुछ ही देर में आग की लपटें चारो ओर फैल गईं। लपटें उठते देख दमकल कंट्रोल रूम को सूचना दी गई। करीब आधे घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया। सीएफओ मंगेश कुमार के मुताबिक रात करीब 12 बजे कंट्रोल रूम को केशव नगर कबाड़ मंडी में आग लगने की सूचना मिली। जिस पर चौक और बीकेटी फायर स्टेशन से टीमें मौके पर पहुंची।

'मायावती को इंडिया में शामिल किए बिना बीजेपी को हराना मुश्किल: आचार्य प्रमोद

लखनऊ, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव को लेकर देश में सियासी हलचल तेज है। पार्टियों का गठबंधन करना, एक नेता का एक दल से दूसरे में जाने का सिलसिला जारी है। चुनाव में मुख्य मुकाबला बीजेपी के नेतृत्व वाले एनडीए और विपक्षी गठबंधन इंडिया में माना जा रहा है। दोनों ही अपना कुनबा बढ़ाने में भी लगे हुए हैं। हालांकि, बसपा सुप्रीमो और यूपी की पूर्व सीएम मायावती दोनों में से किसी के साथ नहीं है। इसी कड़ी में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता आचार्य प्रमोद कृष्णम ने मायावती को इंडिया में शामिल होने का

निमंत्रण दिया है। आचार्य प्रमोद कृष्णम ने कहा कि विपक्षी दलों के गठबंधन 'इंडिया' में बहुजन समाज पार्टी (बसपा) प्रमुख मायावती को शामिल किए बिना उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) को शिकस्त नहीं दी जा सकती है। कृष्णम ने कहा, मेरा विचार है कि बहनजी (मायावती) उत्तर प्रदेश में ऐसी नेता हैं, जो 18 से 22 प्रतिशत वोटों को प्रभावित करने में सक्षम हैं। अगर बहनजी के बिना 'इंडिया' गठबंधन बनता है, तो इसे 'महागठबंधन' कहने का कोई औचित्य नहीं है।" उन्होंने कहा, अगर भारतीय जनता पार्टी को हराना है तो समाजवादी पार्टी, राष्ट्रीय लोकदल और कांग्रेस के साथ-साथ बहनजी को भी 'इंडिया' गठबंधन में सम्मिलित होना चाहिए, इसके लिए मैं उन्हें आमंत्रित कर रहा हूं। कांग्रेस नेता ने कहा, अगर बहनजी इस गठबंधन में नहीं आती तो, (प्रधानमंत्री नरेंद्र) मोदी को नहीं हराया जा सकता। मैं ऐसा मानता हूं कि मायावती जी को साथ लिए बिना उत्त प्रदेश में भाजपा को हराना संभव नहीं हैं। कृष्णम ने 2019 का लोकसभा चुनाव कांग्रेस के टिकट पर लखनऊ से लड़ा था,

सुचारू चुनाव के लिए निरीक्षण प्रभावी ढंग से किया जाना चाहिए : रिटर्निंग ऑफिसर

हैदराबाद, 26 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। जिला चुनाव अधिकारी, जीएचएमसी आयुक्त रोनाल्ड रोज़ ने कहा है कि हैदराबाद जिले में चुनाव को सुचारू और पारदर्शी बनाने में फ्लाइंग स्काड टीमें प्रमुख भूमिका निभाएंगी और जांच कुशलतापूर्वक की जानी चाहिए। एमसीसी नोडल अधिकारी, ईवीडीएम निदेशक प्रकाश रेड्डी और अतिरिक्त सीपी विक्रम सिंह मान ने गुरुवार को जीएचएमसी मुख्यालय में फ्लाइंग स्काड और एसएसटी के लिए एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया। इस अवसर पर चुनाव अधिकारी ने कहा कि चुनाव से संबंधित नकदी, शराब की अवैध आवाजाही को रोकने के लिए सख्ती से जांच की जानी चाहिए, इसके अलावा सोना, चांदी और अन्य वस्तुओं को जब्त किया जाना चाहिए और संबंधित जानकारी जिला निर्वाचन अधिकारी को सौंपी जानी चाहिए। एप्लिकेशन के माध्यम से दैनिक आधार पर चुनाव से संबंधित जब्ती विवरण दर्ज करना होगा। उन्होंने कहा कि यह जानकारी एफएसटी प्रमुख द्वारा संबंधित नोडल अधिकारी एवं प्रवर्तन अधिकारियों को भेज दी जायेगी। इस आवेदन में जब्त नकदी का स्थान और संबंधित व्यक्ति का नाम दर्ज किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस ऐप्लिकेशन का उपयोग बैंकों से लेकर नकदी परिवहन करने वाले वाहनों की जानकारी क्यूआर कोड के माध्यम से प्राप्त करने के लिए किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि उड़नदस्ते तुरंत संबंधित प्रमाणपत्रों की जांच करें और चुनाव से संबंधित न होने वाली नकदी और सामान को जारी करें। यदि लोग अपनी जरूरतों के लिए 50 हजार से अधिक नकद लेते हैं तो जब्त की गई राशि को रिपोर्ट में शामिल किया जाना चाहिए, चाहे वह पार्टियों से संबंधित हो या नहीं। यदि मामला अन्य पक्षों से संबंधित है तो मामला दर्ज करें। उन्होंने कहा, यदि यह चुनाव से संबंधित नहीं है, तो जिला शिकायत समिति रसीद को हैदराबाद कलेक्टरेट और अपील पत्र को संबंधित व्यक्ति को भेज देगी और समिति आगे की कार्रवाई पर निर्णय लेगी। 10 लाख से अधिक की नकदी आयकर विभाग में जमा करानी होगी।

उन्होंने कहा कि उड़नदस्ते तीन पालियों में 8-8 घंटे कार्य करें। उन्होंने कहा कि प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के लिए 9 टीमें बनाई गई हैं। उन्होंने कहा कि उड़न दस्ता टीम में एक वरिष्ठ कार्यकारी मजिस्ट्रेट, वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, वीडियोग्राफर, सशस्त्र पुलिस कर्मी (सीएएसएफ, आरपीएफ) और एएसआई शामिल होंगे। उड़नदस्ते के वाहन में सीसीटीवी कैमरा और वाहन जांच के दौरान वीडियो लिया जाए। उन्होंने कहा कि वाहन जांच के दौरान लोगों को अभद्र व्यवहार नहीं करना चाहिए। महिलाओं के मामले में उनकी जांच महिला पुलिस अधिकारियों द्वारा की जानी चाहिए। उन्होंने बताया कि उड़न दस्ता वाहन जीपीएस, वेब कैमरा, वीडियो कैमरा, पब्लिक एड्रेस सिस्टम, जीपीआरएस नेटवर्क और टॉर्च लाइट से लैस होगा। चुनाव नोडल अधिकारी लेखा सरथ चंद्र ने कहा कि वे मतदान से 72 घंटे पहले प्राप्त शिकायतों, धमकियों, शराब, हथियार, नकदी की अवैध आवाजाही, राजनीतिक दलों, नेताओं के चुनाव खर्च, रैलियों, सार्वजनिक बैठक खर्चों और चुनाव अभियानों की वीडियोग्राफी की निगरानी कर रहे हैं। .मुख्य कर्त्तव्य बताये गये हैं। यदि उड़न दस्ते आपात्कालीन स्थिति में शिकायतों में व्यस्त हैं, तो उन्हें शिकायत के मामले को निकटतम पुलिस स्टेशन के एसएचओ को एसएसटी में स्थानांतरित कर देना चाहिए। उन्होंने कहा कि नामांकन की तिथि से चुनाव आयोग की निर्धारित विज्ञप्ति से नामांकन के एक दिन पहले तक सहायक व्यय पर्यवेक्षक, एफएसटी और एसएसटी चुनाव आयोग द्वारा नियुक्त व्यय पर्यवेक्षक की देखरेख में काम करेंगे। उन्होंने बताया कि आरओ उड़नदस्तों को चुनाव आचार संहिता आदि लगने की तिथि से 2 नवंबर तक का रूट मैप दिया जाएगा और 3 नवंबर से विस्तार पर्यवेक्षक आदेश जारी करेंगे। सी-व्हिसल के हिस्से के रूप में, उड़नदस्तों को अपने मोबाइल नंबरों के माध्यम से लॉग इन करना चाहिए और अपनी ड्यूटी पूरी करने के बाद लॉग आउट करना चाहिए। उन्होंने कहा कि इस ऐप के जरिए यह स्पष्ट हो जाएगा कि किस इलाके में मजिस्ट्रेट और पुलिसकर्मी मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि लॉग इन करने के तुरंत बाद ऑन ड्यूटी और ऑफ ड्यूटी को ऐप में शामिल किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि नागरिक शिकायत करते ही 100 मिनट के भीतर समस्या का जवाब प्रस्तुत करें। ईवीडीएम निदेशक प्रकाश रेड्डी ने कहा कि उड़न दस्तों की एक शिफ्ट सुबह 8 बजे से दोपहर 2 बजे तक, एक शिफ्ट दोपहर 2 बजे से रात 10 बजे तक, एक शिफ्ट रात 10 बजे से सुबह 8 बजे तक कुल तीन शिफ्ट होती हैं। एडिशनल कमिश्नर विक्रम सिंह मान ने बताया कि फ्लाइंग स्काइड टीम में सीएपीएफ और आरपीएफ की टीमें भी काम करेंगी। हर वाहन की जांच के लिए कदम उठाए जाएं। उन्होंने कहा कि प्रार्थना स्थलों पर कोई अभियान नहीं चलाया जाना चाहिए। चुनाव प्रचार के तहत रात 10 बजे से सुबह 8 बजे तक लाउडस्पीकर पर प्रतिबंध लगा दिया गया है। उन्होंने कहा कि अगर नागरिक उड़न दस्तों द्वारा जब्त की गई नकदी से संबंधित वीडियो मांगेंगे तो उन्हें 300 रुपये का चालान भरने पर यह वीडियो दिया जाएगा।

गैंगस्टर खैसर पहलवान पुलिस की गिरफ्त में

हैदराबाद, 26 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। शहर पुलिस ने गुरुवार को कुख्यात राउडी शीटर खैसर उर्फ चोर खैसर को एक आपराधिक मामले में कथित संलिप्तता के लिए गिरफ्तार कर लिया। सूत्रों ने कहा कि खैसर एक आपराधिक मामले में शामिल था और पिछले कुछ दिनों से पुलिस की पकड़ से बच रहा था। विशिष्ट सूचना पर स्थानीय पुलिस की एक टीम ने टास्कफोर्स की सहायता से गुरुवार तड़के खैसर को पकड़ लिया। उसे गिरफ्तार कर लिया गया और पुलिस रिमांड पर ले रही है। हत्या, जबरन वसूली, हत्या का प्रयास, डकैती आदि सहित विभिन्न मामलों में कथित संलिप्तता के लिए खैसर को पुलिस ने कई बार गिरफ्तार किया था। पुलिस ने पहले उसके खिलाफ पीडी अधिनियम लागू किया था। उनके खिलाफ हबीबनगर थाने में राउडी शीट कायम है।

राजनीतिक विज्ञापन एवं पेड न्यूज पर विशेष ध्यान दिया जाये : रोनाल्ड रोज

हैदराबाद, 26 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद जिला चुनाव अधिकारी, मीडिया प्रमाणन और मीडिया निगरानी समिति के अध्यक्ष रोनाल्ड रोज़ ने कहा है कि विधानसभा चुनावों की पृष्ठभूमि में राजनीतिक विज्ञापन और पेड न्यूज पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। हैदराबाद के जिला कलेक्टर और जिला उप चुनाव अधिकारी अनुदीप दुरीशेट्टी ने गुरुवार को जीएचएमसी मुख्यालय में एमसीएमसी समिति द्वारा नियुक्त सदस्यों के साथ अपने कक्ष में आयोजित बैठक में भाग लिया। इस अवसर पर निर्वाची पदाधिकारी रोनाल्ड रोज ने कहा कि निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिला एमसीएमसी कमेटी की नियुक्ति कर दी गयी है. चुनाव आचार संहिता के अनुसार विज्ञापन एवं पेड न्यूज पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। इसके अलावा, जीएचएमसी मुख्यालय में एक नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है, जहां इलेक्ट्रॉनिक मीडिया पर प्रसारित समाचार रिकॉर्ड किए जाएंगे। जीएचएमसी सी.पी.आर., जो सदस्य सचिव हैं, को नियमों के अनुसार भाषणों और अन्य समाचारों की पहचान करनी चाहिए जो नियमों के खिलाफ हैं और उन्हें संदिग्ध पेड न्यूज के रूप में पहचानना चाहिए और संबंधित व्यक्तियों या पार्टियों को नोटिस जारी करना चाहिए और नोटिस का विवरण भेजना चाहिए। चुनाव आयोग को हर हफ्ते ओ का आदेश दिया गया था। उसी तरह, बिना अनुमति के प्रिंट मीडिया में राजनीतिक विज्ञापनों और पेड न्यूज की जांच करने के लिए, कुछ समाचार पत्रों को निर्वाचन क्षेत्रों के अनुसार ऑनलाइन समाचार पत्रों की जांच करने की भी आवश्यकता होती है। उसके लिए आवश्यक स्टाफ की व्यवस्था करने का भी निर्देश सीपीआरओ को दिया गया। सोशल मीडिया की जांच के लिए विशेष रूप से एक विशेषज्ञ को नियुक्त करने का आदेश दिया गया है। चुनाव के संदर्भ में चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों को पूर्व अनुमति लेने की सलाह दी जाती है। अनुमति जीएचएमसी प्रधान कार्यालय सीपीआरओ अनुभाग से ली जा सकती है। उन्होंने कहा कि आवेदन के 24 घंटे के अंदर अनुमति दे दी जायेगी. जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि विज्ञापन के लिए प्रिंट इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, सोशल मीडिया विज्ञापन, ऑडियो एवं वीडियो डिस्प्ले वाहनों की अनुमति लेनी होगी। प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया को सिटी केबल के जिम्मेदार या मालिक के रूप में एएनसीएमसी की अनुमति के बिना कोई भी विज्ञापन प्रसारित नहीं करने के लिए कहा गया है। इस बैठक में समिति के सदस्य हैदराबाद जिला अतिरिक्त अधिकारी मधुसूदन, सदस्य पीआईबी उप निदेशक मनसा कृष्णकांत, आईटी विभाग के उप अभियंता नरसिंग राव, वरिष्ठ रिपोर्टर, सदस्य सचिव सीपीआरओ मोहम्मद अली मुर्तुजा और अन्य ने भाग लिया।

डीके अरुणा ने बीजेपी छोड़ने से किया इनकार

हैदराबाद, 26 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डीके अरुणा ने उस समाचार रिपोर्ट की कड़ी आलोचना की है जिसमें कहा गया था कि वह पार्टी छोड़ने जा रही हैं। उन्होंने मीडिया में आई इस खबर पर प्रतिक्रिया दी कि वह भगवा पार्टी छोड़ रही हैं।

आज एक प्रेस विज्ञप्ति में, डीके अरुणा ने कहा कि उनका कांग्रेस पार्टी में शामिल होने का कोई इरादा नहीं है और उन्होंने कांग्रेस नेताओं पर जानबूझकर ऐसा माइंड गेम खेलने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि बीजेपी के राष्ट्रीय नेतृत्व ने उन्हें पहचाना और राष्ट्रीय उपाध्यक्ष का पद दिया। उन्होंने कहा कि वह पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में काम करने के लिए भाग्यशाली थीं और कम से कम उनकी प्रतिक्रिया लिए बिना लेख लिखने के लिए मीडिया पर भड़क उठीं। उन्होंने पूछा कि मीडिया को मेरे राजनीतिक भविष्य के बारे में निर्णय लेने का अधिकार किसने दिया, यह गलत सूचना दी गई कि मैं कांग्रेस पार्टी में शामिल हो रही हूं। उन्होंने यह भी चेतावनी दी कि वह उन मीडिया हाउसों के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर करेंगी जिन्होंने उनके बारे में बुरी खबरें फैलाईं।

बिजली आपूर्ति से संबंधित समस्याओं का शीघ्र समाधान करें : अन्नामनेनी

हनमकोंडा, 26 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। एनपीडीसीएल के सीएमडी अन्नामनेनी गोपाल राव ने संचालन और रखरखाव (ओ एंड एम) कर्मचारियों को सबस्टेशन लाइनों को सावधानीपूर्वक बनाए रखने, समस्याओं का तुरंत समाधान करने और ट्रांसफार्मर की मरम्मत में तेजी लाने का निर्देश दिया। टीएस नॉर्दर्न पावर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी ऑफ तेलंगाना लिमिटेड (टीएसएनपीडीसीएल) ने गुरुवार को यहां विद्युत भवन में एक समीक्षा बैठक बुलाई। बैठक में मुख्य महाप्रबंधक (सीजीएम), 16 जिला अधीक्षक अभियंता, वरिष्ठ लेखा अधिकारी और तहसीलदार सहित अधिकारियों की भागीदारी देखी गई।

बैठक में बोलते हुए, सीएमडी ने व्यापक सेवा मानचित्रण, ईआरओ (बिजली राजस्व अधिकारियों) के साथ घनिष्ठ समन्वय, फीडर घाटे को कम करने, कृषि सेवाओं के लिए कैपेसिटर बैंक स्थापित करने, 100 प्रतिशत राजस्व संग्रह प्राप्त करने, तेजी से नई सेवा अनुमोदन की सुविधा प्रदान करने के महत्व पर जोर दिया। ग्राहकों के मुद्दों को हल करना, गैर-बिल योग्य सेवाओं की पहचान करना और बिलिंग करना, कार्य आदेशों को समय पर पूरा करना सुनिश्चित करना और परिचालन संबंधी रुकावटों और रुकावटों को कम करने के लिए ठोस प्रयास करना। उन्होंने ऊर्जा ऑडिट आयोजित करने की आवश्यकता को भी रेखांकित किया।

सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन पर गोला-बारूद की चोरी में एक गिरफ्तार

हैदराबाद, 26 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। गुरुवार को सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 10 पर चोरी की एक घटना हुई, जहां 60 इंसास राउंड, तीन मैगजीन और उनके पाउच से भरा एक बैकपैक चोरी होने की खबर है। सरकारी रेलवे पुलिस और रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) की त्वरित कार्रवाई से चोरी हुए गोला-बारूद की बरामदगी हुई और अपराध के लिए जिम्मेदार लोगों को पकड़ा गया। सिद्धार्थ सिंह, सीआरपीएफ कांस्टेबल, जीडी फोर्स नंबर 125190827, 95बीएन, चंद्रायनगुट्टा ने चोरी की शिकायत की। अतिरिक्त. डीजीपी रेलवे और सड़क सुरक्षा बी. शिवधर रेड्डी, आईपीएस, और एसपी रेलवे शेख सलीमा ने मामले की जांच के लिए जीआरपी और आरपीएफ दोनों कर्मियों को शामिल करते हुए आठ टीमों का गठन किया। जांच में सिकंदराबाद रेलवे स्टेशन के सीसीटीवी फुटेज की सावधानीपूर्वक समीक्षा शामिल थी।

आरोपी नक्कनी आनंद मूर्ति की पहचान सीसीटीवी फुटेज में हुई और उसे गांधीनगर मेट्रो स्टेशन क्षेत्र में पकड़ लिया गया। हालाँकि, उसके पास चोरी हुए इंसास राउंड, मैगजीन और पाउच नहीं मिले। गांधी मेट्रो स्टेशन से 360 डिग्री की दिशा में सीसीटीवी कैमरों की आगे जांच करने पर लगभग 100 कैमरों का सत्यापन किया गया। गांधीनगर मेट्रो स्टेशन के सीसीटीवी फुटेज के आगे के विश्लेषण से जांच टीमों को एक अन्य व्यक्ति पर संदेह हुआ, लाल हुडी पहने एक बुजुर्ग व्यक्ति, छिपा हुआ भारी सामान लेकर भोलकपुर की ओर जा रहा था। सीसीटीवी फुटेज की आगे की जांच भोलकपुर, मुशीराबाद, सिकंदराबाद के रचमल्ला सत्यनारायण ने की, जिसने सुबह की सैर के दौरान 60 इंसास राउंड और तीन मैगजीन सहित गोला-बारूद से भरी थैली उठाई थी और उसे उसके कब्जे से बरामद किया गया था। आरोपी की पहचान नक्कनी आनंद मूर्ति, उम्र 21 वर्ष, रज़म (एम), बोडुरु (वी), श्रीकाकुलम, आंध्र प्रदेश के एक मजदूर के रूप में की गई।

छावनी तृतीय वार्ड सिखग्राम में परसाराम द्वारा आयोजित दुर्गा माता पूजा में बतौर मुख्य अतिथि भाग लेते हुए बोर्ड के पूर्व उपाध्यक्ष पूर्व बोर्ड उपाध्यक्ष जंपन्ना प्रताप व अन्य।

समस्त राजपुरोहित समाज का जागरण कार्यक्रम सम्पन्न

पुष्कर में समस्त राजपुरोहित समाज व भक्तों का उमड़ा जनसैलाब

हैदराबाद, 26 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। पुष्कर स्थित विमल मुनि राजपुरोहित पंचायत भवन संस्थान राजपुरोहित समाज के आराध्य संत तुलसारामजी महाराज के पधारने पर जागरण व सम्मान समारोह कार्यक्रम आयोजित किया गया।

अध्यक्ष गजेन्द्रसिंह निम्बोल ने बताया कि राजपुरोहित समाज के आराध्य संत ब्रह्मासावित्री सिद्ध पीठाधीश्वर आसोतरा के तुलसारामजी महाराज के 43 वें दिव्य चार्तुमास एवं तप साधना पूर्णकर पधारने पर समस्त राजपुरोहित समाज द्वारा पुष्कर के विशेष फुलों से तैयार की गयी माला से सम्मानकर जागरण व सम्मान समारोह कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान सतगुरु तुलसारामजी की भव्य शोभायात्रा विमल मुनि भवन से निकलकर गाजे-बाजे, फुलों की बारिश, ऊंट-घोड़ों पर सवार होकर, धर्मप्रेमी भक्तों ने खेतेश्वर भगवान के जयकारे लगाते हुए जगत पिता ब्रह्माजी के मंदिर पहुंची।

जहां पर गुरुवर ने पुजा-अर्चनाकर समाज बन्धुओं को आशीर्वाद दिया। प्रवचन के दौरान गुरुवर ने बताया कि वर्तमान मे राजपुरोहित समाज शिक्षा एवं व्यापार के क्षेत्र में काफी प्रगतिकर रहा है। विशेषकर नारी शिक्षा, नयी युवा पीढ़ी को संस्कारी बनाने के लिए धर्म की शिक्षा देनी होगी, तभी समाज का विकास होगा। जागरण में भजन गायकार गुलाबसिंह एंड पार्टी ने देर रात तक भजनों के पुष्प अर्पित किये। जिसका भक्तों ने नाचते-गाते हुए लाभ लिया। भव्य कार्यक्रम में भोजन-प्रसादी के लाभार्थी गजेन्द्रसिंह सुपुत्र सोहनसिंह बाकलिया परिवार निम्बोल, जागरण लाभार्थी बाबुसिंह सुपुत्र मुगनसिंह मोहराई एवं भंवरसिंह भुवाड़ा, शोभा-यात्रा में ऊंट-घोड़े एवं बग्गी की व्यवस्था के लाभार्थी लक्ष्मणसिंह, नारायणसिंह, हुक्मसिंह सुपुत्र गणपतसिंह निमाज, पुष्प-वर्षा लाभार्थी कल्याणसिंह तालकिया का समाज बन्धुओं ने राजस्थानी परम्परा से विशेष सम्मान किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन मं शासक सभा अध्यक्ष पूर्व विधायक भंवरलाल बोरावड़, कार्यकारिणी अध्यक्ष गजेन्द्रसिंह निम्बोल, सचिव बाबुसिंह सांगावास, कोषाध्यक्ष पद्मसिंह ढाबर, समाजसेवी नारायणसिंह निमाज, रामनारायणसिंह किशनगड़, प्रभुसिंह जसनगर, प्रह्लादसिंह लाड़पुरा, सुरेन्द्रसिंह भुवाड़ा, भंवरसिंह टापरवाड़ा, जितेन्द्रसिंह, श्रवणसिंह बीती, बिकमचन्द, नरपतसिंह पुष्कर, रामप्रकाश, दिनेशसिंह उजोली, रणजीतसिंह दुगोली, पदाधिकारी, कार्यकारिणी सदस्य एवं शासन सभा के सदस्यों का विशेष सहयोग रहा। अध्यक्ष गजेन्द्रसिंह निम्बोल ने कार्यक्रम मे पधारे समस्त राजपुरोहित समाज बन्धुओं व भक्तों का कार्यक्रम के सफल आयोजन पर आभार प्रकट किया।

बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट-अग्रवाल सेवा दल ने बालाश्रमों-वृद्धाश्रमों का दौरा किया

हैदराबाद, 26 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट तथा अग्रवाल सेवा के प्रतिनिधि मंडल ने वृद्धाश्रमों, अनाथाश्रमो में रह रहे बन्धुओं की सुविधा हेतु चलाई जा रही अपनी सेवा योजना के क्रियान्वन हेतु आज विभिन्न बालाश्रमों-वृद्धाश्रमों का दौरा किया।

सेवा दल के प्रचार संयोजक अजीत गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, पित्ती ट्रस्ट तथा सेवा दल द्वारा चलाई जा रही सेवा योजनाओं के अंतर्गत आज सेवा दल के संयोजक श्री अजित गुप्ता, कैलाश केडिया, विनय सी अग्रवाल तथा रत्नम राजू ने उस्मानगंज स्थित भाग्यनगर सेवा समिति चिल्ड्रेंस होम, शिवरामपल्ली स्थित वेजबाई चिल्ड्रेंस होम तथा विवेकानंद सीनियर सिटीजंस होम का दौरा कर वहां रह रहे वृद्धों तथा बालकों की आवश्यकताओं के विषय मे जानकारी प्राप्त की। पित्ती ट्रस्ट के चेयरमेन तथा सेवा दल के परामर्शदाता श्री शरद ब पित्ती ने बताया कि पित्ती ट्रस्ट तथा सेवा दल द्वारा नियमित रूप से अनाथालयों तथा वृद्धाश्रमों का दौरा कर उनकी जरूरतों का पता लगाने के बाद उन्हें उनकी आवश्यकता अनुसार पंखे, कूलर, फ्रिज, अलमारी, पलंग, टीवी, कंप्यूटर, सिलाई मशीन, वाशिंग मशीन आदि प्रदान किये जाते हैं।

विश्व मंगल गौशाला में पधारे पंडित राजेंद्र महाराज डाकू जोधपुर से पधारे गौ माता के निमित दानपुर के भागीदार बने और गौ माता के प्रति भजनों की प्रस्तुति दी। इस अवसर पर नारायण राम, धर्माराम सुथार, देवीलाल, मानक लाल, गौशाला के मुख्य सचिव शांतिलाल सुथार व अन्य।

जाहीराबाद सांसद बीबी पाटील बाल-बाल बचे

मदनूर, 26 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। जाहीराबाद सांसद बीबी पाटिल सड़क दुर्घटना में बाल-बाल बच गये हैं। मिली जानकारी के मुताबिक सांसद हैदराबाद से डोंगली मंडल में एक बैठक में भाग लेने के लिए जाते समय, दोपहिया वाहन पर दो लोग अचानक जुक्कल एक्स रोड राष्ट्रीय राजमार्ग पर अचानक उनके वाहन के सामने आने से उनके ड्राइवर को ब्रेक लगाना पड़ा। इससे बीबी पाटिल की गाड़ी का पहिया दो फीट ऊपर जाकर डिवाइडर से टकरा गया और इससे अगला पहिया फट गया। सौभाग्य से बीबी पाटिल को मामूली चोटें आई है। मोटर साइकिल सवार भी नीचे गिर पड़े।

कौशल विकास घोटाला मामलें में आज होगी सुनवाई

अमरावती, 26 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। कौशल विकास घोटाला मामले में तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) प्रमुख चंद्रबाबू नायडू द्वारा दायर जमानत याचिका पर आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय 27 अक्टूबर को सुनवाई करेगा। मामला सोमवार को डिवीजन बेंच को भेजा गया था। चंद्रबाबू नायडू ने इस महीने की शुरुआत में 19 अक्टूबर को जमानत याचिका दायर की थी। उनके वकीलों ने उनकी स्वास्थ्य स्थिति बताते हुए उन्हें जमानत देने के लिए अदालत को पत्र लिखा था। नायडू इस समय कौशल विकास घोटाला मामले में भ्रष्टाचार के आरोपों का सामना कर रहे हैं, जिसकी जांच सीआईडी कर रही है।

चार विशेष ट्रेनें चलाएगा एससीआर

हैदराबाद, 26 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे "मेरी माटी मेरा देश" अभियान के हिस्से के रूप में राष्ट्रीय राजधानी में अमृत कलश यात्रा के प्रतिभागियों के लिए सिकंदराबाद - हज़रत निज़ामुद्दीन और विजयवाड़ा - हज़रत निज़ामुद्दीन के बीच चार विशेष ट्रेनें चलाएगा। ट्रेन नंबर 07209 विजयवाड़ा-हज़रत निज़ामुद्दीन शनिवार को सुबह 10 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन दोपबर 2.25 बजे पहुंचेगी। ट्रेन नंबर 07210 हज़रत निज़ामुद्दीन-विजयवाड़ा बुधवार को रात 11.00 बजे प्रस्थान करेगी और शुक्रवार को सुबह 09.30 बजे पहुंचेगी। ट्रेन संख्या 07211 सिकंदराबाद-हज़रत निज़ामुद्दीन शनिवार को 10.45 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 14.25 बजे पहुंचेगी। ट्रेन संख्या 0%212 हजरत निजामुद्दीन-सिकंदराबाद बुधवार को 23.00 बजे प्रस्थान करेगी और शुक्रवार को 07.00 बजे पहुंचेगी। ट्रेन नंबर 07209/07210 विजयवाड़ा-हज़रत निज़ामुद्दीन-विजयवाड़ा स्पेशल ट्रेन (02 सेवाएं)। विशेष ट्रेनें दोनों दिशाओं में काजीपेट, बल्हारशाह, नागपुर, इटारसी, भोपाल, वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी और आगरा कैंट स्टेशनों पर रुकेंगी। ट्रेन नंबर 07211/07212 सिकंदराबाद-हजरत निज़ामुद्दीन-सिकंदराबाद स्पेशल ट्रेन की दो सेवाएं दोनों दिशाओं में काजीपेट और बल्हारशाह में रुकेंगी। ट्रेन नंबर 07211/07212 सिकंदराबाद-हज़रत निज़ामुद्दीन-सिकंदराबाद स्पेशल ट्रेन काजीपेट में ट्रेन नंबर 07209/07210 विजयवाड़ा-हज़रत निज़ामुद्दीन-विजयवाड़ा स्पेशल ट्रेन के साथ समामेलित/विभाजित होगी।

स्वतंत्र वार्ता
शुक्रवार, 27 अक्टूबर - 2023

क्या तेलंगाना में होगा त्रिकोणात्मक मुकाबला ?

अशोक भाटिया

कर्नाटक चुनाव के बाद दक्षिण का इकलौता राज्य तेलंगाना है जहां 2023 में विधानसभा चुनाव होने जा रहा है। तेलंगाना इसलिए भी अहम है क्योंकि भाजपा ने 2019 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के मुकाबले ज्यादा सीटें जीत कर देश को चौंकाया था। यहां तक कि केसीआर की बेटी को भी भाजपा ने लोकसभा चुनाव में हराया था। 2014 में 10% के मुकाबले भाजपा ने 2019 में 19.45% वोट हासिल किए थे। ऐसे में बड़ा सवाल है कि तेलंगाना में सत्ताधारी भारत राष्ट्र समिति का मुकाबला भाजपा और कांग्रेस में किससे होने जा रहा है? भाजपा इस विश्वास के साथ तेलंगाना के चुनाव में उतरी है कि उसके ही एक लंबे संघर्ष और आंदोलन के बाद तेलंगाना अलग राज्य बना था । उस समय केंद्र में कांग्रेस की सत्ता थी जिसने अलग तेलंगाना की आवाज को बार-बार दबाया, कुचला। भाजपा एकमात्र राष्ट्रीय पार्टी थी, जिसने अलग तेलंगाना बनाने के लिए संघर्ष भी किया और पार्टी ने राजनीतिक प्रस्ताव भी पास किया। दूसरी ओर बीआरएस पार्टी पिछले 10 वर्षों से सत्ता में है। तेलंगाना को परिवारवाद, भ्रष्टाचार, तुष्टिकरण की राजनीति से बचाने के लिए भाजपा को जनता निश्चित रूप से आशीर्वाद देगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत आज पूरी दुनिया में अपना परचम लहरा रहा है और जनकल्याणकारी योजनाएं बिना किसी भ्रष्टाचार के आम जनता तक पहुंच रही है। भाजपा को आशीर्वाद मिलता है तो एक डबल इंजन की सरकार तेलंगाना के विकास को गति देगी और 'बंगारू तेलंगाना' (स्वर्णिम तेलंगाना) का जो सपना अधूरा रह गया था, उसे भाजपा पूर्ण करने का प्रयास करेगी। कर्नाटक विधानसभा चुनाव के बाद मुख्यमंत्री केसीआर ने पार्टी नेताओं की बैठक में कांग्रेस को अपना प्रतिद्वंद्वी माना है मगर राजनीति में जो बात कही जाती है उसके मायने उसी रूप में सीधे नहीं होते। केसीआर ने जिस तरीके से देशव्यापी स्तर पर गैर-भाजपा सियासत को मजबूत करने की पूरी शिद्दत से कोशिश पिछले दिनों दिखाई है, उससे यही पता चलता है कि वे भाजपा को अपना प्रतिद्वंद्वी मानते है। स्पष्ट है केसीआर कांग्रेस को प्रतिद्वंद्वी बोलते हैं और भाजपा को मानते है। 2016 में हुए हैदराबाद नगर निगम चुनाव में भाजपा ने एआईएमआईएम को पीछे छोड़ दिया था। 48 सीटें हासिल करते हुए भाजपा ने असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी पर चार सीटों की बढ़त ले ली थी। टीआरएस, भाजपा से महज 7 सीट आगे थी। कांग्रेस चुनाव में दिखाई नहीं पड़ रही थी। इससे भी संदेश यही गया कि तेलंगाना की फिजा बदल रही है। कर्नाटक में बाद तेलंगाना दूसरा प्रदेश है जहां भाजपा का कमल खिलता ही नहीं दिखा बल्कि लगातार मजबूती से जड़ें जमाता नजर आया। अब कर्नाटक में भाजपा की हार से तेलंगाना की सियासत पर फर्क पड़ा है या नहीं और अगर पड़ा है तो कितना पड़ा है, ये जानना सबकी दिलचस्पी का विषय है। कांग्रेस सांसद और प्रदेश अध्यक्ष ए रेवंत रेड्डी का दावा है कि तेलंगाना की जनता ने जिस तरीके से कर्नाटक में भाजपा को सरकार से बेदखल किया है उसी तरह तेलंगाना में टीआरएस को सत्ता से बेदखल करेगी। कांग्रेस का मानना है कि लोकसभा चुनाव में कांग्रेस का मुकाबला भाजपा से होगा और इसलिए तेलंगाना में भी लोग राष्ट्रीय राजनीति को ध्यान में रखकर वोट करेंगे। ज्ञात हो कि तेलंगाना में 119 विधानसभा सीटें हैं। इनमें 19 एससी और 12 एसटी वर्ग के लिए सुरक्षित हैं। 2018 के विधानसभा चुनाव में तेलंगाना में 73.37% वोट पड़े थे। 2 करोड़ 5 लाख 99 हजार 739 लोगों ने वोट डाले थे। कुल वैध मतों की संख्या 2 करोड़ 4 लाख 70 हजार 767 थी। टीआरएस को 2018 के विधानसभा चुनाव में सबसे ज्यादा 46.87% वोट मिले थे और उसे 88 सीटें हासिल हुई थीं। टीआरएस प्रमुख केसीआर ने कर्नाटक चुनाव के बाद दावा किया है कि उनकी पार्टी को 95 से 110 सीटें आ रही हैं। दरअसल ये दावा उस माहौल को शांत करने के लिए किया गया है जो कर्नाटक में भाजपा की हार के बाद कांग्रेस उसे तेलंगाना की सियासत से जोड़कर बना रही थी। तेलंगाना विधानसभा चुनाव में दूसरे नंबर पर रही थी कांग्रेस। उसे 28.43% वोट हासिल हुए थे और उसे 19 सीटें मिली थीं। भाजपा ने बीते विधानसभा चुनाव में 6.98% वोट हासिल किए थे और उसे एक सीट पर जीत भी मिली थी मगर भाजपा ने लोकसभा चुनाव में कहानी ही पलट दी। करीब 20% वोट लाकर भाजपा ने जता दिया कि वो तेजी से उभरती हुई ऐसी ताकत है जो सरकार बनाने का दमखम जुटा रही है। इस चुनाव में यह भी देखने वाली बात होगी कि क्या भाजपा का वो दमखम 2023 में बरकरार रहने वाला है? तेलंगाना में 2018 के विधानसभा चुनाव में कई अन्य पार्टियों भी अपनी मौजूदगी दर्ज करा रही थीं। आम आदमी पार्टी ने भी चुनाव लड़ा था और उसे मात्र 0.06% वोट मिले थे। वैसे यह भी बात देने योग्य है कि चाहे लोकसभा चुनाव हो या फिर विधानसभा चुनाव, टीआरएस बाकी दलों से बहुत आगे रहा है। लोकसभा चुनाव में टीआरएस को 41.37% वोट मिले थे जबकि कांग्रेस को 29.27%। टीआरएस ने सबसे ज्यादा 9 सीटें जीती थीं तो भाजपा ने 4 और कांग्रेस ने 3 सीटों पर कब्जा जमाया था। एक सीट एआईएमआईएम ने जीती भाजपा ने 19.45% वोट हासिल कर सबको चौंकाया था। टीआरएस के केसीआर की बेटी के कविता की हार भी हैरत भरी घटना थी। वो भाजपा उम्मीदवार से चुनाव हार गई थीं। भाजपा उम्मीदवार धर्मपुरी कांग्रेस के राज्यसभा सांसद डी श्रीनिवास के बेटे हैं। भाजपा का एसटी के लिए सुरक्षित सीट आदिलाबाद पर जीत जाना भी बीते लोकसभा चुनाव की बड़ी बात थी। इस सीट पर भाजपा के सोयम बापू राव को जीत मिली थी जो कांग्रेस छोड़कर आए थे। कर्नाटक के प्रभाव से निकलकर अगर भाजपा ने तेलंगाना में अपनी पैठ को और मजबूत करने का प्रयास दिखाया तो तेलंगाना में त्रिकोणात्मक संघर्ष दिखेगा, इसमें कोई संदेह नहीं है। कांग्रेस को खुद केसीआर अपना प्रतिद्वंद्वी मान रहे हैं और आंकड़े भी इसकी पुष्टि कर रहे हैं। कर्नाटक में जीत के बाद कांग्रेस के हौसले बुलंद हैं और कांग्रेस के नेता भी प्रदेश में अपनी सरकार का सपना देख रहे हैं। टीआरएस के लिए ये स्थिति अनुकूल भी साबित हो सकती है अगर वे अपना वोट बैंक बहुत अधिक बिखरने ना दें। ऐसी स्थिति में बीआरएस विरोधी वोटों के बंटने का सीधा फायदा कांग्रेस या भाजपा को मिलेगा। एक रोचक मुकाबले की उम्मीद तेलंगाना में की जा सकती है।

भाजपा के अनुसार भाजपा तेलंगाना में भ्रष्टाचार, परिवारवाद और तुष्टिकरण के खिलाफ और तेलंगाना के सर्वांगीण विकास के लिए लड़ाई लड़ रही है। यह लड़ाई जारी है ।

राज्य के संसाधनों पर केवल कुछ सत्ताधारी परिवारों का कब्जा रहा है और तेलंगाना के लिए लड़ाई लड़ने वाले नायकों को इन परिवारों ने लगातार नजरअंदाज किया है। किसान अपने बढ़ते कर्ज और प्रदेश सरकार की कुनीतियों से परेशान होकर आत्महत्या कर रहा है, युवा आंदोलन कर रहे हैं, परीक्षाओं के पेपर लगातार लीक हो रहे हैं। कानून-व्यवस्था की बदतर स्थिति है। लोगों को अब भाजपा से ही उम्मीद है। भाजपा के अनुसार भाजपा एक कार्यकर्ता आधारित पार्टी है, किसी परिवार या व्यक्ति विशेष आधारित नहीं। चुनाव के बाद कार्यकर्ताओं और जनता की आवाज के अनुसार ही मुख्यमंत्री के नाम पर भी विचार-विमर्श और फैसला होता है, यह एक परंपरा है।

आम नागरिकों की मौत पर चिंता

अक्टूबर महीने के पहले हफ्ते में हमास ने जिस तरह से इजराइली सीमा में घुस कर हमला किया था, उसने लोगों को यह सोचने पर मजबूर कर दिया था कि आतंकवाद की कोई सीमा नहीं होती है ! हमास ने कत्लो गारद के जरिए पूरी मानवता को ही शर्मसार कर दिया था। जाहिर है मानवीयता में विश्वास रखने वाला कोई भी व्यक्ति इस तरह के हमले का समर्थन नहीं कर सकता। हमास की करनी का खामियाजा अब गाजा के आम नागरिक भुगत रहे हैं। इजराइल के हमले ने इस समूचे इलाके में जो विनाशलीला की शक्ल अख्तियार कर ली है, उसने समूची दुनिया को झकझोर दिया है कि आखिर इस तरह की मौतों का सिलसिला कहां जाकर खत्म होगा। हमास के शुरुआती हमले में बड़ी तादाद में इजराइली मारे गए थे। उसके प्रतिकार में अब इजराइल जिस तरह हमला जारी रखे हुए है, उसमें दावा यही किया जा रहा है कि निशाने पर हमास के आतंकवादी हैं। जबकि हकीकत यह है कि गाजा पट्टी में लगातार बमबारी की वजह से बड़े पैमाने पर आम नागरिक मारे जा रहे हैं। ऐसे में सवाल लाजमी है कि क्या युद्ध के दौरान देशों के हुक्मरानों को इतना गुस्सा आ जाता है कि वे अंतरराष्ट्रीय कानूनों और सीमाओं का खयाल रखना भी जरूरी नहीं समझते। बता दें कि इजराइल अब गाजा पट्टी पर लगातार हवाई हमलों के जरिए बमबारी कर रहा है, जिसमें हजारों लोगों के मारे जाने की खबरें भी आ रही हैं। गाजा पर इजराइली बमबारी में एक दिन में मरने वालों की यह अब तक की सबसे बड़ी संख्या है। हालांकि इजराइल का कहना है कि उसने हमास के ठिकानों पर हमले किए हैं, लेकिन सवाल है कि इतनी बड़ी तादाद में आम लोगों को शिकार बनाने से किसका और किस तरह का मकसद पूरा हो रहा है? हमास के हमले का जवाब देने के क्रम में फिलहाल इजराइल का जो तेवर दिख रहा है, उसमें शायद इस बात की फिक्र नहीं है कि युद्ध में कौन मारा जा रहा है और कौन बच रहा है। अब तक गाजा पट्टी में करीब सात हजार से ज्यादा आम नागरिकों की मौत की खबरें आ चुकी हैं। इनमें लगभग आधे नाबालिग या बच्चे थे। यही वजह है कि अब दुनिया भर में इस बात को लेकर गहरी चिंता जताई जा रही है कि इन हमलों का सिरा आखिर कहां जाकर रुकेगा। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुतारेस की यह व्यथा समझी जा सकती है कि गाजा में हो रहे अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून का स्पष्ट उल्लंघन चिंताजनक है। किसी भी सैन्य संघर्ष में नागरिकों की सुरक्षा सबसे जरूरी होती है। भारत ने भी बुधवार को संयुक्त राष्ट्र की सुरक्षा परिषद में युद्ध की वजह से लगातार बिगड़ती स्थिति और संघर्ष में बड़े पैमाने पर आम नागरिकों की मौत को लेकर गहरी चिंता जताई है। भारत ने सभी पक्षों से शांति के लिए आवश्यक परिस्थितियां बनाने, तनाव कम करने और हिंसा से बचने सहित सीधी बातचीत फिर से शुरू करने की दिशा में काम करने का आग्रह किया है। भारत ने तो हमेशा ही आतंकवाद के खिलाफ मोर्चा लेने का पक्ष लिया है और इजराइल में हमास के हमले में भी इसका रुख स्पष्ट रहा। फिलहाल गाजा पट्टी में साधारण लोग बिजली, पानी की आपूर्ति बाधित किए जाने से परेशान हो गए हैं। इसकी वजह से व्यापक पैमाने पर इलाका खाली करने जैसे त्रासद हालात भी पैदा हो गए हैं। इसके बाद भी इजराइली हवाई हमले जारी है जिसमें बड़ी संख्या में आम लोग मारे जा रहे हैं। ऐसी मौतों पर चिंता जाहिर करना भी भारत सहित मानवता के प्रति सरोकार रखने वाले किसी भी देश की जिम्मेदारी बनती है। विडंबना है कि हमास के हमले और उसके बाद शुरू हुए युद्ध में अंतरराष्ट्रीय कानूनों और युद्ध अपराधों का खयाल तक रखना जरूरी नहीं समझा गया है। नतीजतन, इसमें वे लोग मारे जा रहे हैं, जो युद्ध और आतंकवाद के लिए जिम्मेदार नहीं हैं।

आत्मनिर्भरता के लिए विदेशी उत्पादों का बहिष्कार जरूरी

डा वीरेन्द्र भाटी मंगल

राष्ट्र विकास व देश हित में वोकल फॉर लोकल और आत्मनिर्भर भारत सरीके सूत्र देकर देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश की अर्थव्यवस्था में आम नागरिक की भूमिका को रेखांकित किया है। वोकल फॉर लोकल का सामान्य अर्थ कि हमें अपने देश में बनी हुई चीजों को लेकर वोकल होना चाहिए यानी देश में बनी बनें हुए उत्पाद को अधिक से अधिक उपयोग कर, उन्हें बढ़ावा देना चाहिए। इसी प्रकार आत्मनिर्भर भारत का उद्देश्य देश के नागरिकों को हर मायने में स्वतंत्र और आत्मनिर्भर बनाना ही है। आत्मनिर्भर भारत के अन्तर्गत देश की अर्थव्यवस्था व बुनियादी ढांचा प्रणाली को ही महत्व दिया गया है। इससे हमारे देश का धन देश में ही रहेगा और हमारी अर्थव्यवस्था मजबूत होगी। दीपावली का त्यौहार हमारे सामने है, इस अवसर पर भारत देश में हजारों-करोड़ रुपयों का व्यापार होता है। जरूरत है कि देश का नागरिक देश में निर्मित वस्तुओं खरीदें और दूसरों को खरीदने लिए, प्रेरणा दे तो राष्ट्र की अर्थव्यवस्था विकास में बहुत बड़ा कदम हो सकता है। प्रधानमंत्री ने अपने वक्तव्य में कहा था कि पहले हर ब्रांड लोकल ही थे, उसके बाद ही ग्लोबल ब्रांड बने है, ठीक उसी तरह हमें भी अपने लोकल प्रोडक्ट्स को ग्लोबल ब्रांड बनाना है। पहले खादी भी लोकल था पर अब यह भी ब्रांड है, इसे आपने ही ब्रांड बनाया है। देशवासियों को चाहिए को हमारे कुटीर उद्योग, गृह उद्योग, हमारे लघु-मंझोले उद्योग, के प्रति हम भरोसा पैदा करें और देश के प्रोडक्ट का उपयोग कर देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने में अपना योगदान दे। हमारा भारतीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने के लिए लोकल प्रोडक्ट्स को बढ़ावा देकर हम आत्मनिर्भर भारत में सहयोगी बन सकते हैं । यह तभी हो पायेगा, जब हम उस लोकल प्रोडक्टस को अधिक से अधिक खरिदेंगे, तभी हमारा लोकल ब्रांड को ग्लोबल ब्रंड बनाया जा सकता है। वोकल फार लोकल को सफल बनाने के लिए देश के प्रत्येक नागरिक का योगदान हो सकता है। इसके लिए अगर सबसे अच्छी बात है हम किसी ब्रांड को खरीदने से ज्यादा स्थानीय दुकानदार से सूखे आलू चिप्स खरीदकर अपने घर में बना सकते हैं । महानगरों में पैकेड भोजन मंगवाने का चलन निकल पड़ा है। हम किसी एप्प की बजाय स्थानीय कैफे या रेस्त्रां से भोजन मंगवाकर लोकल फार वाकल को बढ़ाव दे सकते है। इसी प्रकार अगर हम किसी व्यवसाय के प्रबंधक है तो हम अपना खुद का पोर्टल सकते है। इसी प्रकार आज यह भी चलन हो गया है कि सब्जी जैसी सर्वसुलभ वस्तु भी अधिक से अधिक सुपरमार्केट खरीदी जा रही है, जिसके कारण देश का धन बाहर जा रहा है इसलिए जरूरी है कि फुटपाथ पर के किनारे बैठने वाले या रेहड़ी वालों से सब्जी आदि खरीद कर देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने में अपना योगदान दे सकते है। इसके अलावा हम ब्रांड की दुकान में जाने की बजाय स्थानीय दुकानदारों से भी लोकल जूते और चप्पल आदि खरीद सकते है। दीपावली पर लाइट आदि घर को सजाने वाली वस्तुओं को भी स्थानीय हस्तशिल्पकारों आदि से तो भारतीय अर्थव्यवस्था में हमारा बहुत बडा योगदान हो सकता है। लोकल फार वोकल का बढावा देने के लिए हमें स्थानीय हुनर की कद्र करनी होगी।

छोटी से छोटी चीजे आज लोकल स्तर पर उपलब्ध है, उनका अधिक से अधिक लाभ उठाना चाहिए। चॉकलेट, दीपक, मोमबत्ती, अगरबत्ती, मिठाई आदि खरीदने के लिए, स्थानीय दुकानदारों से खरीददारी करने से देश की अर्थव्यवस्था मजबूत बन सकती है।

हिंदुत्व की लहर को जाति विभाजन से तोड़ने का विपक्षी दांव

राज सक्सेना

इंडी अलायन्स के महाराष्ट्र के छत्रपों ने, बड़ी खूबसूरती के साथ महाराष्ट्र में भाजपा के हिंदुत्व के अमोघ अस्त्र में पलीता लगाने के लिए, बड़े जोरशोर से, महाराष्ट्र के हिन्दुओं को हिंदुत्व के मुद्दे पर एक न होने देने के लिए उनकी एकता की सम्भावना को भंग करने के लिए वरसों से दबे ढके मगर सुलगते मराठा आंदोलन को फिर से उग्र रूप से जगा कर, भाजपा और शिंदे गुट शिवसेना को परेशानी में डाल दिया है। इन दिनों महाराष्ट्र में मराठा आरक्षण का मुद्दा हद से अधिक गर्म है। महाराष्ट्र में मराठा आरक्षण की आग कभी भी भयंकर रूप से भड़क सकती है। मराठा समुदाय को आरक्षण देने की मांग के लिए दशहरा तक की समय सीमा आंदोलनकारियों ने एकनाथ शिंदे सरकार को दी थी। मराठा आंदोलन की मांग कर रहे लोगों का नेतृत्व मनोज जरांगे कर रहे हैं। उन्होंने कहा था कि अगर मांग न मानी गई तो 25 अक्टूबर से वो भूख हड़ताल एक बार फिर शुरू करेंगे और इस बार या तो आरक्षण मिलेगा या उनकी शव यात्रा निकलेगी। मनोज जरांगे पाटिल की उम्र 40 साल है। वो 2014 से मराठा आरक्षण की मांग जोरशोर से उठा रहे हैं। जालना जिले में उनकी मांग काफी जोर पकडती रही है। महाराष्ट्र में कई और जगह भी मराठा आरक्षण की मांग के कारण हिंसा भी भड़की थी। वे बीड के रहने वाले हैं। एक होटल में काम करते थे। कांग्रेस में रहने के बाद अलग हुए और शिवबा संगठन बनाया। मनोज जरांगे ने जब शव यात्रा की बात कहकर मराठा आरक्षण के लिए समय सीमा दी, तो उसके अगले दिन 19 अक्टूबर को एक कार्यकर्ता सुनील कावले का शव मुंबई के बांद्रा में बिजली के खंबे से लटकता मिला था। सुनील ने सुसाइड नोट में मराठा आरक्षण देने की मांग की थी। समय सीमा के भीतर ही कुछ दिन बाद सभी मराठों को जरांगे ने कुनबी जाति प्रमाणपत्र देकर ओबीसी कोटे से आरक्षण की मांग फिर खड़ी करदी थी। सीएम एकनाथ शिंदे ने उनसे मिलकर आरक्षण देने की मांग पूरी करने का आश्वासन भी दिया था। जिसके बाद मनोज जरांगे ने 14 सितंबर को अपना अनशन खत्म किया था। मनोज जरांगे का शिवबा संगठन सरकारी नौकरियों और शिक्षा में मराठा समुदाय के लिए आरक्षण मांग रहा है। मराठा आरक्षण का आंदोलन 1 सितंबर से चल रहा था। आरक्षण समर्थकों का कहना है कि 1948 तक निजाम के शासन के दौरान उनको कुनबी (खेतिहर मराठे) माना जाता था। अब वे कुनबी जाति का सर्टिफिकेट और ओबीसी का दर्जा देने की भी मांग कर रहे हैं। वस्तुतः इस तरह मराठों और ओबीसी जातियों के बीच दरार डालने का प्रयास किया जा रहा है। मनोज जरांगे ने यह भी कहना शुरू कर दिया है कि राज्य में ओबीसी को मिल रहा आरक्षण बहुत ज्यादा है। पाटिल का यह कथन साबित करता है कि उनकी रुचि कुनबी मराठा को आरक्षण दिलवाने से अधिक ओबीसी समाज से टकराव में है। महाराष्ट्र में मराठा आबादी 34 प्रतिशत है और ओबीसी को मिलने वाला आरक्षण 19 प्रतिशत है। राज्य की पूरी मराठा आबादी को कुनबी मराठा का दर्जा देकर उन्हें ओबीसी कोटे के तहत आरक्षण देना मुश्किल है। जरांगे की इस मांग से एक ओर राज्य का ओबीसी समाज उद्वेलित होना तय है तो दूसरी ओर स्वयं को उच्च कुलीन मराठा मानने वाले नारायण राणे और रामदास कदम जैसे नेता भी मुखर होकर बोलने लगे हैं। राणे और कदम कोकण से आते हैं और खुद को गर्व से 96 कुली मराठा कहते हैं। अपने दशहरा रैली के सम्बोधन में मुख्यमंत्री शिंदे ने अपने भाषण के दौरान छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा के पास जाकर शपथ लेते हुए कहा था कि, 'मैं किसी के साथ अन्याय किए बगैर ही मराठा समाज को कोर्ट में टिकने लायक आरक्षण दिलवाऊंगा'। उन्होंने याद दिलाया कि इससे पहले देवेंद्र फड़णवीस ने अपनी सरकार के दौरान मराठा समाज को आरक्षण दिलवाया था। वह हाई कोर्ट ने तो माना लेकिन सुप्रीम कोर्ट में रद्द हो गया। अब हम ऐसा प्रयास कर रहे हैं कि मराठा समाज को सुप्रीम कोर्ट में टिकने लायक आरक्षण मिल सके। शिंदे ने नाम लिए बिना विपक्षी दलों पर प्रहार करते हुए कहा कि इस विरोध का कारण सिर्फ मोदी द्वेष है और कुछ नहीं। ऐसे लोगों को बाला साहब ठाकरे के नाम पर शुरू किए गए निशुल्क अस्पताल में जाकर अपना इलाज करना चाहिए। शिंदे ने अपने कार्यकर्ताओं का आवाहन किया कि वह सरकार द्वारा किए जा रहे अच्छे कार्यों को जनता तक पहुंचाएं क्योंकि अगले लोकसभा चुनाव में राज्य में राजद गठबंधन को 45 से अधिक लोकसभा सीटें जीतनी हैं। उन्होंने यह बात मुंबई के आजाद मैदान में शिवसेना की परंपरागत रैली को संबोधित करते हुए कही। पिछले वर्ष शिवसेना में हुए विभाजन के बाद से उद्धव गुट और शिंदे गुट शिवसेना की अलग-अलग रैलियों का आयोजन करता है। इसी कड़ी में मंगलवार को उद्धव गुट ने शिवसेना के पुराने रैली स्थल शिवाजी पार्क में और शिंदे गुट ने दक्षिण मुंबई के आजाद मैदान में रैली का आयोजन किया। शिंदे गुट ने अपने मंच पर न सिर्फ छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा के साथ ही शिवसेना संस्थापक बाला साहब ठाकरे की बड़ी तस्वीर लगा रखी थी। बल्कि उनके स्थान स्वरूप मंच पर एक खाली सोफा भी रखा गया था। जिस पर शिंदे सहित उनके कई साथियों ने पुष्प अर्पित कर बाला साहब को श्रद्धांजलि दी।

उधर शिवाजी पार्क की अपनी रैली में शिवसेना उद्धव गुट के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने कहा कि हमें केंद्र में तो मजबूत सरकार चाहिए लेकिन एक दल के बहुमत वाली सरकार नहीं चाहिए। उन्होंने शिवसेना की दशहरा रैली को संबोधित करते हुए भाजपा को चुनौती दी कि यदि हिम्मत है तो लोकसभा चुनाव के साथ ही महाराष्ट्र विधानसभा एवं मुंबई महानगरपालिका के चुनाव भी करा कर दिखाएं। अपने सम्बोधन भाषण में शिवसेना की परंपरागत दशहरा रैली को संबोधित करते हुए उद्धव ठाकरे ने कहा कि शिवसेना संस्थापक बाला साहब ठाकरे बोला करते थे कि देश में मजबूत सरकार चाहिए। हमने 9 साल में मजबूत सरकार देख ली।

चुनावी मौसम में ईवीएम पर फिर उठे सवाल

रजनीश कपूर

पाँच राज्यों में विधान सभा चुनावों की गर्मी चरम पर है। कहीं सत्ता परिवर्तन होगा या नहीं होगा यह तो नतीजों के बाद ही पता चलेगा। बीते कुछ चुनावों में यह देखा गया है कि इलाक़े की जनता की नाराज़गी के बावजूद वहाँ के मौजूदा विधायक या सांसद ने पिछले चुनावों के मुक़ाबले काफ़ी अधिक संख्या से जीत हासिल की। ऐसे में चुनावी मशीनरी पर सवाल खड़े होना ज़ाहिर सी बात है। जो भी नेता हारता है वो इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) या चुनावी मशीनरी को दोषी ठहराता है। ताज़ा मामला मध्य प्रदेश का है जहां ईवीएम के ट्रायल के दौरान गड़बड़ पाई गई। इस पर वरिष्ठ कांग्रेसी नेता और मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्य मंत्री दिग्विजय सिंह ने चुनाव आयोग को एक सुझाव दिया है जिससे ऐसी गड़बड़ी पर कुछ हद तक लगाम लगाई जा सकती है। ऐसा नहीं है कि किसी एक दल के नेता ही ईवीएम की गड़बड़ी या उससे छेड़-छाड़ का आरोप लगाते आए हैं। इस बात के अनेकों उदाहरण हैं जहां हर प्रमुख दलों के नेताओं ने कई चुनावों के बाद ईवीएम में गड़बड़ी का आरोप लगाया है। चुनाव आयोग की बात करें तो वो इन आरोपों का शुरू से ही खंडन कर रहा है। आयोग के अनुसार ईवीएम में गड़बड़ी की कोई गुंजाइश ही नहीं है। 1998 में दिल्ली, राजस्थान और मध्य प्रदेश के विधान सभा की कुछ सीटों पर ईवीएम का इस्तेमाल हुआ था। परंतु 2004 के आम चुनावों में पहली बार हर संसदीय क्षेत्र में ईवीएम का पूरी तरह से इस्तेमाल हुआ। 2009 के चुनावी नतीजों के बाद इसमें गड़बड़ी का आरोप भाजपा द्वारा लगा। ग़ौरतलब है कि दुनिया के 31 देशों में ईवीएम का इस्तेमाल हुआ परंतु ख़ास बात यह है कि अधिकतर देशों ने इसमें गड़बड़ी कि शिकायत के बाद वापस बैलट पेपर के ज़रिये ही चुनाव किये जाने लगे। किसी भी समस्या की शिकायत करने से उसका हल नहीं खोजा जाता। परंतु जब शिकायत के साथ समाधान का सुझाव भी दिया जाए तो उस पर ग़ौर करना चाहिए। हाल ही में मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्य मंत्री और वरिष्ठ कांग्रेसी नेता दिग्विजय सिंह ने आगामी विधान सभा चुनावों में ईवीएम की गड़बड़ी पर आरोप लगाए और उन्हें रोकने के लिए सुझाव भी दिया। सिंह ने आरोप लगाया कि मध्य प्रदेश में ईवीएम के ट्रायल के दौरान इसमें गड़बड़ी पायी गई। उन्होंने चुनाव आयो को सुझाव दिया कि यदि ईवीएम से निकलने वाली VVPAT की पर्ची को मतदाता को दे दिया जाए। इन पर्चियों को अलग से रखी मतपेटी में डाल दिया जाए। मतगणना के पहले ऐसी किसी भी दस पेटियों के वोट गिन लिए जाएँ और बाद में उनका मिलान कार्टिंग यूनिट के साथ कर लिया जाए। यदि नतीजे मेल खाते हैं तो कार्टिंग यूनिट के नतीजे को घोषित कर दिया जाए। दिग्विजय सिंह के इस सुझाव पर सोशल मीडिया पर हज़ारों प्रतिक्रियाएँ आई हैं। अधिकतर लोगों ने इस सुझाव को व्यावहारिक माना है। जब भी कभी कोई प्रतियोगिता होती है तो उसका संचालन करने वाले शक के घेरे में न आएँ इसलिए उस प्रतियोगिता के हर कृत्य को सार्वजनिक रूप से किया जाता है। आयोजक इस बात पर ख़ास ध्यान देते हैं कि उन पर पक्षपात का आरोप न लगे। इसीलिए जब भी कभी आयोजकों को कोई सुझाव दिये जाते हैं तो यदि वे उन्हें सही लगें तो उसे स्वीकार लेते हैं। ऐसे में उन पर पक्षपात का आरोप नहीं लगता। ठीक उसी तरह एक स्वस्थ लोकतंत्र में होने वाले सबसे बड़ी प्रतियोगिता चुनाव है। उसके आयोजक यानी चुनाव आयोग को उन सभी सुझावों को खुले दिमाग़ से और निष्पक्षता से लेना चाहिए। चुनाव आयोग एक संवैधानिक संस्था है, इसे किसी भी दल या सरकार के प्रति पक्षपात होता दिखाई नहीं देना चाहिए। यदि चुनाव आयोग ऐसे सुझावों को जनहित में लेती है तो मतदाताओं के बीच भी एक सही संदेश जाएगा, कि चाहे ईवीएम पर गड़बड़ियों के आरोप लगें पर चुनाव आयोग किसी भी दल के साथ पक्षपात नहीं करता।जहां तक ईवीएम पर दिग्विजय सिंह के सुझाव की बात है, सभी राजनैतिक दलों को इस सुझाव का सम्मान करना चाहिए। इसके साथ ही हर प्रमुख राजनैतिक दल को भी ऐसे सुझाव देने चाहिए, जिससे कि चुनाव आयोग को भी उन सुझावों को लागू करने में दिक़्क़त न हो। यदि ईवीएम की गुणवत्ता पर और उसकी कार्य पद्धति पर चुनाव आयोग को पूरा विश्वास है तो चुनाव आयोग को इस सुझाव पर एक सर्वेक्षण भी करा लेना चाहिए। इससे यदि मतदाता को भी कुछ सुझाव देने होंगे तो वो भी चुनाव आयोग के पास आ जाएँगे। ऐसे में निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए, जाने जाने वाली संस्था भी जनता के बीच अपना पक्ष रख पाएगी।

चीन, रूस और ईरान का अमेरिका के विरुद्ध षड्यंत्र

संजीव ठाकुर

अमेरिकी विदेश मंत्री एंथोनी ब्लिंकन ने संयुक्त राष्ट्र संघ की सभा में स्पष्ट रूप से कहा है कि इस सभा में सबको विदित है कि तो कुख्यात आतंकवादी संगठन हमास ,हिजबुल्ला और फलस्तीन इस्लामिक जिहाद को कई वर्षों से ईरान प्रत्यक्ष तथा परोक्ष रूप से आर्थिक सामरिक सहायता कर इजराइल का विरोध करवाता आ रहा है। ब्लिंकन ने कहा हमास के इसराइल पर हमले में अमेरिका पूरी तरह से इसराइल के साथ खड़ा है और वह किसी अन्य देश के हमले से इजरायल की रक्षा करने के लिए प्रतिबद्ध है हमास का आक्रमण इजरायल की प्रभु सत्ता को चुनौती देने वाला है इसलिए इसराइल को हमास पर वैधानिक हक है इजरायल को अपनी जनता तथा अपनी भूमि की रक्षा करने का पूरा अधिकार है इसराइल अपना कर्तव्य निभा रहा है। ब्लिंकन ने स्पष्ट कहा है यदि ईरान, जॉर्डन, सीरिया या लेबनान अमेरिकी सैनिकों पर हमला करेगा तो उसका तुरंत माकूल जवाब दिया जाएगा। इधर ईरान के प्रमुख आयतुल्लाह खुमैनी ने कहा कि गाजा पट्टी में निर्दोष नागरिकों तथा बच्चों महिलाओं की हत्या का सारा दोष अमेरिका प्रशासन को जाता है जिसने इसराइल को गाजा पट्टी पर निर्दोष नागरिकों पर आक्रमण करने की खुली छूट देकर रखी है और यदि अमेरिका इस युद्ध में शामिल होता है तो खाड़ी के अनेक राष्ट्र शामिल होंगे जिसकी सारी जिम्मेदारी अमेरिका पर होगी। यह बात पूरी दुनिया को मालूम है कि हमास के पीछे ईरान और मिडिल ईस्ट के कई देश शामिल हैं और ईरान के पीछे ड्रैगन तथा रूस का खुला समर्थन है। चीन और रूस ने फिलिस्तीन तथा हमास को अपने समर्थन का ऐलान किया है. रूस चाहता है कि अमेरिका का ध्यान रूस यूक्रेन युद्ध से हट जाए और वह यूक्रेन को पूरी तरह नष्ट कर अपने देश की सीमा में शामिल कर ले। इसी तरह की चाहत चीन ने भी पाल कर रखी है वह ताइवान के मामले में अमेरिकी हस्तक्षेप से परेशान है और वह चाहता है कि अमेरिका का ध्यान इसराइल हमास युद्ध में लगा रहे और वह इसी दौरान आक्रमण करके ताइवान को अपनी प्रभु सत्ता में शामिल कर ले। चीन और रूस में खुले तौर पर ईरान को भड़काकर हमास हिज्बुल्लाह और फिलिस्तीन इस्लामी जिहाद को सहायता करने तथा आक्रमण करने की इजाजत दे दी थी तब जाकर ईरान ने हमास को सीधे-सीधे इसराइल पर आक्रमण करने का निर्देश भी दिया था। 7 अक्टूबर 23 को हमास के आक्रमण से लगभग 1200 से 1500 इसराइली नागरिक सैन्य अधिकारी बच्चे तथा स्त्रियों की सरेआम हत्या कर दी गई। जवाब में इजरायल ने फिलिस्तीन के गाजा पट्टी पर हमला कर हमास के फ्रंटलाइन आतंकवादियों को खत्म कर दिया है कॉलेटरल डैमेज के रूप में वहां के नागरिक तथा बच्चों एवं स्त्रियों भी मौत की नींद सो चुके हैं। हमास इसराइल लड़ाई में नया मोड़ तब आया जब गाजा के एक अस्पताल में बम गिरकर 500 लोगों की हत्या कर दी गई और इसका सारा ठीकरा इसराइल के सर फोड़ दिया गया है इसराइल ने इस बात से साफ इनकार किया है और कहा है कि इसके पीछे खुद हमास एवं फिलिस्तीन इस्लामी जिहाद है जिसने गाजा के इस अस्पताल में हमला कर इसराइल के खिलाफ एक नया षड्यंत्र रचा है। इस हमले से क्रुद्ध होकर खाड़ी देशों के सभी मुस्लिम राष्ट्र जिनकी संख्या लगभग 57 है सब एक हो गए हैं और इसरायल के साथ लगभग 87 देश समर्थन में जुड़ गए हैं जिसमें प्रमुख तौर पर अमेरिका ,ब्रिटेन, फ्रांस, ऑस्ट्रेलिया,कनाडा एवं अन्य देश जिसमें भारत भी शामिल है का इसराइल को समर्थन है।

कल खत्म होगा आश्विन मास

28 अक्टूबर को शरद पूर्णिमा है। इस दिन आश्विन माह खत्म हो जाएगा। अगले दिन यानी 29 अक्टूबर से कार्तिक मास की शुरु होगा। इस साल शरद पूर्णिमा की रात 1.04 बजे से चंद्र ग्रहण शुरू हो रहा है। ये ग्रहण भारत में दिखेगा, इस वजह से यहां सूतक रहेगा। शरद पूर्णिमा से जुड़ी कई मान्यताएं हैं। एक मान्यता के मुताबिक, इस रात देवी लक्ष्मी पृथ्वी का भ्रमण करती हैं। दूसरी मान्यता ये है कि द्वापर युग में भगवान श्रीकृष्ण ने इसी तिथि पर गोपियों संग महारास रचाया था। देवी लक्ष्मी शरद पूर्णिमा की रात पृथ्वी का भ्रमण करते समय से पूछती हैं कि को जागृति यानी कौन जाग रहा है? इस वजह से ही आश्विन पूर्णिमा को कोजागरी पूर्णिमा कहा जाता है।

शरद पूर्णिमा का आयुर्वेद में भी काफी महत्व है। इस रात चंद्र की रोशनी औषधीय गुणों से भरपूर होती है। इस कारण ही शरद पूर्णिमा की रात चंद्र की रोशनी में खीर बनाने की परंपरा है। हालांकि इस साल चंद्र ग्रहण होने से इस परंपरा को निभाने में दिक्कतें आएंगी। चंद्र ग्रहण खत्म होने के बाद खीर बनाने की परंपरा निभा सकते हैं।

शरद पूर्णिमा पर खीर पकाकर खाने की परंपरा के पीछे हमारी सेहत से जुड़ी वजह है। ये समय मौसम परिवर्तन का है। अब शीत ऋतु का असर बढ़ने लगेगा। इस दिन खीर का सेवन करना, इस बात का संदेश है कि अब शीत ऋतु शुरू हो रही है और हमें पौष्टिक और गर्म तासीर वाली चीजें खाने-पीने में शामिल करनी चाहिए। इन चीजों से हमारे शरीर को ठंड से लड़ने की शक्ति मिलती है।

शरद पूर्णिमा की खीर बहुत खास होती है, क्योंकि इसमें दूध, चावल, सूखे मेवे, केसर के साथ ही चंद्र के औषधीय गुण भी शामिल रहते हैं। ये खीर हमारे लिए फायदेमंद होती है। इन चीजों की वजह से हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है। खीर की मिठास तुरंत ऊर्जा देती है। सूखे मेवे ताकत बढ़ाते हैं।

शरद पूर्णिमा के संबंध में एक अन्य मान्यता है कि श्रीकृष्ण ने गोपियों संग इसी तिथि पर वृंदावन में महारासलीला रचाई थी। आज भी इस मान्यता की वजह से शरद पूर्णिमा पर वृंदावन में कई विशेष कार्यक्रम होते हैं। शरद पूर्णिमा की रात को रासलीला की रात भी कहते हैं। इस तिथि पर चंद्र अपनी सभी 16 कलाओं के साथ दिखाई देता है। चंद्र अन्य पूर्णिमा तिथियों की अपेक्षा इस पूर्णिमा पर कुछ ज्यादा बड़ा दिखेगा।

शरद पूर्णिमा की रात चंद्र ग्रहण होने से देवी लक्ष्मी के मंत्रों का जप करेंगे तो बहुत अच्छा रहेगा। इस रात दोपहर 4.04 से सूतक शुरू होगा और चंद्र ग्रहण खत्म होने तक रहेगा। इस समय में पूजा-पाठ नहीं हो पाएगी। चंद्र ग्रहण खत्म होने के बाद घर-मंदिर की शुद्धि के बाद पूजा-पाठ कर सकते हैं।

दिल्ली का 5000 साल पुराना भैरव मंदिर द्वापर युग से जुड़ा इसका इतिहास

भारत में कई ऐसे मंदिर हैं, जो कई वर्ष पुराने हैं और जिनके साथ कई मान्यताएं और आश्चर्यचकित कर देने वाली कई कहानीयां भी जुड़ी हुई हैं। यहां ऐसे भी कुछ मंदिर हैं, जहां भगवान को प्रसन्न करने के लिए भोग के रूप में कई अलग-अलग चीजें भी चढ़ाई जाती हैं। वहीं इन सब मंदिरों में से दिल्ली में प्रगति मैदान के सामने, पुराने किले के बाहर एक ऐसा मंदिर भी है, जहां पर आपको यह सब चीजें एक साथ मिल जाएंगी।

इस मंदिर का नाम किलकारी भैरव मंदिर है, जो बाबा भैरवनाथ जी को समर्पित है। किलकारी भैरव मंदिर को भैरों मंदिर के नाम से भी जाना जाता है। इस मंदिर के इतिहास के बारे में कहा जाता है कि पांडवों ने 5000 साल पहले इस मंदिर की स्थापना की थी।

ऐसी है यहां की मान्यता

इस मंदिर को लेकर ऐसी मान्यता है कि पांडवों ने राक्षसों से अपने किले की सुरक्षा के लिए भगवान श्रीकृष्ण के सुझाव पर किलकारी भैरों नाथ मंदिर की स्थापना की थी। मंदिर से जुड़े इतिहास के अनुसार, मंदिर में भैरों बाबा को लाने के लिए भीम काशी गए थे। भीम ने बाबा से इंद्रप्रस्थ चलने की अराधना की थी। मगर बाबा ने भीम के समक्ष शर्त रखी थी कि वो अगर रास्ते में जहां भी कहीं उन्हें पहले रख देगें, तो वो वहीं पर विराजमान हो जाएंगे।

किलकारी बाबा भैरों नाथ मंदिर

कहा जाता है कि भीम ने यह शर्त मान ली और बाबा को अपने कंधे पर बिठाकर चल दिए। जब वो यहां पहुंचे तो बाबा भैरों ने ऐसी माया रची की भीम को मजबूर होकर उन्हें अपने कंधे से नीचे उतारना पड़ गया। इसके बाद भीम जब दोबारा बाबा को साथ चलने की विनती करने लगे तो बाबा खुद तो आगे नहीं गए। लेकिन किले की सुरक्षा हेतु उन्होंने अपनी जटा काट कर भीम को दे दी। और भीम से कहा कि इसे अपने किल में विस्थपित करें और वो वहां पर किलकारी मार कर सुरक्षा करेंगे। इसी वजह से यह मंदिर आज भी किलकारी बाबा भैरों नाथ मंदिर के नाम से जाना जाता है।

दूध, मदिरा का प्रसाद

इस मंदिर में 2 खंड हैं, पहला खंड दुधिया भैरव मंदिर है जहां दूध चढ़ाया जाता है और दूसरा किलकारी भैरव मंदिर है जहां मदिरा चढ़ाई जाती है। यह एकमात्र मंदिर है जहां देवता को मदिरा चढ़ाई जाती है। इस मदिरा चढ़ाने के पीछे का कारण यह है कि लोग अपनी अंतिम मदिरा को भगवान को प्रण के रूप में चढ़ाते हैं और मदिरा का सेवन करने की आदत छोड़ देते हैं।

मंदिर की वास्तुकला

किलकारी भैरव मंदिर दिल्ली के शीर्ष पर्यटक आकर्षणों में से एक है, यहां दुनिया भर से लोग आते हैं। पूरे मंदिर का आंतरिक भाग संगमरमर से बना है और साथ ही मंदिर की सभी मूर्तियाँ संगमरमर से बनी हुई हैं। वहीं इस मंदिर की वास्तुकला उत्तर भारतीय शैली की है।

कैसे पहुंचे इस मंदिर

इस मंदिर में पहुंचने के लिए आपको ब्लू लाइन मेट्रो से सुप्रीम कोर्ट, प्रगति मैदान मेट्रो स्टेशन पर उतरना होगा गेट नंबर 1 से बाहर निकलते ही कुछ दूरी पर आपको यह मंदिर मिल जाएगा। यह मंदिर सुबह 5:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक और दोपहर 3:00 से रात 9:00 बजे तक खुला रहता है।

घड़ी वाले बाबा; उज्जैन में यहां से गुजरने पर दिन-रात आती है 'टिक-टिक' की आवाज

बाबा महाकाल की नगरी उज्जैन में कई ऐसे मंदिर हैं, जिनकी अपनी अलग ही मान्यता है। उज्जैन से 40 किलोमीटर दूर महिदपुर और उन्हेल के बीच सड़क किनारे घड़ी वाले बाबा का मंदिर है। मान्यता है कि यहां आने वालों का वक्त बदल जाता है। भक्त यहां आकर मन्नत मांगते हैं। पूरा होने पर यहां पर दीवार घड़ी चढ़ाते हैं।

बीते दो साल में यह मंदिर इतना प्रसिद्ध हो गया कि अब 4 बाई 6 फीट के मंदिर में घड़ी रखने की जगह नहीं बची। इसलिए भक्तों ने पेड़ पर ही घड़ियां टांगनी शुरू कर दी। जब लोग इस रास्ते से गुजरते हैं तो उन्हें दिन रात टिक-टिक की आवाज सुनाई देती है। श्रद्धालु पवन आंजना ने बताया कि एक दशक से ज्यादा वक्त से यहां पर मंदिर में घड़ियां चढ़ाई जा रही हैं। कहा कि इसके पीछे की मान्यता पर श्रद्धालुओं का अटूट विश्वास है।

समय खराब होने पर भी चढ़ाते हैं घड़ी

शिप्रा नदी के नजदीक स्थित इस गांव की प्रसिद्धि यहां के छोटे मंदिर की वजह से देश और दुनिया भर में है। यहां स्थित सगस भैरव का मंदिर न सिर्फ इलाके के हजारों लोगों की आस्था का केंद्र है, बल्कि यहां पर दूर-दूर से श्रद्धालु इस उम्मीद के साथ आते हैं कि यहां पर घड़ी चढ़ाने से उनका सही वक्त शुरू हो जाएगा। कई भक्तों की यह भी मान्यता है कि उनका वक्त यही से बदला है।

कभी मंदिर से चोरी नहीं हुई घड़ी

ग्रामीणों ने बताया कि पूर्णिमा और रविवार को यहा काफी भीड़ होती है। गांव के लोगों का कहना है कि कितनी भी कीमती घड़ी हो, कभी भी मंदिर से कोई घड़ी चोरी नहीं हुई। मंदिर में कोई पुजारी भी नहीं है। गांव के लोगों का मानना है कि सगस महाराज के इस स्थान पर हर मनोकामना पूर्ण होती है।

शादी में हो रही है देरी तो शरद पूर्णिमा पर करें ये खास उपाय

शरद पूर्णिमा का आध्यात्मिक महत्व

शरद पूर्णिमा को लेकर सबसे बड़ी आध्यात्मिक बात तो यही है कि इस दिन भगवान योगेश्वर श्री कृष्ण ने महारास रचाई थी। महारास का अर्थ है आत्मा और परमात्मा का मिलन। इसी दिन भगवान शिव को एक नया नाम भी मिला था और वह नाम है गोपेश्वर महादेव, क्योंकि भगवान शिव भी महारास का आनंद लेने के लिए गोपी का रूप धारण करके पहुंचे थे।

जल्दी बनेंगे विवाह के योग

ज्योतिषी का कहना है कि जिन कन्याओं का विवाह नहीं हुआ है या विवाह में अड़चन आ रही है। वे कन्याएं अगर इस दिन भगवान कृष्ण का पूजन-अर्चन करें तो योग्य वर की प्राप्ति के योग बनते हैं। शरद पूर्णिमा के दिन ही भगवान कार्तिकेय का भी जन्म हुआ था। इसलिए इस दिन को कार्तिक पूर्णिमा के नाम से भी जाना जाता है। इसलिए जिन भी लोगों को संतान नहीं है या जो भी लोग संतान की कामना रखते हैं। इस दिन अगर भगवान कार्तिकेय का विधिवत पूजन अर्चन करें तो संतान के भी योग बनते हैं।

शरद पूर्णिमा का वैज्ञानिक महत्व

शरद पूर्णिमा की वैज्ञानिक और धार्मिक मान्यता दोनों हैं। वैज्ञानिक मान्यता यह है कि शरद पूर्णिमा के दिन चंद्रमा धरती के बहुत करीब रहता है। जिसके कारण चंद्रमा से निकलने वाली जो अमृत धाराएं हैं। वह हमारे शरीर में प्रविष्ट करती हैं जिससे हमारा शरीर निरोगी काया को प्राप्त करता है।

इसलिए अधिकांश लोग शरद पूर्णिमा वाले दिन अपने घर की छत पर खीर बनाकर रखते हैं, ताकि चंद्रमा की किरणें खीर पर पड़े और हमारे शरीर में रोगों से लड़ने के लिए रोग प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़े। जिस कारण खीर को सुबह खाया जाता है। जिससे हमारा शरीर स्वस्थ होता है।

शरद पूर्णिमा 2023 मुहूर्त

अश्विन पूर्णिमा तिथि शुरू - 28 अक्टूबर 2023, सुबह 04.17
अश्विन पूर्णिमा तिथि समाप्त - 29 अक्टूबर 2023, सुबह 01.53
स्नान-दान - सुबह 04.47 - सुबह 05.39
सत्यनारायण पूजा मुहूर्त - सुबह 07.54 - सुबह 09.17
चंद्रोदय समय - शाम 05.20
लक्ष्मी पूजा मुहूर्त - 28 अक्टूबर 2023, रात 11.39 - 29 अक्टूबर 2023, सुबह 12.31
शरद पूर्णिमा 2023 शुभ योग
शरद पूर्णिमा के दिन बुधादित्य योग, त्रिग्रही योग, गजकेसरी योग, शश योग, रवि योग और सिद्धि योग का संयोग बन रहा है. इन 6 शुभ योग में मां लक्ष्मी का आगमन पृथ्वी पर होगा. ऐसे में व्रती को पूजा का विशेष लाभ मिलेगा.
रवि योग - सुबह 06.30 - सुबह 07.31 (28 अक्टूबर 2023)
सिद्धि योग - 28 अक्टूबर 2023, रात 10:52 - 29 अक्टूबर 2023, रात 08:01

बेहद खास होता है कार्तिक माह, इस महीने यह उपाय करने से दूर होते हैं सारे कष्ट

हिंदू पंचांग के मुताबिक साल 2023 का कार्तिक माह 29 अक्टूबर से प्रारंभ हो रहा है। जिसका समापन 27 नवंबर को होगा। कार्तिक

सनातन धर्म में हर माह का अपना अलग ही महत्व होता है। आश्विन माह चंद दिनों बाद समाप्त होने वाला है और कार्तिक का महीना शुरू होने वाला है। सनातन धर्म में कार्तिक का माह बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है। धार्मिक ग्रंथो के मुताबिक यह महीना भगवान विष्णु को समर्पित होता है। कार्तिक के महीने में स्नान दान और उपवास करने का भी विधान है।

धार्मिक मान्यता के मुताबिक इस महीने पवित्र नदियों में स्नान और गरीब असहाय लोगों को दान और उपवास करने से सभी प्रकार के कष्ट से मुक्ति मिलती है। इसी महीने में भगवान शिव और विष्णु तथा कार्तिकेय और तुलसी की पूजा का भी विधान है। इतना ही नहीं अच्छे पुण्य की प्राप्ति करने के लिए इस महीने माता लक्ष्मी की भी विशेष पूजा आराधना की जाती है। हिंदू पंचांग के मुताबिक साल 2023 का कार्तिक माह 29 अक्टूबर से प्रारंभ हो रहा है। जिसका समापन 27 नवंबर को होगा। कार्तिक के महीने में तप और व्रत भी किया जाता है। इस महीने में किया गया सभी प्रकार की पूजा आराधना फलदाई माना जाता है।

कार्तिक माह में स्नान का है विशेष महत्व

स्कंद पुराण के मुताबिक कार्तिक का महीना बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है। इसी महीने में कार्तिक पूर्णिमा के दिन महादेव ने त्रिपुरासुर राक्षसों का वध किया था और इसी महीने में भगवान विष्णु ने मत्स्य अवतार लिया था। कार्तिक के महीने में भगवान विष्णु मत्स्य अवतार लेकर जल में रहते थे। ऐसी स्थिति में कार्तिक के महीने में पवित्र नदियों में सूर्योदय से पूर्व स्नान दान करने से वैकुंठ लोक की प्राप्ति होती है।

श्री हरि को बेहद प्रिय है कार्तिक महीना

29 अक्टूबर से कार्तिक का महा आरंभ हो रहा है। अबकी बार का कार्तिक इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि चंद्र ग्रहण के 1 दिन बाद ही शुरू हो रहा है।

कार्तिक का महीना श्री हरि विष्णु के लिए समर्पित है। इस महीने में तुलसी की पूजा के साथ-साथ भगवान विष्णु की भी पूजा करने का विधान है। इस महीने पूरे देश और दुनिया के लोग धार्मिक स्थलों पर जाकर पवित्र नदियों में स्नान कल्पवास करते हैं। साथ ही जगतपति भगवान विष्णु की प्रसन्नता के लिए माता लक्ष्मी की प्राप्ति के लिए अनेक प्रकार के उपाय भी करते हैं। कार्तिक माह में दीपावली का पर्व भी मनाया जाएगा। इसके अलावा एकादशी का पर्व भी इसी माह में है। धार्मिक दृष्टि से माह बहुत महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

जवान की सफलता के बाद नयनतारा ने बढ़ाई फीस केएच 234 के लिए चार्ज करेंगी 12 करोड !

कमल हासन की आगामी फिल्म केएच 234 इस समय लगातार सुर्खियां बटोर रही है। लंबे समय के बाद वह इस फिल्म में मणिरत्नम के साथ काम करने जा रहे हैं। फिल्म की स्टारकास्ट को लेकर भी चर्चाओं का बाजार गर्म है। बताया जा रहा है कि इसकी कास्टिंग लगभग पूरी होने के करीब है। साथ ही, यह बात भी सामने आई है कि लेडी सुपरस्टार नयनतारा के साथ फिलहाल अंतिम दौर की बातचीत चल रही है।

आगामी प्रोजेक्ट के लिए मिलेगी इतनी रकम!

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक अगर सौदा पक्का हो जाता है तो अभिनेत्री को इसके लिए पारिश्रमिक के रूप में 12 करोड़ रुपये मिलने की संभावना है। बता दें कि नयनतारा दो दशकों से अधिक समय से दक्षिणी भारतीय सिनेमा में लीडिंग लेडी के रूप में काम कर रही हैं। आखिरी बार उन्होंने जवान और इराइवन के लिए अपनी फीस में इजाफा किया था।

कनेक्ट के लिए मिले थे आठ करोड़

रिपोर्ट्स की मानें तो पहले यह रोल सामंथा, साई पल्लवी और तृषा कृष्णन में से किसी के पास जाता दिख रहा था, लेकिन अब यह फिल्म नयनतारा की झोली में जाती दिख रही है। अभिनेत्री को उनकी 2022 की फिल्म कनेक्ट के लिए आठ करोड़ मिल मिले थे। जवान को साइन करने पर नयनतारा ने दक्षिण में सबसे अधिक भुगतान पाने वाली अभिनेत्री बनकर इतिहास रच दिया।

शाहरुख खान स्टारर जवान की सफलता के बाद नयनतारा की लोकप्रियता में गजब का इजाफा देखने को मिला है। उनके अन्य प्रोजेक्ट्स की बात करें तो वह जल्द ही योगी बाबू के साथ मन्नानगट्टी सिंस 1960 में दिखाई देंगी। फिल्म में आर. माधवन, सिद्धार्थ और मीरा जैस्मीन भी हैं।

'जहरीले माहौल' में किया काम : ऋचा चड्ढा

ऋचा चड्ढा इन दिन दिनों फिल्म 'फुकरे 3' की सफलता का जश्न मना रही है, जिसने बॉक्स ऑफिस पर 100 करोड़ रुपए से ज्यादा की कमाई कर ली है। इस पर ऋचा ने कहा, मैं बहुत अच्छा महसूस कर रही हूं, आभारी हूं। मैं इस बात से खुश हूं कि मैं 100 करोड़ रुपए के क्लब में हूं और यह मुझसे कोई नहीं छीन सकता। मैं एक स्व-निर्मित महिला हूं। मैंने जो कुछ भी हासिल किया है , उस पर मुझे बहुत गर्व है और इस तथ्य पर भी कि मैंने अपने संघर्ष और यात्रा का उतना ही आनंद लिया, जितना मैं आज अपनी सफलता का लेती हूं।

पुरानी फिल्मों पर पछतावा

ऋचा ने अपने करियर में कुछ गलत फिल्मों के चयन को लेकर कहा, मैं शुरू से ही फिल्मों को लेकर काफी सिलैक्टिव रही हूं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि मैंने गलतियां नहीं की हैं। कुछ फिल्में हैं, जिन्हें देखकर मैं घबरा जाती हूं और मुझे अफसोस होता है। मुझे अक्सर हैरानी होती है कि आखिर मैं उन के लिए राजी कैसे हो गई। हालांकि जब कोई स्क्रिप्ट मिलती है, तो आप हमेशा यह अंदाजा नहीं लगा सकते कि यह खराब तरीके से डायरैक्ट होगी। उसने कहा, मेरी फिल्मोग्राफी में मुझे ऐसी 5 या 6 फिल्में मिली हैं। उन सबका नाम बताने की जरूरत नहीं है लेकिन वे वाकई बहुत खराब थीं। जब आप पूरी तरह से समर्पित होते हैं, तो आपको यकीन होता है कि यह सबसे अच्छा ऑप्शन है लेकिन ऐसे फैसले हुए हैं, जिनका मुझे अफसोस है।

उसका कहना है कि अब जबकि वह फिल्म निर्माण में भी कदम रख चुकी है, तो उसका लक्ष्य अपने पछतावे को कम करना है। वह सीख चुकी है कि अगर आप एक 'जहरीले माहौल में हैं या किसी खराब फिल्म पर काम कर रहे हैं, जो अच्छी नहीं बन रही, तो आपको खुद को उससे अलग कर लेना चाहिए।

कुछ 'रोमांचक' होने वाला है : लारा दत्ता

साल 2000 में मिस यूनिवर्स का खिताब अपने नाम करने के बाद 2003 में फिल्म 'अंदाज' से बॉलीवुड में कदम रखने वाली लारा दत्ता को फिल्म इंडस्ट्री में 2 दशक पूरे हो चुके हैं। बेशक वह कभी बॉलीवुड की टॉप अभिनेत्रियों में शामिल नहीं हो सकी लेकिन उसका अभिनय सफर बदस्तूर जारी रहा और आज भी जारी है।

45 वर्षीय लारा फिल्मों में अपने लम्बे करियर के बारे में कहती है, भारतीय फिल्म इंडस्ट्री ने मुझे जो दिया है, उसके लिए मैं हमेशा आभारी नहीं रहूंगी। हमने एक लंबा सफर तय किया है और लोगों आज इस मुकाम पर आकर जब मैं पीछे देखती क्या हूं तो मुझे वाकई में काफी अच्छा लगता है। सैट इस साल वह फिल्म 'इश्क ए नादान' के अलावा हाल ही में वैब सीरीज 'चार्ली चोपड़ा एंड द मिस्ट्री ऑफ सोलांग वैली' में नजर आई। बात उसकी अगली वैब सीरीज 'रणनीति-बालाकोट एंड बियॉन्ड' है।

उसकी आने वाली फिल्मों में 'सूर्यास्त' की शूटिंग पूरी हो चुकी है और अब वह अपनी अगली फिल्म 'वैलकम 3' की चाहिए। तैयारी में जुटी हुई है, जो सुपरहिट 'वैलकम' सीरीज का तीसरा भाग है। इस फिल्म का नाम 'वैलकम टू द जंगल' रखा गया है। लारा इस मल्टीस्टारर फिल्म का हिस्सा बन कर बेहद उत्साहित और खुश है तथा उसका कहना है कि यह बेहद रोमांचक होने वाली है। लारा ने आगे कहा, मैं यह बता सकती कि कितने के संदेश आते हैं कि हम इस फिल्म के पर आ सकते हैं। इससे बहुत अच्छा लगता है। जाहिर सी है कि मेरे और रवीना टंडन के किसी फिल्म में एक साथ आने का मतलब है कि उसमें कुछ तो खास होना।

'संगीत' लोगों को गहराई से छू सकता है : रश्मीत कौर

'बाजरे दा सिट्टा' और 'घना कसुटा' जैसे हिट गीतों को अपनी आवाज से सजाने वाली गायिका गीतकार रश्मीत कौर इन दिनों अपने नए गीत 'चेरी कोको' को लेकर चर्चा में है। उसने यह गीत किसी म्यूजिक लेबल के साथ नहीं, बल्कि अपने स्तर पर रिलीज किया है। वह कहती है, इंडिपेंडेंट म्यूजिक ने मेरे जीवन को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई हैं। इससे मुझे उस संगीत को व्यक्त करने और रिलीज करने में मदद मिली, जिसके साथ मैं जुड़ सकती हूं और चाहती हूं कि लोग भी इससे जुड़ सकें।

सोशल मीडिया पर कम फॉलोइंग के बावजूद उसके गीतों को स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर हर महीने 10 लाख से अधिक श्रोता मिलते हैं। वह कहती हैं कि यह उसके गीतों की अपील का प्रमाण है और साबित करता है कि ऑनलाइन नंबरों की परवाह किए बिना, संगीत लोगों को गहराई से छू सकता है। मैं अपना संगीत कई प्लेटफार्मों पर डाल सकती हूं और लोगों को इसे सुनने का मौका मिलता है।

'सुरक्षित फिल्में' नहीं करना चाहती : संजना सांघी

निर्माता तापसी पन्नू ने अपने लिविंग रूम में जब संजना सांघी को फिल्म 'धक 'धक' की कहानी सुनाई तो संजना को लगा कि यह फिल्म उसके जीवन से बहुत मेल खाती है। उसके लिए 'धक धक' एक ऐसी कहानी है जो संदेश देती है कि कुछ भी संभव है। वह कहती है, मैं दिल्ली में एक बरसाती में रहती थी और एक आश्रित जीवन जीती थी लेकिन देखो मैं कितनी दूर आ गई हूं। 'धक धक' एक ऐसे रास्ते पर सफर की कहानी है, जिस पर बहुत कम लोग चलना पसंद करते हैं और मैं भी अपने जीवन में ऐसा ही करने की कोशिश कर रही हूं। संजना को इस बात पर गर्व है कि बॉलीवुड में कदम रखने के 3 साल के भीतर उसे एक पूरी तरह से महिला प्रधान फिल्म मिल गई। वह कहती है, मैं सुरक्षित फिल्में नहीं करना चाहती। मैं बड़ी फिल्मों में कुछ सीन वाली भूमिकाएं निभा सकती हूं, लेकिन मैं जानबूझ कर उनको नहीं चुन रही। मैंने तापसी से सीखा है कि ऐसी फिल्में करना उचित है, जिन्हें बनाने और रिलीज करने के लिए आपको संघर्ष करना पड़े। इन फिल्मों का प्रभाव किसी भी अन्य चीज से ज्यादा होता है।

उसका कहना है कि हम महिलाओं की मित्रता की कई कहानियां हैं लेकिन अफसोस की बात है कि हिन्दी फिल्मों में इन्हें पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं दिया गया। जब बुद्धिमान, मजबूत महिलाएं एक साथ आती हैं, तो हम अजेय महसूस करती हैं। जब तापसी ने मुझे फिल्म 'धक धक' की कहानी सुनाई तो मुझे गर्व हुआ कि बॉलीवुड आखिरकार महिलाओं के स्वामित्व वाली फिल्में बना रहा है।

कलाकार ऐसी फिल्मों को लेकर जितने उत्साहित हैं, सच्चाई यह है कि इन्हें अधिक प्रचारित नहीं किया जाता। 3 फिल्म पुरानी होने के कारण संजना स्वीकार करती है कि उसे इस तरह की फिल्मों की अधिक आवश्यकता है।

'मेरी पसंद' में जोखिम होता है : कियारा आडवाणी

कियारा आडवाणी को बॉलीवुड में डेब्यू किए करीब एक दशक हो गया है। एक ओर उसका यह सफर उतार-चढ़ाव से भरा रहा, तो दूसरी तरफ उसकी फिल्म इंडस्ट्री में प्रगति असाधारण कही जा सकती है क्योंकि पहली ही फिल्म 'फगली' के फ्लॉप होने के बावजूद वह अपनी पीढ़ी की सबसे बहुमुखी अभिनेत्रियों में अपना नाम दर्ज करवाने में सफल रही है। करियर की शुरूआत से लेकर अब तक अपने करियर को वह किस नजरिए से देखती है, पूछने पर उसने बताया, एक चीज जो शुरू हर तरह की फिल्मों में किया काम से अब तक नहीं बदली, वह है निर्णय लेने की मेरी प्रक्रिया।

कियारा के अनुसार उसने हमेशा अपनी पसंद के लिए खुद को जिम्मेदार महसूस किया है। में लेकिन अब जो बात अलग हो चुकी है, वह 2', उसे ऑफर होने वाली फिल्में हैं। वह कहती है, आज, जब मैं लोगों से की मिलती हूं तो यह बात अच्छी लगती है कि वे मेरे साथ काम करना चाहते हैं या उन्होंने मुझे ध्यान में रखते हुए कोई भूमिका लिखी है। अंतर यह है कि चार कि बजाय, मेरे पास चुनने के लिए 10 कहानियां हैं।

दिलचस्प बात यह है कि कियारा किसी भी फिल्म को चुनने के लिए अपने दिल की आवाज का इस्तेमाल कसौटी के रूप में करती है। यदि वह अपने चरित्र पर विचार करने को लेकर उत्सुक नहीं महसूस कर रही या सैट पर जाने के लिए उत्साहित नहीं है, तो वह फिल्म को स्वीकार नहीं करती।

उसने कहा, मैंने हमेशा फिल्में इसी तरह से चुनी हैं क्योंकि कोई भी फिल्म बहुत बड़ी जिम्मेदारी होती है इसमें बहुत सारे लोगों का निवेश, कड़ी मेहनत और ऊर्जा दाँव पर होती है, तो मुझे उससे पूरी तरह जुड़ने के काबिल होना चाहिए। बाद में जो कुछ भी होता है, चाहे वह अच्छा हो या नहीं, एक अनुभव बन जाता है, जो आपको बहुत कुछ सीखने का मौका देता है और यह आपकी यात्रा का हिस्सा है।

उसके लिए खुशी की बात है कि गत कुछ वर्षों में उसकी शायद ही कोई फिल्म अच्छी न चली हो। 2022-23 के बीच उसने 4 फिल्मों अभिनय किया हॉरर कॉमेडी 'भूल भुलैया कॉमेडी 'गोविंदा मेरा नाम', फैमिली ड्रामा 'जुगजग जीयो' और रोमांटिक ड्रामा 'सत्यप्रेम कथा' इन सभी ने बॉक्स ऑफिस पर अच्छी कमाई की है। इनमें से अंतिम दो फिल्मों में कियारा के अभिनय को काफी सराहा गया, जिनमें उसने अभिनय क्षमताओं का खुल कर प्रदर्शन किया। अपनी फिल्मों की सफलता पर उसने कहा, 'कुछ ही दिन पहले मैं यह सोच रही थी कि जब मैंने शुरुआत की तो मेरी पसंद जोखिम भरी थी। मैंने वे निर्णय इसलिए लिए थे क्योंकि मैं कुछ अलग करना चाहती थी। मैं अभिनय के लिए सराहना चाहती थी और इन भूमिकाओं से मुझे बहुत संतुष्टि और तृप्ति मिली।

पीएम मोदी चुनावी फायदे के लिए राम मंदिर का मुद्दा उठा रहे, अधीर रंजन चौधरी का आरोप

बहरामपुर, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी ने बीजेपी पर चुनावी फायदे के लिए पांच राज्यों के चुनाव और लोकसभा चुनाव से ठीक पहले राम मंदिर का मुद्दा उठाने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जातीय जनगणना के लिए विपक्षी दलों के दबाव से डरे हुए हैं, क्योंकि इससे अगले साल के आम चुनाव से पहले धर्म के आधार पर विभाजन की बीजेपी की योजना को झटका लग सकता है। बहरामपुर से लोकसभा सांसद चौधरी ने पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद में पत्रकारों से कहा, "राम मंदिर का राजनीति से कोई संबंध नहीं है। भारतीय हजारों वर्षों से राम की पूजा करते आ रहे हैं। अचानक, मोदी राम भक्त बन गए हैं और देश को धर्म के आधार पर बांटने की कोशिश कर रहे हैं।" चौधरी ने कहा, "विपक्षी दलों की जाति जनगणना की मांग से भाजपा को नुकसान हुआ है, क्योंकि इससे पार्टी की चुनावी योजनाओं में कुछ बाधाएं आ सकती हैं। इसीलिए डरे हुए मोदी यह कहकर देश में भय का माहौल पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं कि जातीय जनगणना भारत के लिए खतरनाक होगी।" अधीर रंजन चौधरी ने नयी दिल्ली में दशहरा कार्यक्रम में पीएम मोदी की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया दे रहे थे कि राम मंदिर का उद्घाटन जनवरी में किया जाएगा।

'संविधान में संशोधन करने का नहीं कोई प्रस्ताव'

इंडिया की जगह भारत वाले मामले पर बोले राज्यपाल

बेंगलूरू, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। एनसीईआरटी की किताबों में अब इंडिया की जगह भारत का जिक्र होने का दावा किया जा रहा है। कहा जा रहा है कि एनसीईआरटी की एक कमेटी ने न सिर्फ इंडिया की जगह भारत लिखने की सिफारिश की है, बल्कि भारतीय ज्ञान प्रणाली को शामिल करने की अनुशंसा की है। अब एनसीईआरटी की किताबों में इंडिया की जगह भारत होगा या नहीं इसे लेकर सियासी हलचल बढ़ गई है। वहीं, मामला यह भी गर्मा रहा है कि किताबों में अगर नाम बदलेगा तो क्या संविधान में भी संशोधन किया जाएगा। अब इस मुद्दे पर केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान का कहना है कि संविधान में दोनों शब्दों का इस्तेमाल किया गया है। आरिफ मोहम्मद खान ने कहा, 'वास्तव में हमारा संविधान कहता है कि इंडिया, जो कि भारत है, राज्यों का एक संघ होगा।' उन्होंने आगे कहा कि किसी ने भी संविधान में कोई संशोधन करने का प्रस्ताव नहीं दिया है। गौरतलब है, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद, यानी एनसीईआरटी की किताबों में जल्द ही एक बदलाव देखने को मिल सकता है। दरअसल, एनसीईआरटी द्वारा गठित एक समिति ने किताबों में 'इंडिया ' को बदलकर 'भारत' करने की सिफारिश की थी। पैनल द्वारा पुस्तकों के अगले सेट में इंडिया के बजाय 'भारत' प्रिंट करने के प्रस्ताव को सदस्यों ने सर्वसम्मति से स्वीकार कर लेने पर किताबों में बदलाव देखने को मिल सकता है।

महीनों पहले रखा गया था प्रस्ताव

पैनल के सदस्यों में से एक सीआई इस्साक के मुताबिक, यह प्रस्ताव कुछ महीने पहले रखा गया था। प्रस्ताव के तहत पाठ्यपुस्तकों में इंडिया के स्थान पर भारत नाम रखने, पाठ्यक्रम में प्राचीन इतिहास के बजाय शास्त्रीय इतिहास और हिंदू योद्धाओं की जीत की कहानियों को शामिल करने की सिफारिश की है। भारतीय ज्ञान प्रणाली (आईकेएस) को भी शामिल करने का सुझाव दिया गया है। अगर प्रस्ताव स्वीकार होता है तो एनसीईआरटी की नई किताबों में 'इंडिया' की जगह 'भारत' मुद्रित किया जाएगा। हालांकि, एनसीईआरटी के अधिकारियों ने कहा कि पैनल की सिफारिशों पर अभी तक कोई निर्णय नहीं लिया गया है।

लागू हो भारतीय ज्ञान प्रणाली

समिति के अन्य सदस्यों में आईसीएचआर के अध्यक्ष रघुवेंद्र तंवर, जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) की प्रोफेसर वंदना मिश्रा, डेक्कन कॉलेज डीम्ड विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति वसंत शिंदे और हरियाणा के एक सरकारी स्कूल में समाजशास्त्र पढ़ाने वाली ममता यादव शामिल हैं। समिति के अध्यक्ष सी आई इस्साक ने यह भी बताया कि एनसीईआरटी पैनल ने सभी विषयों के पाठ्यक्रम में भारतीय ज्ञान प्रणाली को शामिल करने की सिफारिश की है।

इंडिया बनाम भारत

अब एनसीईआरटी की किताबों का एक नया दस्ता जारी किया जाएगा। नई किताबों में बच्चे अब इंडिया नहीं, बल्कि भारत पढ़ेंगें। बता दें कि 'भारत' बनाम 'इंडिया' पर चर्चा की शुरुआत तब हुई जब केंद्र ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा आयोजित जी20 रात्रिभोज के निमंत्रण को भारत के राष्ट्रपति के बजाय भारत के राष्ट्रपति के नाम से भेज दिया, जिससे राजनीतिक विवाद शुरू हो गया। सितंबर में, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दिल्ली के प्रगति मैदान में भारत मंडपम में जी20 लीडर्स शिखर सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे, तब उनकी नेमप्लेट पर भी 'भारत' प्रदर्शित किया गया था। संविधान के अनुच्छेद 1 (1) में हमारे देश का नाम इंडिया, अर्थात भारत राज्यों का संघ होगा परिभाषित किया गया है।

शिकायत दर्ज कराने पर कुत्ते के मालिक ने महिला को निशाना बनाया, गिरफ्तार

बेंगलुरु, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। कर्नाटक पुलिस ने गुरुवार को एक कुत्ते के मालिक को गिरफ्तार कर लिया जिसने कुत्ते के काटने की पुलिस में शिकायत दर्ज कराने वाली महिला को निशाना बनाया था। उसके खिलाफ शिकायत दर्ज कराने से क्रोधित आरोपी नंजुंदा बाबू ने शिकायतकर्ता पुष्पा के परिवार की बाइक और स्कूटर जला दी। बेंगलुरु के बाहरी इलाके कोथनूर थाना क्षेत्र में 13 जून को बाबू के पालतू कुत्ते ने वेणुगोपाल स्वामी मंदिर के पास पुष्पा पर उस समय हमला कर दिया जब वह काम पर जा रही थी। स्थानीय लोग उसकी मदद के लिए दौड़े और उसे नजदीकी अस्पताल ले गए। आरोपी ने घटना के संबंध में शिकायत दर्ज कराने पर परिणाम भुगतने की धमकी दी थी।

क्या उमा भारती की नाराजगी बीजेपी पर पड़ेगी भारी

वायरल लिस्ट में से एक को भी टिकट नहीं! 29 समर्थकों के लिए मांगी थी सीट

भोपाल, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश विधानसभा चुनाव में बीजेपी के टिकट वितरण से पहले सितंबर महीने में सोशल मीडिया पर एक सूची वायरल हुई थी, जिसमें 29 नाम थे। यह लिस्ट पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती के लेटरपैड पर थी। खास बात यह है कि इस कैंडिडेट लिस्ट में से उमा भारती के किसी एक समर्थक को भी टिकट नहीं मिला है। बता दें, सितंबर महीने में सोशल मीडिया पर पूर्व सीएम उमा भारती के नाम से एक पत्र वायरल हुआ था। इस पत्र में उमा भारती के 29 समर्थकों के नाम थे। इस सूची में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के गृह जिले सीहोर से भी दो समर्थकों के नाम थे, जिनमें सीहोर विधानसभा से गौरव सन्नी महाजन, जबकि इछावर विधानसभा से डॉ। अजय सिंह पटेल के लिए टिकट की मांग की गई थी। लेकिन दोनों समर्थकों को टिकट नहीं मिल सका है। सीहोर से सुदेश राय को बीजेपी ने प्रत्याशी बनाया है और इछावर से फिर से करण सिंह वर्मा पर ही बीजेपी ने विश्वास जताया था।

ये मांगे थे टिकट, इन्हें बनाया उम्मीदवार

उमा भारती ने जिन समर्थकों के टिकट मांगे थे, उन सभी सीटों पर बीजेपी ने किसी और को ही टिकट दिया है। वायरल सूची के अनुसार उमा भारती ने सीहोर विधानसभा से गौरव सन्नी महाजन के लिए टिकट मांगा था, जबकि यहां सुदेश राय को प्रत्याशी बनाया गया है। इसी तरह इछावर विधानसभा से उमा भारती ने अजय सिंह पटेल के लिए टिकट मांगा था, जबकि यहां से करण सिंह वर्मा प्रत्याशी बनाए गए हैं। छतरपुर के बिजावर या राजनगर से बाला पटेल के लिए टिकट मांगा था। इसी तरह निवाड़ी से अखिलेश अयाची के लिए टिकट मांगा था लेकिन यहां से अनिल जैन प्रत्याशी बनाए गए हैं। पोहरी से नरेन्द्र बिरथरे-प्रत्याशी न बनकर सुरेश राठखेड़ा धाकड़ बने हैं। भोपाल की दक्षिण-पश्चिम सीट से उमा भारती ने शैलेन्द्र शर्मा के लिए टिकट मांगा था, जबकि यहां से भगवानदास सबनानी प्रत्याशी बने हैं। इसी तरह सिलवानी से ठा। भगवान सिंह लोधी के लिए टिकट मांगा था यहां से रामपाल सिंह को प्रत्याशी बने हैं। खरगोन की कसरावर सीट से वीरेन्द्र पाटीदार के लिए टिकट मांगा था यहां से आत्माराम पटेल को मैदान में उतारा है। बहौरी बंद से राकेश पटेल के लिए टिकट मांगा था, जबकि यहां से प्रणय पांडे को प्रत्याशी बनाया है।

डेटिंग एप पर मुलाकात मिलने के बहाने बुलाकर बनाए संबंध,डीयू की छात्रा ने युवक पर लगाए आरोप

नई दिल्ली, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) की छात्रा ने एक युवक पर रेप का आरोप लगाया है। छात्रा के मुताबिक, आरोपी से उसकी पहचान एक मोबाइल ऐप के जरिए हुई थी, जिसके बाद युवक उससे मिलने पहुंचा और अपने आवास पर ले जाकर जबरन संबंध बनाए। जानकारी के अनुसार, यह मामला राजधानी दिल्ली के गुलाबी बाग थाना इलाके का है। पीड़ित छात्रा ने पुलिस से इस मामले की शिकायत की है। शिकायत में उसने कहा है कि 17 जनवरी 2023 को डेटिंग ऐप के जरिए एक युवक से पहचान हुई थी। इसके बाद उससे बातचीत होने लगी। इसके बाद 18 जनवरी 2023 को उसने देर रात में मिलने के लिए दबाव डाला। पहले तो पीड़िता ने मिलने से मना कर दिया। वहीं इसके बाद एक चाय की दुकान पर वह मिलने के लिए तैयार हो गई।

सुप्रीम कोर्ट में अंकुर गुप्ता की बड़ी जीत, 28 साल बाद हक में आया फैसला, अब मिलेगी नौकरी

नई दिल्ली, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। 28 साल के लंबे इंतजार के बाद आखिरकार अंकुर गुप्ता नाम के शख्स को न्याय मिल ही गया। अंकुर ने बिना हार माने अपने हक के लिए कानून की लंबी लड़ाई लड़ी और फैसला उसके हक में आया। सुप्रीम कोर्ट ने डाक विभाग में अंकुर गुप्ता की नियुक्ति का आदेश दे दिया है, इसके साथ कोर्ट ने ये भी कहा कि इस पद के लिए उन्हें अयोग्य ठहराने में गलती हुई है। अब इस पूरी कहानी के बारे में आपको बताते हैं। दरअसल अंकुर गुप्ता नाम के शख्स ने साल 1995 में डाक विभाग में डाक सहायक पद के लिए नौकरी का आवेदन किया था। अंकुर ने इसकी परीक्षा दी और वो पास भी हो गए, उन्होंने अपनी ट्रेनिंग भी पूरी की लेकिन बाद में अंकुर को ये कहकर अयोग्य ठहरा दिया कि उन्होंने बारहवीं की शिक्षा व्यावसायिक स्ट्रीम से की है इसीलिए उन्हें ये नौकरी नहीं मिल सकती। अंकुर ने विभाग के फैसले के खिलाफ लड़ने का फैसला किया और कोर्ट का रुख किया। अंकुर दूसरे असफल उम्मीदवारों के साथ केंद्रीय प्रशासनिक न्यायाधिकरण (कैट) में गए, जहां फैसला उनके पक्ष में आया। हालांकि डाक विभाग ने कैट के फैसले को चुनौती देते हुए साल 2000 में इलाहाबाद हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। इलाहाबाद हाई कोर्ट 2017 में डाक विभाग की याचिका को खारिज कर कैट का फैसला बरकरार रखा। एक बार फिर से डाक विभाग ने इलाहाबाद हाई कोर्ट में पुनर्विचार याचिका दाखिल की लेकिन कोर्ट ने साल 2021 में फिर से खारिज कर दिया। इसके बाद डाक विभाग इस मामले को लेकर सुप्रीम कोर्ट पहुंचा। सुप्रीम कोर्ट में न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी और न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता की पीठ ने मामले की सुनवाई की। इस दौरान पीठ ने कहा कि शुरुआत में अभ्यर्थी की उम्मीदवारी को खारिज नहीं किया उसे परीक्षा देने शामिल होने दिया, अभ्यर्थी मैरिट लिस्ट में भी आया। ऐसे में उस उम्मीदवार के साथ निष्पक्ष और भेदभाव रहित व्यवहार किया जाएगा। इसके साथ ही पीठ ने कहा कि किसी भी उम्मीदवार को नियुक्ति पर दावा करने का अधिकार नहीं है, लेकिन उसके पास निष्पक्ष और भेदभाव-रहित व्यवहार का सीमित अधिकार है। कोर्ट ने माना कि अभ्यर्थी अंकुर के साथ भेदभाव किया गया है। विभाग ने मनमाने तरीके से उन्हें परीणाम के लाभ से वंचित रखा है। कोर्ट ने अपना फैसला सुनाते हुए डाक विभाग को आदेश दिया कि अंकुर को एक महीने के अंदर डाक सहायक के पद पर नियुक्त किया जाए।

पुलिस बल के हेलमेट, वॉटर डिस्पेंसर के लिए अनिवार्य गुणवत्ता मानदंड जारी

नई दिल्ली, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। सरकार ने घटिया वस्तुओं के आयात पर अंकुश लगाने और इनके घरेलू विनिर्माण को प्रोत्साहन देने के लिए पुलिस बल के लिए हेलमेट, बोतलबंद पानी के डिस्पेंसर और दरवाजे की फिटिंग (डोर फिटिंग्स) के लिए अनिवार्य गुणवत्ता मानदंड जारी किए हैं। उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्द्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने इस बारे में 23 अक्टूबर को तीन अलग अधिसूचनाएं जारी की हैं। ये हैं पुलिस बल, नागरिक सुरक्षा और व्यक्तिगत सुरक्षा के लिए हेलमेट (गुणवत्ता नियंत्रण) आदेश, 2023, बोतलबंद पानी डिस्पेंसर (गुणवत्ता नियंत्रण) आदेश, 2023, और डोर फिटिंग (गुणवत्ता नियंत्रण) आदेश, 2023 । इन अधिसूचनाओं के अनुसार, भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) के निशान के बिना इन वस्तुओं का उत्पादन, बिक्री, व्यापार, आयात और भंडारण नहीं किया जा सकता है।

भड़क सकते हैं सांप्रदायिक दंगे दिल्ली एचसी ने मुस्लिम महापंचायत को अनुमति देने से किया इनकार

नई दिल्ली, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। दिल्ली हाई कोर्ट ने सांप्रदायिक तनाव भड़कने की आशंका को देखते हुए रामलीला मैदान में अखिल भारतीय मुस्लिम महापंचायत आयोजित करने की इजाज़त नहीं दी। कोर्ट ने दिल्ली पुलिस को राजधानी दिल्ली के रामलीला मैदान में 'अखिल भारतीय मुस्लिम महापंचायत' आयोजित करने के लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) देने का निर्देश देने से इनकार कर दिया। जस्टिस सुब्रमण्यम प्रसाद ने कार्यक्रम के पोस्टर की जांच की और कहा कि इसमें सांप्रदायिक रंग हो सकते हैं। इसलिए, इस कार्यक्रम को ऐसे समय आयोजित करने की अनुमति नहीं दी जा सकती जब कई हिंदू धार्मिक त्योहार आयोजित किए जा रहे हों। कोर्ट ने यह भी कहा गया ये सभा पुरानी दिल्ली क्षेत्र में बुलाई गई है, जहां सांप्रदायिक तनाव होने की आशंका है। जस्टिस सुब्रमण्यम प्रसाद ने कहा कि नवरात्रि और दिवाली के बीच, करवाचौथ, धनतेरस जैसे कई त्योहार आते हैं। श्राद्ध के आखिर से दिवाली के बीच का समय हिंदू समुदाय के लिए बेहद शुभ होता है। भले ही इस कार्यक्रम को लोगों को उनके अधिकारों के बारे में शिक्षित करने के मकसद से तैयार किया गया है, लेकिन पोस्टरों के भाव से संकेत मिलता है कि उनके सांप्रदायिक रंग हो सकते हैं, जिसके परिणामस्वरूप पुरानी दिल्ली क्षेत्र में सांप्रदायिक तनाव बढ़ सकता है, जो कि एक संवेदनशील क्षेत्र है क्योंकि अलग-अलग लोग आते हैं। समुदाय वहां रहते हैं और इलाके में पहले भी सांप्रदायिक हिंसा की घटना हो चुकी है। मामले पर विचार करने के बाद, कोर्ट ने साफ किया कि याचिकाकर्ता संगठन त्योहार खत्म होने के बाद नई अनुमति के लिए संबंधित अधिकारियों से संपर्क कर सकता है।

सुप्रीम कोर्ट के इतिहास में 13 मौके ऐसे, जब बहुमत के सामने खारिज हो गया सीजेआई का फैसला, चंद्रचूड़ भी फेहरिस्त में शामिल

नई दिल्ली, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट की वर्किंग में चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया (सीजेआई) का ओहदा सबसे ऊपर माना जाता है। सीजेआई मास्टर ऑफ रोस्टर होता है। लिहाजा टॉप कोर्ट को चलाने की जिम्मेदारी उस पर ही होती है। माना जाता है कि सीजेआई बाकी सभी जस्टिसेज से हर मामले में आगे होता है। लेकिन एक सच ये भी है कि 13 मौके सुप्रीम कोर्ट के इतिहास में ऐसा भी रहे जहां सीजेआई का फैसला बहुमत के सामने खारिज हो गया। सेम सेक्स मैरिज की सुनवाई के बाद सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ ने जो फैसला दिया उससे साथी जजों की राय अलग थी। सीजेआई का कहना था कि ऐसे लोग अपने रिश्ते को पहचान देने की मांग कर सकते हैं। उनका कहना था कि संविधान में इस बात की आजादी दी गई है। जबकि संवैधानिक बेंच में शामिल जस्टिसेज एस रविंदर भट्ट, हिमा कोहली और पीएस नरसिम्हा ने चंद्रचूड़ के नजरिये से अलग अपनी राय रखी थी।

सीजेआई ने कुछ इस तरह किया था अपने फैसले का बचाव

सीजेआई का कहना था कि कोर्ट स्पेशल मैरिज एक्ट के प्रावधानों को खारिज नहीं कर सकता। ये संसद का अधिकार क्षेत्र है। उनकी राय थी कि हेट्रोसेक्सुअल रिलेशनशिप में ट्रांसजेंडर पर्सन पर्सनल लॉ या फिर दूसरे ऐसे कानूनों के तहत विवाह कर सकते हैं। ऐसे लोग बच्चा गोद भी ले सकते हैं। हालांकि अपने फैसले के बचाव में वो ये भी बोले कि वैधानिक शासन के अभाव और भारत जैसी व्यवस्था में जहां विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका के बीच शक्तियों का बंटवारा होता है, अदालत के लिए हस्तक्षेप करना मुश्किल हो जाता है। भारत आजाद तो 1947 में हो गया था अलबत्ता सुप्रीम कोर्ट का गठन यहां 1950 में हो सका। 28 जनवरी 1950 को भारत के लोकतांत्रिक गणराज्य बनने के दो दिन बाद सुप्रीम कोर्ट अस्तित्व में आया। चीफ जस्टिस ऑफ इंडिया सुप्रीम कोर्ट का मुखिया होता है। टॉप कोर्ट में अधिकतम 34 जस्टिस होते हैं। इसके पास मूल, अपीलीय और सलाहकार क्षेत्राधिकार के रूप में व्यापक शक्तियां होती हैं। संविधान के अनुच्छेद 142 के अनुसार, भारत के राष्ट्रपति का यह कर्तव्य है कि वो सर्वोच्च न्यायालय के आदेशों को लागू करें। सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीशों की सेवानिवृत्ति की आयु 65 वर्ष होती है। जस्टिसेज को केवल संसद के दोनों सदनों में दो-तिहाई बहुमत से पारित महाभियोग प्रस्ताव के बाद राष्ट्रपति ही हटा सकते हैं।

राशन घोटाला केस में ईडी की प.बंगाल के मंत्री ज्योतिप्रिय मलिक के आवास पर छापेमारी

कोलकाता, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के अधिकारियों ने करोड़ों रुपये के कथित राशन वितरण घोटाले की चल रही जांच के सिलसिले में गुरुवार सुबह पश्चिम बंगाल के मंत्री ज्योतिप्रियो मलिक के आवास पर तलाशी शुरू की। एक अधिकारी ने ये सूचना दी। उन्होंने बताया कि ईडी के अधिकारियों ने केंद्रीय बलों की एक टीम की मदद से कोलकाता साल्ट लेक इलाके में मलिक के दो फ्लैटों पर छापा मारा। मलिक वर्तमान में राज्य के वन मंत्री हैं। उन्होंने कहा कि मलिक के खाद्य मंत्री रहने के दौरान उनके पूर्व निजी सहायक के आवास सहित आठ अन्य फ्लैटों पर भी तलाशी अभियान जारी है। ईडी के अधिकारी ने पीटीआई वीडियो को बताया कि छापे के दौरान मंत्री वहां नहीं थे। वे बाद में आए और उनका फोन ले लिया गया है। अंदर आठ अधिकारी हैं। हम दमदम में उनके पूर्व निजी सहायक के आवास और कुछ और जगहों पर भी तलाशी ले रहे हैं। अधिकारी ने कहा, केंद्रीय जांच एजेंसी पहले ही एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर चुकी है, जिसके कथित तौर पर सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के साथ-साथ मलिक से भी करीबी संबंध हैं। सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस ने राज्य में पूजा उत्सव के बीच छापे को 'राजनीतिक प्रतिशोध' बताया। उन्होंने कहा कि मलिक के पूर्व निजी सहायक के आवासों सहित आठ अन्य फ्लैटों में भी रेड चल रही है।

अमूल घी और दूध के सैंपल फेल होने पर कोर्ट ने लगाया 3.5 लाख का जुर्माना, कॉलेज प्रशासन को नोटिस जारी

हरिद्वार, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रतिष्ठित कंपनी अमूल के दूध और घी के सैंपल फेल होने पर कोर्ट की ओर से 3.5 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है। वहीं, बिना लाइसेंस के चल रही रुड़की कॉलेज ऑफ इंजिनियरिंग की कैंटीन में गंदगी पाए जाने पर कॉलेज प्रशासन को नोटिस जारी किया गया। कैंटीन से खुला पनीर समेत चार सैंपल जांच के लिए भेजे गए। खुला पनीर और मसालों को खराब मिलने पर नष्ट कराया गया। जिला खाद्य सुरक्षा अधिकारी एमएन जोशी ने बताया कि 22 अक्तूबर 2019 को रुड़की क्षेत्र के झबरेड़ा से अमूल घी का सैंपल लिया गया था। इसके अलावा, 16 मार्च 2021 को हरिद्वार के खन्ना नगर स्थित तनेजा मार्केटिंग से भी अमूल घी का नमूना जांच के लिए लिया गया था। साथ ही यहीं उसे उसी दिन अमूल दूध का सैंपल भरा गया था। तीनों सैंपल को जांच के लिए रुद्रपुर स्थित लैब में भेजा गया था। जहां सैंपल फेल पाए जाने पर एडीएम कोर्ट में वाद दायर किया गया था। कोर्ट की ओर से झबरेड़ा से लिए गए घी का सैंपल फेल मिलने पर शिव ट्रेडिंग कंपनी मैन बाजार झबरेड़ा पर 50 हजार, नॉमिनी बनासकोटा डिस्ट्रिक्ट को-ऑपरेटिव मिल्ट प्रोडक्ट्स पर 50 हजार और सप्लायर कंपनी गुजरात को-ऑपरेटिव मिल्क मार्केटिंग फेडरेशन लिमिटेड पर भी 50 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया है। हरिद्वार से घी का सैंपल फेल होने पर गुजरात को-ऑपरेटिव मिल्क फेडरेशन लिमिटेड देहरादून, नॉमिनी बनासकोठा डिस्ट्रिक्ट को-ऑपरेटिव मिल्क प्रोडक्ट्स यूनियन लिमिटेड और गुजरात को-ऑपरेटिव मिल्क मार्केटिंग आनंदपुर पर 50-50 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया है।

इसके साथ ही हरिद्वार से फेल मिले दूध के सैंपल पर भी गुजरात को-ऑपरेटिव मिल्क मार्केटिंग देहरादून पर 50 हजार का जुर्माना लगाया गया है। वरिष्ठ खाद्य सुरक्षा अधिकारी दिलीप जैन की ओर से छात्रों की शिकायत पर रुड़की कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग में स्थित मेस और कैंटीन का निरीक्षण किया गया। इसमें बिना लाइसेंस के कैंटीन चलती हुई मिली। गंदगी मिलने पर नोटिस जारी कर लाइसेंस लेने और सुधार लाने के निर्देश दिए गए।

जहरीले सांप की जान बचाने के लिए पुलिसवाले ने मुंह से दिया सीपीआर

नर्मदापुरम, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश के नर्मदापुरम से एक वीडियो वायरल हो रहा है। जहां एक पुलिस कॉन्स्टेबल मुंह से ऑक्सीजन देकर सांप को सीपीआर देने की कोशिश करता दिख रहा है। दरअसल सेमरी हरचंद की तवा कॉलोनी में पुलिसकर्मी अतुल शर्मा को सांप के मौजूदगी की सूचना मिली थी। 2008 से लेकर अभी तक लगभग 500 सांपों का रेस्क्यू अतुल कर चुके हैं। अतुल ने सांप को रेस्क्यू करना खुद से डिस्कवरी चैनल देखकर सीखा है। अतुल शर्मा को जानकारी लगी की सांप पानी के पाइप लाइन में था जिसे निकालने के लिए लोगों ने पाइपलाइन में कीटनाशक को पानी में मिलाकर पाइपलाइन में डाल दिया जिसके

बाद सांप बेहोश हो गया। सोशल मीडिया पर जो वीडियो सामने आया है, उसमें साफ दिख रहा है कि एक सांप अचेत अवस्था में है, जिसे पुलिस कॉन्स्टेबल उठाता है, और फिर उसके फन से मुंह लगाकर उसे सीपीआर देने लगता है। सोशल मीडिया पर भी ये वीडियो काफी वायरल हो रहा है, कई लोगों ने इस वीडियो को शेयर किया है। एक तरफ जहां कुछ लोग इस वीडियो को देख हैरत में है। वहीं कुछ लोग पुलिसवाले की हिम्मत की तारीफ कर रहे हैं।

महाराष्ट्र सरकार ने की 'अग्निवीर' अक्षय गावटे के परिवार को 10 लाख रुपये की आर्थिक मदद की घोषणा

मुंबई, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने 'अग्निवीर' अक्षय गावटे के निधन पर दुख व्यक्त करते हुए उनके परिवार को 10 लाख रुपये की आर्थिक मदद देने की घोषणा की है। 'अग्निवीर' अक्षय गावटे बुलढाणा जिले के पिंपलगांव सराय गांव के निवासी थे। अक्षय गावटे 30 दिसंबर, 2022 को भारतीय सेना में अग्निवीर के रूप में शामिल हुए थे। वह सियाचिन में ड्यूटी पर थे। जिला सैनिक कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार अक्षय की तबीयत खराब होने पर उन्हें सैनिक अस्पताल में भर्ती कराया गया था। हालांकि, अस्पताल में दिल का दौरा पड़ने से उनका निधन हो गया। अक्षय अपने माता-पिता की इकलौती संतान थे।

देश में कोविड के 24 नए मामले सामने आए

नई दिल्ली, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत में कोरोना वायरस संक्रमण के 24 नए मामले सामने आए, जबकि कोविड-19 के उपचाराधीन मरीजों की संख्या घटकर 249 हो गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा बृहस्पतिवार को अद्यतन किए गए आंकड़ों से यह जानकारी मिली। मंत्रालय द्वारा सुबह आठ बजे अद्यतन किए गए आंकड़ों के मुताबिक, देश में कोविड-19 से जान गंवाने वालों की संख्या 5,33,293 है। आंकड़ों के मुताबिक, अबतक देश में कोविड के 4,50,01,150 मामले सामने आ चुके हैं। मंत्रालय की वेबसाइट के मुताबिक, देश में संक्रमण से उबरने वाले मरीजों की संख्या बढ़कर 4,44,67,608 हो गई है। राष्ट्रीय स्तर पर संक्रमण से ठीक होने की दर 98.81 प्रतिशत है। देश में कोरोना वायरस के संक्रमण से मृत्युदर 1.19 प्रतिशत है। मंत्रालय की वेबसाइट पर दी गई जानकारी के मुताबिक, देश में कोविड-19 से बचाव के लिए टीके की 220.67 करोड़ खुराक अबतक दी जा चुकी है।

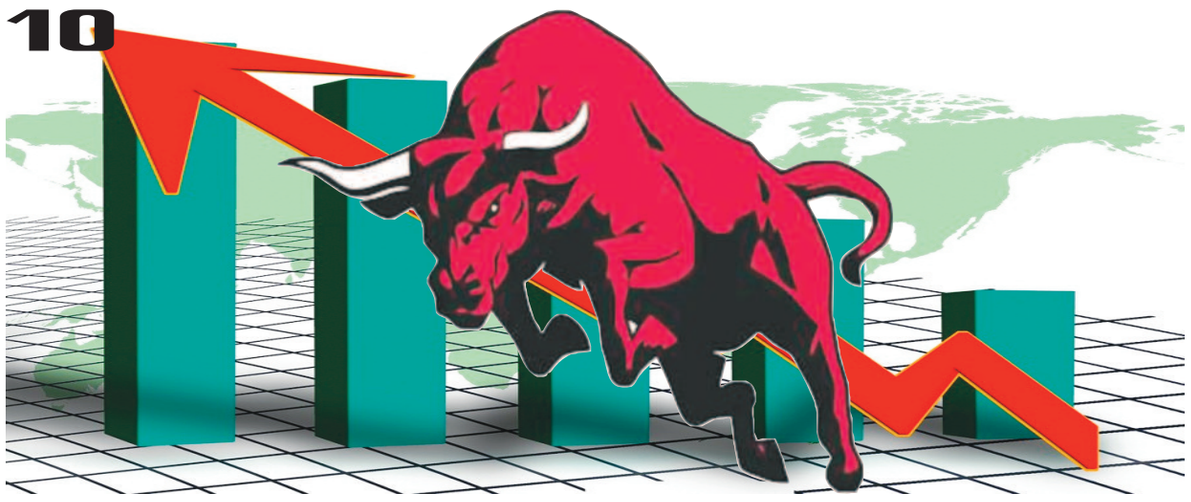

एक हफ्ते में 50% तक महंगा हुआ प्याज

नहीं रंग ला पाई सरकार की टॉप स्कीम !

नई दिल्ली , 26 अक्टूबर (एजेंसिया) टमाटर के बाद अब प्याज के दाम लोगों के आंखों से आंसू निकालने की तैयारी में है। राजधानी दिल्ली के रिटेल मार्केट में प्याज 50 से 60 रुपये प्रति किलो में मिल रहा है। जबकि एक हफ्ते पहले 30 से 40 रुपये प्रति में प्याज मिल रहा था। एक हफ्ते में 50 फीसदी तक प्याज महंगा हो चुका है। और दिसंबर में नए फसल के आने से पहले महंगे प्याज से राहत मिलने की संभावना नहीं नजर आ रही है। प्याज की कीमतों में बढ़ोतरी का सिलसिला अगले कुछ दिनों तक जारी रह सकती है।

सरकार के दखल के बावजूद बढ़ रही कीमत

सरकार ने अपने बफर स्टॉक से एनसीसीएफ और नेफेड के जरिए प्याज बेचने का ऐलान किया था। सरकार प्राइस स्टैबलाइजेशन फंड के जरिए प्याज का बफर स्टॉक भी खड़ा किया है जिससे प्याज की कीमतों में तेज उछाल से आम उपभोक्ताओं को राहत दी जा सके। प्याज के एक्सपोर्ट पर नकले कसने के लिए 40 फीसदी का एक्सपोर्ट ड्यूटी भी लगा दिया गया। पर इसके बावजूद रिटेल मार्केट में प्याज की कीमतों में बढ़ोतरी का सिलसिला जारी है।

महंगे प्याज पर शुरू हुई राजनीति

प्याज की कीमतों में बढ़ोतरी तब देखने को मिल रही है जब नवंबर, 2023 में उत्तर भारत के प्रमुख राज्यों में विधानसभा चुनाव है। ये वो राज्य हैं जहां प्याज की खपत ज्यादा होती है। प्याज की कीमतों में तेज उछाल से सत्ताधारी दल को चुनावी नुकसान भी हो सकता है। विपक्षी दल कांग्रेस ने अभी से प्याज की कीमतों में उछाल के बाद अपने सोशल मीडिया हैंडल के जरिए सरकार पर निशाना साधना शुरू कर दिया है।

नहीं सफल हो पाई सरकार की टॉप स्कीम

हर वर्ष आलू, प्याज, टमाटर की कीमतों में भारी उतार चढ़ाव देखने को मिलता है। इससे निपटने के लिए वित्त वर्ष 2018-19 के बजट में सरकार ने टमाटर, प्याज और आलू यानि टॉप के वैल्यू चेन को डेवलप करने के लिए ऑपरेशन फ्लड के तर्ज पर ऑपरेशन ग्रीन का ऐलान किया था जिसके लिए 500 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया था। बाद में कोविड के पहले लहर के दौरान आत्मनिर्भर भारत पैकेज की घोषणा के दौरान इस योजना में सभी फलों और सब्जियों को शामिल कर दिया गया। फूड प्रोसेसिंग मिनिस्ट्री इस योजना को चलाने वाली नोडल एजेंसी है। हालांकि मंत्रालय के स्कीम को सही तरह से ऑपरेट करने पर सवालिया निशान उठते रहे हैं। इस बात के आसार हैं कि कृषि मंत्रालय को टॉप स्कीम को सही क्रियान्वन के लिए सौंपा जा सकता है। टॉप स्कीम के लंबी अवधि और छोटी अवधि के दो उद्देश्य हैं। लॉन्ग टर्म इंटरवेंशन के तहत प्रोडक्शन कल्स्टर और एफपीओ की मजबूती के साथ ही किसानों को मार्केट के साथ जोड़ना बड़ा मकसद है। साथ ही फॉर्म गेट इंफ्रास्ट्रक्चर को तैयार कर फसल के पैदा होने के बाद किसानों को होने वाले नुकसान से बचाना लक्ष्य है।

इस्राइल-हमास युद्ध वैश्विक अर्थव्यवस्था पर एक और काला बादल

रियाद निवेश सम्मेलन में बोलीं आईएमएफ चीफ

रियाद (सऊदी अरब), 26 अक्टूबर (एजेंसिया) अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की प्रबंध निदेशक क्रिस्टालिना जॉर्जीवा का कहना है कि इस्राइल और हमास के बीच जारी संघर्ष वैश्विक अर्थव्यवस्था पर एक और काले बादल की तरह है। इस जंग ने वैश्विक अर्थव्यवस्था के क्षितिज को अंधकारमय कर दिया है और इससे विश्व आर्थिक दृष्टिकोण खराब हो सकता है। हालांकि, हम बारीकी से स्थिति पर नजर रख रहे हैं। रियाद में आयोजित एफआईआई निवेश सम्मेलन में बुधवार को जॉर्जीवा ने कहा कि हम जो देख रहे हैं, वह पहले से ही चिंतित दुनिया में और अधिक घबराहट पैदा करता है। उन्होंने कहा कि आईएमएफ की पहली चिंता युद्ध के कारण खत्म हुए जीवन को लेकर है। इस संघर्ष के व्यापक और अनिश्चित प्रभाव पहले से ही स्पष्ट थे।

लंबी अवधि तक ऊंची बनी रहेंगी ब्याज दरें

ब्याज दरों में तेज वृद्धि पर आईएमएफ प्रमुख ने कहा, दुनिया करीब 20 वर्षों से 'काल्पनिक लेन' में रह रही है। उन्होंने अमेरिकी फेडरल रिजर्व की मुख्य नीतिगत दर का जिक्र करते हुए कहा, हम इतनी जल्दी शून्य से 5 पर जाने से रोमांचित नहीं हैं, लेकिन हम वहां हैं। इसलिए, हमारी सभी से अपील है कि कमर कस लें। ब्याज दरें लंबी अवधि तक ऊंची रहने वाली हैं।

प्रतिदिन 24 करोड़ डॉलर युद्ध में झौंक रहा इस्राइल

इधर, इस्राइल के वित्त मंत्री बेजेलेल स्मोट्रिच ने बताया कि 2023-2024 का राष्ट्रीय बजट अब प्रासंगिक नहीं रहा है। उन्होंने कहा, इस्राइल को गाजा युद्ध पर हर रोज करीब 24 करोड़ डॉलर खर्च करने पड़ रहे हैं।

उन्होंने कहा कि एसएंडपी ग्लोबल की तरफ से इस्राइली अर्थव्यवस्था का दृष्टिकोण स्थिर से नकारात्मक करना बड़ी बात नहीं होगी। हालांकि विश्व व्यापार में बड़े घाटे की आशंका नहीं है।

'ऑनलाइन फ्रॉड मामले में बैंक को ग्राहक का पैसा लौटाना होगा'

उपभोक्ता अदालत ने एसबीआई को दिए निर्देश

नई दिल्ली , 26 अक्टूबर (एजेंसिया) गुजरात की एक उपभोक्ता अदालत ने साइबर फ्रॉड के मामले में बड़ा फैसला सुनाया है।

सूरत में नवसारी उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग (सीडीआरसी) ने भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) को यूपीआई साइबर धोखाधड़ी के शिकार व्यक्ति को 39,578 रुपये का मुआवजा देने का आदेश दिया है। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, आयोग ने त्वरित कार्रवाई नहीं करने के लिए बैंक की आलोचना की और कहा कि ऐसे मामलों में ग्राहकों को तुरंत सतर्क करना बैंक की जिम्मेदारी है। पीड़ित विधि सुहागिया ने साइबर धोखाधड़ी के कारण 22 दिसंबर, 2021 को एसबीआई की फुवारा शाखा में अपने खाते से 59,078 रुपये खो दिए। उसने तुरंत बैंक को घटना की सूचना दी और साइबर अपराध हेल्पलाइन में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस फेडरल बैंक के खाते में जमा 19,500 रुपये फ्रीज करने में कामयाब रही, जिसे बाद में अदालत के आदेश के बाद सुहागिया के खाते में वापस स्थानांतरित कर दिया गया। हालांकि, बैंक शेष 39,578 रुपये की वसूली के लिए त्वरित कार्रवाई करने में विफल रहा, जिसके कारण सुहागिया ने 14 दिसंबर, 2022 को एसबीआई को कानूनी नोटिस भेजा। बैंक से कोई जवाब नहीं मिलने पर उसने मदद के लिए उपभोक्ता आयोग से संपर्क किया। सुहागिया के वकील ने तर्क दिया कि बैंक ने धन को फिर से प्राप्त करने के लिए कोई कार्रवाई नहीं की, जबकि उसे पता था कि इसे आईसीआईसीआई बैंक के खाते में स्थानांतरित किया गया था। दूसरी ओर, बैंक ने दावा किया कि धोखाधड़ी ग्राहक की लापरवाही के कारण हुई और उसने बैंकिंग दिशा-निर्देशों के अनुसार ही काम किया था। बैंक ने यह भी कहा कि उसने यूपीआई प्राधिकरण से संपर्क किया था, जिसने पुष्टि की कि पैसा आईसीआईसीआई बैंक में जमा किया गया था और राशि को फ्रीज करने के उपाय किए।

बढ़ती शिकायतों पर सरकार की पहल

एयरलाइनों और यात्रा पोर्टल के अधिकारियों संग बैठक 8 नवंबर को

नई दिल्ली , 26 अक्टूबर (एजेंसिया) हवाई यात्रियों की बढ़ती शिकायतों के बीच केंद्र ने सभी एयरलाइनों और यात्रा पोर्टलों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ आठ नवंबर को एक बैठक बुलाई है जिसमें 'टिकट रद्द होने के बाद रिफंड नहीं दिए जाने' और मुफ्त वेब चेक-इन के बावजूद हर सीट को 'पेड' के रूप में दिखाए जाने से संबंधित शिकायतों पर चर्चा की जाएगी। उपभोक्ता मामलों के सचिव रोहित कुमार सिंह ने मीडिया ब्रीफिंग में कहा कि पिछले एक साल में सरकार की राष्ट्रीय उपभोक्ता हेल्पलाइन के माध्यम से एयरलाइन क्षेत्र से संबंधित लगभग 10,000 शिकायतें प्राप्त हुई हैं। इनमें से आधी शिकायतें टिकट रद्द होने से संबंधित हैं लेकिन विमानन कंपनियों से कोई रिफंड नहीं मिला है। उन्होंने कहा कि कुछ प्रमुख शिकायतों में एयरलाइंस द्वारा मुफ्त अनिवार्य वेब चेक-इन के बावजूद हर सीट को पेड के रूप में दिखाना भी शामिल है।

उन्होंने कहा, 'ये शिकायतें महज एक छोटी सी बात हैं। हमने सभी एयरलाइंस, ट्रैवल पोर्टल्स और उपभोक्ता संगठनों के साथ इन उपभोक्ता शिकायतों पर चर्चा करने के लिए 8 नवंबर को एक बैठक बुलाई है। उन्होंने कहा कि एयरलाइन वेबसाइटों या यात्रा पोर्टलों के माध्यम से टिकट बुक करते समय, विभाग ने देखा है कि कई उपभोक्ता इंटरफ़ेस से खुश नहीं हैं और उन्हें लगता है कि वे गुमराह और धोखाधड़ी शिकार हो रहे हैं।

फिनफ्लुएंसर पर सेबी का शिकंजा; लगा बैन

फीस के रूप में लोगों से लिए गए 17 करोड़ रुपये लौटाने का आदेश

नई दिल्ली , 26 अक्टूबर (एजेंसिया) फाइनेंशियल इन्फ्लुएंसर या फिनफ्लुएंसर पर कार्रवाई के अपने पहले बड़े मामले में, बाजार नियामक सेबी ने बिना पंजीकरण के कथित तौर पर कारोबारी सिफारिशें बेचने के आरोप में तीन इकाइयों को बाजार से प्रतिबंधित कर दिया गया है और उन्हें जनवरी 2021 से जुलाई 2023 के बीच निवेशकों से उनकी सेवाओं के शुल्क के रूप में लिए गए 17 करोड़ रुपये लौटाने को कहा है। सेबी ने एक्स, टेलीग्राम और यूट्यूब जैसे सोशल मीडिया मंचों के जरिए 'बाप ऑफ चार्ट' ब्रांड के तहत शेयर सिफारिशें देने वाले मोहम्मद नसीरुद्दीन अंसारी पर प्रतिबंध लगा दिया है। नियामक ने अंसारी के साथ अंसारी के सहयोगी राहुल राव पदमती और उनकी एक कंपनी गोल्डन सिंडिकेट वेंचर्स पर भी अगले आदेश तक रोक लगा दी है। सेबी के आदेश में कहा गया है कि अंसारी ने स्टॉक सिफारिशें दीं, लेकिन बाजार से संबंधित शैक्षिक प्रशिक्षण प्रदान करने की आड़ में इसे बेचने की कोशिश की। सेबी ने तीनों इकाइयों को आदेश दिया है कि वे निवेश सलाहकार के रूप में काम करने या खुद का प्रतिनिधित्व करने से बचें। यह आदेश अंतरिम प्रकृति का है और यह उन तीन इकाइयों के लिए कारण बताओ नोटिस भी है जिन पर उसने प्रतिबंध लगाया है। मोहम्मद नसीरुद्दीन अंसारी सहित ये संस्थाएं कथित तौर पर एक्स, टेलीग्राम और यूट्यूब जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर 'बाप ऑफ चार्ट' ब्रांड के तहत काम कर रही थीं। सेबी ने उन्हें अपनी सेवाओं के लिए शुल्क के रूप में निवेशकों से लिए गए 17.2 करोड़ रुपये (2.3 मिलियन डॉलर) वापस करने का आदेश दिया है। बता दें कि नियामक वित्तीय प्रभाव के रूप में काम कर रहे अनधिकृत निवेश सलाहकारों पर शिकंजा कस रहा है।

72,000 रुपये के पार निकली चांदी

सोने के भी बढ़ गए भाव, जानें शहरों के हिसाब से रेट

नई दिल्ली , 26 अक्टूबर (एजेंसिया) फेस्टिव सीजन की शुरुआत के साथ ही सोना खरीदने वालों की संख्या में तेजी से इजाफा होता है। अगर आप भी गोल्ड-सिल्वर खरीदने के बारे में सोच रहे हैं तो बता दें कि आज दोनों में तेजी देखी जा रही है। सोना जहां आज 61,000 के करीब पहुंच चुका है, वहीं चांदी भी 72,000 के ऊपर कारोबार कर रही है। गुरुवार को सोना 60,824 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर खुला है। इसके बाद इसकी कीमत में और तेजी देखी गई है। सुबह 11 बजे तक यह कल के मुकाबले 91 रुपये यानी 0.15 फीसदी तेजी के साथ 60,917 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। कल वायदा बाजार पर सोना 60,826 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था।

72,000 रुपये के पार निकली चांदी

सोने के अलावा आज चांदी भी तेजी के साथ कारोबार कर रही है। शुरुआती दौर में चांदी आज 71,799 रुपये के स्तर पर खुली है। इसके बाद इसमें और तेजी दर्ज की गई है और यह कल के मुकाबले 222 रुपये यानी 0.31 फीसदी तेजी के साथ 72,009 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बनी हुई है। कल मल्टी कमोटिडी एक्सचेंज पर चांदी 71,787 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बंद हुई थी।

प्रमुख शहरों में क्या है 26 अक्टूबर, 2023 के गोल्ड-सिल्वर रेट-

दिल्ली- 24 कैरेट गोल्ड 62,110 रुपये, सिल्वर 75,100 रुपये प्रति किलोग्राम कोलकाता- 24 कैरेट गोल्ड 61,960 रुपये, सिल्वर 75,100 रुपये प्रति किलोग्राम मुंबई- 24 कैरेट गोल्ड 61,960 रुपये, सिल्वर 75,100 रुपये प्रति किलोग्राम चेन्नई- 24 कैरेट गोल्ड 62,200 रुपये, सिल्वर 78,000 रुपये प्रति किलोग्राम पटना- 24 कैरेट गोल्ड 62,010 रुपये, सिल्वर 75,100 रुपये प्रति किलोग्राम जयपुर- 24 कैरेट गोल्ड 62,110 रुपये, सिल्वर 75,100 रुपये प्रति किलोग्राम नोएडा- 24 कैरेट गोल्ड 62,110 रुपये, सिल्वर 75,100 रुपये प्रति किलोग्राम गुरुग्राम- 24 कैरेट गोल्ड 62,110 रुपये, सिल्वर 75,100 रुपये प्रति किलोग्राम गाजियाबाद- 24 कैरेट गोल्ड 62,110 रुपये, सिल्वर 75,100 रुपये प्रति किलोग्राम लखनऊ- 24 कैरेट गोल्ड 62,110 रुपये, सिल्वर 75,100 रुपये प्रति किलोग्राम पुणे- 24 कैरेट गोल्ड 61,960 रुपये, सिल्वर 75,100 रुपये प्रति किलोग्राम

अंतरराष्ट्रीय बाजार में मजबूत हुआ सोना-चांदी

घरेलू बाजार के अलावा अंतरराष्ट्रीय बाजार में भी सोने-चांदी की कीमत में तेजी देखी जा रही है। मेटल रिपोर्ट के अनुसार आज सोना इंटरनेशनल मार्केट में 0.4 फीसदी तेजी के साथ 1,986.79 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर बना हुआ है। वहीं चांदी की बात करें तो उसकी कीमत में भी आज उछाल दर्ज किया जा रहा है और यह 0.2 फीसदी तेजी के साथ 22.93 डॉलर प्रति औंस के स्तर पर बनी हुई है। ध्यान देने वाली बात से है कि इजराइल और हमास युद्ध के बाद से ही सोने की कीमत में उछाल दर्ज किया जा रहा है। निवेशक सोने को सुरक्षित विकल्प के तौर पर देख रहे हैं।

अदाणी समूह ने बयान जारी कर मीडिया रिपोर्ट्स में किए गए दावों का किया खंडन

नई दिल्ली , 26 अक्टूबर (एजेंसिया) अदाणी समूह ने ब्लूमबर्ग की उस रिपोर्ट का खंडन किया है जिसमें अदाणी समूह की कुछ कंपनियों का ऑडिट करने वाली ईवाई की एक सदस्य फर्म की भारत के लेखा नियामक की ओर से जांच शुरू करने का दावा किया गया था। अदाणी समूह ने अपने बयान में कहा, हम इस बात को सिरे से खारिज करते हैं कि समूह (अदाणी) और उसके कारोबार ने उन क्षेत्राधिकारों के नियमों और लेखा मानकों के अनुरूप काम नहीं किया है जिनमें हम काम करते हैं। अदाणी समूह की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि समूह ने हमेशा सभी लागू कानूनों और विनियमों का अनुपालन करते हुए अपना व्यवसाय किया है और हम अपनी प्रथाओं, शासन और प्रकटीकरण के बारे में आश्वस्त है।

मीडिया रिपोर्ट में क्या कहा गया था ?

ब्लूमबर्ग न्यूज ने बुधवार को सूत्रों के हवाले से बताया था कि अदाणी समूह की कुछ कंपनियों का ऑडिट करने वाली ईवाई की एक सदस्य फर्म की भारत के लेखा नियामक एनएफआरए की ओर से जांच की जा रही है। रिपोर्ट में कहा गया है कि राष्ट्रीय वित्तीय रिपोर्टिंग प्राधिकरण (एनएफआरए) ने हाल के हफ्तों में भारत में ईवाई की सदस्य फर्मों में से एक एसआर बाटलीबोई की जांच शुरू की है और 2014 तक अदाणी द्वारा नियंत्रित कुछ कंपनियों के ऑडिट से संबंधित फाइलें और संचार मांगे हैं।

शेयर बाजार में मचा कोहराम, सेंसेक्स 900 और निफ्टी 265 अंक गिरकर हुआ बंद, निवेशकों के 3 लाख करोड़ रुपये स्वाहा

नई दिल्ली , 26 अक्टूबर (एजेंसिया) इस हफ्ते लगातार तीसरे ट्रेडिंग सेशन और अक्टूबर के मंथली एक्सपाइरी के दिन भारतीय शेयर बाजार में गिरावट की सुनामी देखने को मिली है। निवेशकों की बिकवाली और बाजार के बिगड़े मूड के चलते सेंसेक्स 1000 तो निफ्टी 300 अंक नीचे जा फिसला। मिड कैप इंडेक्स में गिरावट का सिलसिला आज भी जारी रहा और एनएसई का मिड कैप इंडेक्स 900 अंक नीचे जा फिसला। कारोबार खत्म होने पर बीएसई सेंसेक्स 900 अंकों की गिरावट के साथ 63,148 और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 265 अंकों की गिरावट के साथ 18,857 अंकों पर क्लोज हुआ है। जबकि इस गिरावट के चलते निवेशकों को 3 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। आज के ट्रेडिंग सत्र में बैंकिंग सेक्टर के स्टॉक्स में जोरदार मुनाफावसूली देखने को मिली है जिसके चलते निफ्टी बैंक 552 अंकों या 1.29 फीसदी की गिरावट के साथ 42,280 अंकों पर बंद हुआ है। इसके अलावा ऑटो, आईटी, फार्मा, एफएमसीजी, मेटल्स, एनर्जी, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, हेल्थकेयर, ऑयल एँड गैस सेक्टर के स्टॉक्स गिरावट के साथ बंद हुए। मिड कैप और स्मॉल स्टॉक्स में गिरावट का सिलसिला आज भी जारी रहा। मिड कैप इंडेक्स 1.16 फीसदी या 448 अंकों की गिरावट के साथ 38,116 अंकों पर क्लोज हुआ है जबकि स्मॉल कैप इंडेक्स 42 अंकों की गिरावट के साथ 12,930 अंकों पर बंद हुआ है।

चढ़ने - गिरने वाले शेयर्स

आज के ट्रेड में एक्सिस बैंक के शेयर में 1.74 फीसदी, आईटीसी 0.35 फीसदी, एचसीएल टेक 0.20 फीसदी, इंडसइंड बैंक 0.10 फीसदी, एनटीपीसी 0.09 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ है। जबकि महिंद्रा एंड महिंद्रा 4.06 फीसदी, बजाज फाइनेंस 3.54 फीसदी, एशियन पेंट्स 3.16 फीसदी, बजाज फिनसर्व 3.16 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ है।

बीएसई का मार्केट कैप गिरा

शेयर बाजार में भारी गिरावट के चलते बीएसई का मार्केट कैप घटकर 306.21 लाख करोड़ रुपये पर आ गया है जबकि पिछले सत्र में मार्केट कैप 309.33 लाख करोड़ रुपये रहा था। यानि आज के ट्रेड में निवेशकों को 3.12 लाख करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- 2080
शक संवत् -1945, सूर्य - दक्षिणायने ,ऋतु- हेमन्त
महावीर निर्वाण संवत् -2549, हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000
भोग्य कलि वर्ष-426876
सूर्योदय - 06-16
सूर्यअस्त - 17-43
कलियुग संवत् -5124 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949124
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885124
दिशाशूल -- पश्चिम - दही खाकर घर से निकले
तिथि- त्रयोदशी - 06 -57- तक उपरान्त चतुर्दशी
मास - आश्विन शुक्ल पक्ष , शुक्रवार 27 October
नक्षत्र - उ.भाद्रपद - 09- 24 - तक उपरान्त रेवती
योग - हर्षण - 02 - 00 - तक उपरान्त वज्र
करण- तैतिल - 06 -57 - तक उप- गर
विशेष:- कल शनिवार को चन्द्र ग्रहण
व्रत -त्योहार - समय रात्रि 01-05 से 02-24 तक

ग्रह स्थिति	लग्नारंभ समय
सूर्य- तुला में	तुला... 05-37 बजे
चंद्र- मीन में	वृश्चिक.07-46 बजे
मंगल तुला में	धनु......10-00 बजे
बुध- तुला में	मकर.. 12-07 बजे
गुरु- मेष में	कुंभ... 13-57 बजे
शुक्र- सिंह में	मीन -- 15-35 बजे
शनि- कुंभ में	मेष-- 17-11 बजे
राहु- मेष में	वृष-- 18-56 बजे
केतु- तुला में	मिथुन..20-56 बजे
	कर्क... 23-08 बजे
	सिंह... 01-21 बजे
	कन्या.. 03-27 बजे

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 10:33 से 11:59 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
चंचल.	06:16 - 07:40	शुभ	रोग.	17:43 - 19:20	अशुभ
लाभ.	07:40 - 09:07	शुभ	काल.	19:20 - 20:53	अशुभ
अमृत	09:07 - 10:33	शुभ	लाभ.	20:53 - 22:27	शुभ
काल.	10:33 - 11:59	अशुभ	उत्पात	22:27 - 24:00	अशुभ
शुभ.	11:59 - 13:26	शुभ	शुभ.	24:00 - 01:34	शुभ
रोग	13:26 - 14:53	अशुभ	अमृत.	01:34 - 03:07	शुभ
उत्पात	14:53 - 16:20	अशुभ	चंचल	03:07 - 04:40	शुभ
चंचल	16:20 - 17:43	शुभ	रोग	04:40 - 06:16	अशुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,
आज आप पेशेवर आत्मविश्वास से भर जायेंगे । आप अपनी कार्य सम्भंधि चिन्ताओ को सशक्त तरीके से आगे रखेंगे एवं कोई भी मुश्किल आपको बड़ी नहीं लगेगी । कुछ सूक्ष्म संकट कार्यस्थल पर आ सकते है , परन्तु आप उन संकटो से आसानी से आत्मविश्वास के साथ बाहर आयेंगे । आज आपके सहकर्मी आपकी क्षमता से प्रभावित होंगे ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,
आपने हाल ही में जो कड़ी मेहनत की है , उसकी हर दिशा से सराहना होगी । आपको एक बोनस या एक लंबे समय से वेतन वृद्धि की चाह थी वो पूरी हो सकती है । आपको एक अच्छे वित्तीय अवसर की पेशकश भी की जा सकती है , जिसकी अपेक्षा आपको नहीं थी । हालाँकि ये एक बहुत बड़ा नहीं है , परन्तु यह संतोष की एक अच्छी भावना के रूप में आप में भर जाएगा।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,
यह आपके व्यवसाय के खिलने के लिए के लिए एक शुष्क मौसम है, इसलिए अभी आप अपने व्यक्तित्व को सवारने का प्रयत्न कर सकते हैं। आप एक सक्रिय व्यक्ति हैं और आपकी अच्छी ग्राहक सेवा असंख्य बार आपके ग्राहकों को वापस लाने के लिए प्रेरित करेगी । आपके व्यय नियंत्रण में है क्योकि आप हमेशा से सरल तरीको से अपने खर्चे का निर्वाह करते हैं ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,
आज आपको एक सुपर हीरो की तरह शक्तिया मिल सकती है । आपके लंबित कार्य और परियोजनाओं के पूरा होने के संकेत दिखाई देंगे। आप अपने करीबी लोगों के साथ आज मिल सकते है। अपनी टीम को प्रेरित और प्रोत्साहित करे । आपका सहयोगी अपनी जिम्मेदारियों से दूर भाग सकता है इसलिए चालाकी से काम ले । आप अपने पुराने निवेश पर ब्याज मिलने से हैरान हो सकते है।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,
आप ने हमेशा अपना कार्य भकूबी के साथ किया है और आज आप अपने वरिष्ठ अधिकारियों का समर्थन और अनुमोदन भी जीतेंगे। आपकी ईमानदारी, रचनात्मकता और काम के प्रति समर्पण देखा जायेगा और आपको इसका पुरस्कार ,फल या उपहार भी मिलेगा । आज का दिन अपने कार्य से संबंधित प्रतिबद्धताओं का पूरा करने में व्यस्त रहेगा , लेकिन फिर भी आप खुश और ऊर्जावान महसूस करेंगे ।

कन्या टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,
जो लोग अध्ययन में कार्यरत हैं , उनकी मेहनत का फल पाने के लिए ये एक अच्छा समय है। यही चीज़ काम कर रहे पेशेवरों के लिए भी लागू होती है। सफलता और प्रशंसा आपको मिल सकती हैं लेकिन अगर आपने कोई निवेश किया है तो उसमे आपको नुकसान हो सकता है , इसलिए निवेश की योजना को आज ठंडे बस्ते में डाल दे और शुभ समय का इंतजार करे ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,
आप और आपके साथी के लिए आज जीत की स्थिति बनी हुई है । आपकी कामुक भावना आप पर हावी है जिसके कारण आप मजबूर है । इसी तरह की आग दूसरी तरफ भी विद्यमान है । सचेत रहे और पूछे , आप निराश नहीं लौटेंगे । सिर्फ एक छोटी सी कोमल और देखभाल वाले दृष्टिकोण की आवश्यकता है और वैसे भी आप एक समझदार साथी है ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,
आप बहुत ही आराम से संवाद स्थापित कर रहे है , लेकिन कुछ लोग इसमें अड़चन डाल सकते है और उनके हस्तक्षेप की वजह से एक बहुत ही नाटकीय दृश्य आपके कार्यालय में पैदा हो सकता है। आपका दृष्टिकोण संगठन के लाभ के खिलाफ माना जाएगा , इसलिए बेहतर है की एक कदम पीछे रखे , ताकि इसका असर दुसरो पर हो । इस बीच में अपने व्यक्तिगत विकास पर ध्यान दें।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे
हालाँकि , आप अच्छी तरह से अपने क्षेत्र में स्थापित हैं पर आज आप अपने काम में बैचैनी महसूस कर सकते हैं । किसी चीज़ को लेकर आप में असंतोष की भावना आज आपको परेशान कर सकती है हालांकि, अभी अपनी नौकरी छोड़ने का कदम बेवकूफी भरा होगा । ये क्षणिक भावनाए हैं जिससे आप गुमराह हो सकते है इसलिए आज किसी भी प्रमुख कैरियर निर्णय लेने से बचें ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी
आपके सभी प्रयासों को एक के बाद एक सफलता मिलने के कारण आप को ऐसा लगेगा की आप अजेय हैं । आपको अपने भाग्य के इस लाभ का पूरा फायदा उठाना चाहिए । यह उन सभी परियोजनाओं से निपटने के लिए सबसे अच्छा समय है जिससे आपको निराशा हाथ लग रही थी । आपका अपना आत्मविश्वास और ग्रहों का संयोग आज आपकी कैरियर सम्भंधी सभी बाधाओं को आसानी से दूर करेगा ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,
आज आपको अप्रत्याशित लाभ मिल सकता है । आप हमेशा अपने धन को लेकर उत्तरदायी और जिम्मेदार रहे है पर ये समय अपने आप को थोड़ी खुशिया देने का समय है। आप अपने लिए कुछ उपहार ले सकते है जो की काफी हद तक आपको तनाव से मुक्ति दिलाने में सहायक होगा । आप दुसरो का काफी ध्यान रखते है पर आज अपने लिए कुछ समय निकालकर अपने ऊपर कुछ खर्च करे।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची
अपने बेकार हो गए प्रयासों से निराश न हो , आपको फिर से खड़े होकर प्रयास और कार्य करने की जरुरत है ! बेशक आपके द्वारा दी गयी जानकारियों से अहम मुद्दों का हल न निकला हो , लेकिन आपको इससे कुछ जटिल विवरणों की एक बेहतर जानकारी मिलेगी । आप आज के दिन का आनंद ले क्यों की अतीत के निवेश से आपको आर्थिक रूप से लाभ होगा ।

पं. महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

इजराइल-अरब मीडिया में 2 भारतीय नर्सों की चर्चा

हमास के हमले में 2 बुजुर्ग मरीजों की जान बचाई, 12 घंटे भूखे-प्यासे कमरे में बंद रहीं

रियाद/तेल अवीव, 26 अक्टूबर (एक्सक्लूसिव डेस्क)। 7 अक्टूबर को हमास ने अचानक इजराइल पर हमला किया। हमास के सैकड़ों मेंबर गाजा से सटे इजराइली शहरों में घुसे गए और बेगुनाह इजराइलियों की हत्या कर दी। गाजा से सटे एक शहर 'निर ओ किबुत्ज' पर भी हमला हुआ। कई लोग मारे गए।

यहां एक घर में बुजुर्ग कपल भी था। इनकी देखभाल का जिम्मा केरल की रहने वाली दो नर्सों पर था। इस दंपती को ये नर्सें 'अम्मची (मां) और अप्पचन (पिता)' कहती हैं। कपल के साथ इन्होंने खौफ में 12 घंटे भूखे-प्यासे रहकर गुजारे।

अब इजराइली और अरब मीडिया में इन दोनों नर्सों (सबिता बेबी और मीरा मोहनन) की काफी चर्चा हो रही है। दोनों की उम्र 34 साल है। यूएई के अखबार 'द नेशनल' ने इनकी बहादुरी और सूझबूझ पर रिपोर्ट पब्लिश की है। यहां पूरी कहानी सबिता की जुबानी

अचानक कम्युनिटी अलार्म बजा

7 अक्टूबर की सुबह 6 बजे थे। मैं नाइट शिफ्ट खत्म करके घर जाने वाली थी, उस वक्त चार्ज लेने के लिए मीरा आ चुकीं थीं। मेरी पेशेंट राहेल (76) और उनके पति शोलिक (85) घर में थे। राहेल और शोलिक दोनों बीमार रहते हैं। शोलिक को अल्जाइमर है, जबकि राहेल हमेशा बिस्तर पर ही रहती हैं।

मैं निकलने के लिए तैयार थी कि अचानक कम्युनिटी अलार्म बजने लगा। इसका मतलब था कि बाहर कोई बड़ा खतरा है। इस कपल की बेटी कुछ मीटर दूरी पर एक दूसरे घर में परिवार के साथ रहती है। उन्होंने मुझे फोन किया और कहा- बाहर आतंकी मौजूद हैं। आप फौरन

घर के तमाम दरवाजे बंद कर लीजिए।

मैं और मीरा डर गए थे, लेकिन तभी ख्याल आया कि 'अम्मची और अप्पचन' की हिफाजत का जिम्मा तो हमारे ऊपर है। इसी दौरान बाहर से शोर सुनाई देने लगा। घर की खिड़कियों के शीशे तोड़े जा रहे थे।

हमारे घर में एक सेफ रूम है। इसके दरवाजे लोहे के हैं। हमारे पास वक्त कम था। हमने बुजुर्ग कपल को फौरन उस रूम में शिफ्ट किया और खुद भी कैद हो गए। दरवाजे का हैंडल बंद किया और फिर उसे पूरी ताकत से पकड़े रहे।

दरवाजे की दूसरी तरफ मौत थी

रूम का गेट लोहे का था। अचानक इस पर फायर होने लगे। गोलियों के अनगिनत निशान आप देख सकते हैं। घर के दूसरे कमरों से अरबी भाषा में चिल्लाने और तोड़फोड़ की तेज आवाजें आ रहीं थीं। ये सिलसिला काफी देर तक जारी रहा। इसी दौरान दरवाजा नॉक हुआ। दूसरी तरफ से अंग्रेजी में कहा गया- हम आपको बचाने आए हैं, लेकिन उसी वक्त अरबी में बातचीत सुनाई दी। हम समझ गए कि कुछ लोग दरवाजा खुलवाने के लिए इजराइली होने का झांसा दे रहे हैं। अब हम ज्यादा अलर्ट हो गए।

हमने सांस तक रोक लीं, खांसी आई तो उसे भी दबा दिया। दरअसल, हम चाहते थे कि बाहर मौजूद लोगों को लगे कि रूम के अंदर कोई नहीं है और वो खाली है।

फिर इजराइली फौज आई

सुबह 6 बजे शुरू हुआ ये खौफनाक मंजर दोपहर 1 बजे तक जारी रहा। जंग शुरू हो चुकी थी। सैनिकों ने हमसे इसी रूम के अंदर रहने को कहा, क्योंकि हमें रेस्क्यू करने से पहले वो वहां मौजूद हर आतंकी को ढेर कर देना चाहते थे। हम 12 घंटे तक उसी रूम में रहे। हमारे पास पेशेंट्स को देने के लिए खाना तो दूर मेडिसिन भी नहीं थीं।

जब हम रूम से बाहर निकले तो घर का हर कोना तहस-नहस किया जा चुका था। हमास के लोग नशे में आए थे। घर का हर कीमती सामान और यहां तक कि व्हील चेयर तक वो ले गए। हमारे लैपटॉप भी नहीं छोड़े। हमारे दोनों पेशेंट्स अब तेल अवीव के एक शेल्टर होम में हैं। हम तो ये भी नहीं जानते कि शहर में कितने लोग मारे गए। तसल्ली की बात सिर्फ ये है कि हम और हमारे 'अम्मची और अप्पचन' जिंदा हैं। इस सदमे से उबरने में कई साल न सही, कुछ महीने जरूर लगेंगे।

भाजपा से इस्तीफा देकर जोगी की पार्टी में शामिल हुए राजेंद्र कुमार राय

जेसीसीजे से लड़ेंगे चुनाव

बालोद, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। बालोद जिले में भाजपा के प्रत्याशियों की घोषणा के बाद अब बिखराव का दौर शुरू हो चुका है। कांग्रेस से लेकर जेसीसीजे और भाजपा तक के सफर कर चुके पूर्व विधायक राजेंद्र कुमार राय अब फिर से जोगी कांग्रेस की पार्टी में शामिल हो चुके हैं। उन्होंने कल विधिवत अपना इस्तीफा सौंप दिया है अब राजेंद्र कुमार राय फिर से जोगी के राय बन चुके हैं। जेसीसीजे न उन्हें दूसरी बार पार्टी से उम्मीदवार बनाया है। आइए जानते हैं उनकी राजनीति जो दलों में लगातार बंटती रही। उन्होंने भाजपा के ऊपर आदिवासी नेता की उपेक्षा का आरोप लगाया है और प्रदेश अध्यक्ष अरुण साव को अपना इस्तीफा सौंप दिया है।

संक्षिप्त राजनैतिक परिचय

पूर्व विधायक राजेंद्र राय राज परिवार के वंशज हैं राय ने वर्ष 2011 में अपने पुलिस विभाग के डीएसपी पद से इस्तीफा दिया और 2013 में कांग्रेस से प्रत्याशी बनकर चुनाव लडे। जहां उन्होंने जीत दर्ज करते हुए 72,720 वोट हासिल किया था और भाजपा से चुनाव लड़ रहे वीरेंद्र साहू को 21 हजार 280 मत के अंतर से हराया था। जिसके बाद जब पूर्व मुख्यमंत्री अजीत जोगी ने कांग्रेस से अलग होकर पार्टी बनाई तो वो जनता कांग्रेस जोगी में शामिल हो गए।

भाजपा से थी टिकट की उम्मीद

अंदाजा लगाया जा सकता है कि ठीक चुनाव के समय भाजपा से इस्तीफा देने का सीधा सीधा ये मायने हैं कि उन्होंने भाजपा से टिकट के लिए उम्मीद लगा ली थी। पर भाजपा ने अपने पुराने प्रत्याशी पर दाव लगाया जिसके बाद से गुण्डरदेही विधानसभा में हलचल मच गई। सभी बड़े चेहरों ने बगावत कर दी और अब एक राजेंद्र राय ने अपनी मंशा स्पष्ट कर दी। देखना यह है कि आगे कौन सा चेहरा किसका खेल बिगड़ता है।

यहां सब को मिला प्रेम

गुण्डरदेही विधानसभा एक ऐसी सीट है जहां सब को समान प्रेम जनता ने दिया है। यहां साहू समाज से वीरेंद्र साहू भी विधायक रहे। यहां वर्तमान में निषाद समाज से कुंवर सिंह निषाद विधायक हैं। कंवर आदिवासी समाज से राजेंद्र राय को भी जनता ने प्रेम दिया तो यहां कोई जातिगत समीकरण काम नहीं आता है।

जयसिंह अग्रवाल के नामांकन में शामिल हुईं कुमारी शैलजा

कहा- सभी छोटे-बड़े नेता मिकलर लड़ेंगे चुनाव

कोरबा, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। कोरबा विधानसभा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी व राजस्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल के नामांकन दाखिले को लेकर छत्तीसगढ़ की कांग्रेस प्रभारी कुमारी शैलजा कोरबा पहुंची। मुड़ापार हेलीपैड पर प्रत्याशी सहित पार्टी के पदाधिकारी व सदस्यों ने उनका स्वागत किया। यहां से वह नामांकन दाखिल करने के प्रत्याशियों के साथ कलेक्ट्रेट के पहुंची। नामांकन दाखिले के दौरान हजारों की संख्या में कांग्रेसी नेताओं और कार्यकर्ताओं की भीड़ घंटाघर ओपन थियेटर के मैदान में मौजूद रही। कोरबा विधानसभा से राजस्व मंत्री जय सिंह अग्रवाल, पालीतानाखार से दिलेश्वरी सिदार, रामपुर विधानसभा से फूल सिंह राठिया, कटघोरा से पुरुषोत्तम कंवर चारों विधानसभा से प्रत्याशी कलेक्ट्रेट पहुंचे, जहां नामांकन दाखिल किया।

इस दौरान प्रदेश प्रभारी के साथ विधानसभा अध्यक्ष डॉ. चरण दास महंत, सांसद ज्योत्सना महंत, कोरबा प्रत्याशी जय सिंह अग्रवाल, रामपुर प्रत्याशी फुल सिंह राठिया, कटघोरा प्रत्याशी पुरुषोत्तम कंवर भी साथ में मौजूद रहे। प्रदेश प्रभारी कुमारी शैलजा ने कहा कि सब मिलकर चुनाव लडेंगे, जो टिकट नहीं मिलने से असंतुष्ट हैं, उनसे चर्चा की जा रही है। सभी साथ मिलकर काम करेंगे और इस बार भी जीत सुनिश्चित है। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार बन रही है। काफी वोटों से लीड कर रही है। कांग्रेस मजबूत स्थिति में है।

भूपेश राज में कस्टम मिलिंग में 175 करोड़ का घोटाला

अरुण ने अधिकारियों को चेताया, कोई भ्रष्टाचारी नहीं बचेगा

रायपुर, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष सांसद अरुण साव कांग्रेस पर जमकर बरसे। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि घोटालों की सरकार का एक और काला कारनामा छत्तीसगढ़ की जनता के सामने आ गया। ईडी की जांच में खुलासा हुआ है कि किसानों को कर्ज के जाल में फंसाने वाले भूपेश बघेल की कृपा से मार्कफेड के अफसरों के गिरोह ने मिलकर 175 करोड़ का चावल घोटाला कर दिया। जांच एजेंसियों की जांच में यह भंडाफोड़ हुआ है कि मार्कफेड के अफसरों ने करोड़ों की रिश्वत कमाने की साजिश रचकर यह घोटालेबाजी की। इसमें भूपेश सरकार की संलिप्तता से इंकार नहीं किया जा सकता।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष अरुण साव ने कहा कि जिस अधिकारी मनोज सोनी पर भ्रष्टाचार के आरोप हैं। राज्य सरकार ने

लगातार उनका एक्सटेंशन किया है। वो बने रहे इसके लिए कई आदेश निकाले हैं। इससे यह बात पुख्ता होती है की सरकार ने कितने योजनाबद्ध तरीके से षडयंत्र पूर्वक भ्रष्टाचार किया है। ईडी जांच में पाया गया है कि खरीफ वर्ष 2021-22 तक सरकार द्वारा धान का प्रति क्विंटल 40 रुपये भुगतान किया गया। धान की कस्टम मिलिंग के लिए दी जाने वाली रकम सरकार ने तीन गुनी बढ़ा दी। 120 रुपये प्रति क्विंटल धान का भुगतान दो किश्तों में किया गया। अफसरों ने आधी रकम मार्कफेड के एमडी मनोज सोनी के साथ मिलकर वसूल ली। घोटाले की शर्तों के तहत नकद राशि का भुगतान करने वालों का विवरण जिला विपणन अधिकारी को भेजा गया। उनके माध्यम से ब्यौरा मार्कफेड एमडी तक पहुंचा। एमडी की ओर से केवल उन्हीं के बिलों को भुगतान के लिए मंजूरी दी गई, जिन्होंने नकद राशि का भुगतान किया। विशेष भत्ता 40 रुपये से बढ़ाकर 120 रुपये क्विंटल करने के बाद प्रदेश में 500 करोड़ रुपये के भुगतान जारी किए गए, जिसमें से 175 करोड़ रुपये की रिश्वत वसूली गई। ईडी ने तलाशी में विभिन्न आपत्तिजनक दस्तावेज, डिजिटल उपकरण और 1 करोड़ की बेहिसाब नकद राशि जब्त की है। मतलब साफ है कि बाकी के 174 करोड़ रुपए घोटाला चुनावी तिजोरी में पहुंच गए।

अभी तो यह ट्रेलर है। ईडी आगे की जांच कर रही है तो पूरी उम्मीद है कि वह घोटालों के सरताज तक अवश्य पहुंचेगी।

छत्तीसगढ़ की 90 सीटों पर बीजेपी-कांग्रेस की चुनावी तस्वीर साफ

रायपुर, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव को लेकर बीजेपी और कांग्रेस की चुनावी तस्वीर साफ हो चुकी है। बीजेपी और कांग्रेस दोनों ने प्रदेश की 90 विधानसभा सीटों पर अपने प्रत्याशी उतार दिए हैं। अब दोनों दल के प्रत्याशी चुनावी महासंग्राम में कूद चुके हैं। एक योद्धा की तरह एक दूसरे को मात देने के लिए चुनावी रण में पूरी तरह से तैयार हैं। बीजेपी ने 25 अक्टूबर को 4 सीटों पर अपनी आखिरी लिस्ट जारी की। इसमें बेलतरा से विधायक रजनीश कुमार सिंह का टिकट काटकर सुशांत शुक्ला को दिया गया है। बीजेपी ने चारों सीटों पर नए चेहरों को मौका दिया है। बीजेपी की चौथी लिस्ट में अंबिकापुर से राजेश अग्रवाल, बेलतरा से सुशांत शुक्ला, कसडोल से धनीराम धीवर, बेमेतरा से दीपेश साहू को टिकट मिला है। चारों नए चेहरे हैं। बीजेपी की चौथी लिस्ट में ओबीसी वर्ग से दो नए चेहरों को मौका दिया गया है।

वंदे भारत एक्सप्रेस महिला-बच्चों और बुजुर्ग यात्रियों में लोकप्रिय

हवाई यात्रा से अधिक बन रही लोगों की पहली पसंद

जमशेदपुर, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। दक्षिण पूर्व रेलवे हाल के दिनो में चार वंदे भारत एक्सप्रेस का परिचालन कर रहा है। यह वंदे भारत एक्सप्रेस हावड़ा-पुरी, हावड़ा-रांची, रांची-पटना और राउलकेला-पुरी के बीच चल रही है। दक्षिण पूर्व रेलवे की ओर से जारी यात्रियों के आकड़ा के अनुसार वंदे भारत एक्सप्रेस में सबसे ज्यादा यात्री के रूप मे महिला यात्री यात्रा इस ट्रेन मे यात्रा कर रही हैं।

वंदे भारत में 13 प्रतिशत वरिष्ठ नागरिक कर रहे सफर

दक्षिण पूर्व रेलवे के वंदेभारत एक्सप्रेस के आकड़ों के अनुसार सभी वंदे भारत एक्सप्रेस यात्रियों में महिला यात्रियों की संख्या अच्छी हैं। जबकि बच्चे 6 प्रतिशत है। यही नहीं वरिष्ठ नागरिकों के लिए भी यह ट्रेन पहली पसंद बनती जा रही है। आंकड़ों के अनुसार करीब 13 प्रतिशत वरिष्ठ नागरिक भी इस ट्रेन का आनंद लिया हैं।

हवाई यात्रा से अधिक पसंदीदा वंदे भारत

हाई स्पीड वंदे भारत एक्सप्रेस अपनी तेज रफ्तार, विश्वस्तरीय

सुविधाओं और यात्रा समय में कमी के कारण मौजूदा त्योहारी सीजन में पसंदीदा ट्रेन बन गई है। यही कारण है कि दक्षिण पूर्व रेलवे की इन रेलगाड़ियों में यात्रियों के लिए सीटों की बुकिंग लगभग पूरी रहती है। हवाई यात्रा से अधिक पसंदीदा अब लोगों के लिए वंदे भारत एक्सप्रेस बन चुकी है।

सुरक्षित यात्रा के लिए पसंद कर रहे है ट्रेन

इस संबंध में दक्षिण पूर्व रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी (सीपीआरओ) आदित्य कुमार चौधरी ने बताया कि सुरक्षित यात्रा के कारण महिला यात्रियों के लिए यह पहली पसंद है। इसके अलावा बिना ट्रेन से उतरे तीनों समय स्वादिष्ट भोजन मिलता है। जबकि इस ट्रेन में सफर से समय की बचत होती है। जबकि प्रत्येक कोच मे सीसीटीवी, वाई-फाई की सुविधा, जीपीएस आधारित यात्री सूचना प्रणाली, स्पर्श मुक्त सुविधाओ के साथ बायो-वैक्यूम शौचालय और दिव्यांग यात्रियों के लिए विशेष शौचालय, एलईडी लाइटिंग, हर सीट के नीचे चार्जिंग प्वाइंट भी है। विशेष परिस्थिति में यात्रियों को चालक दल से संवाद करने के लिए आपातकालीन सुविधा मिली है।

महसूस होने लगी है ठंड

अभी और गिरेगा तापमान

राज्य के इन हिस्सों में हुई बारिश

रांची, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। राज्य में ठंड अब महसूस होने लगी है। गर्म कपड़े निकलने शुरू हो गये हैं। दुर्गा पूजा के दौरान रांची समेत कई शहरों में लोग गर्म कपड़ों में पंडाल घूमते नजर आये हालांकि कई लोगों ने इस हल्की - हल्की ठंड में अब तक गर्म कपड़े नहीं निकाले लेकिन मौसम में ठंडक अब बढ़ने लगी है। कई शहरों में रात के न्यूनतम तापमान में गिरावट आने लगी है। मौसम विभाग ने भी साफ कहा है कि राज्य के कई हिस्सों में न्यूनतम तापमान में गिरावट आयेगी। 31 अक्टूबर तक मौसम साफ रहेगा। सुबह कोहरा और धुंध नजर आयेगा। मौसम विभाग के वैज्ञानिक अभिषेक आनंद ने बताया है कि राज्य में अभी बारिश की संभावना नहीं है। 26 से 31 अक्टूबर तक मौसम शुष्क और आसमान साफ रहेगा। दो-तीन दिनों में न्यूनतम तापमान में 2 से 3 डिग्री सेल्सियस की गिरावट जरूर आने की संभावना है।

जेसीसीजे ने 5 प्रत्याशियों की तीसरी लिस्ट जारी की

महासमुंद से राशि महिलांग लड़ेंगी चुनाव, मुंगेली से सरिता भारद्वाज को टिकट

रायपुर, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। विधानसभा चुनाव के लिए जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) ने प्रत्याशियों की तीसरी सूची जारी कर दी है। 5 विधानसभा सीटों के लिए प्रत्याशियों के नाम घोषित किए गए हैं। लोरमी से सागर सिंह बैस, मुंगेली से डॉक्टर सरिता भारद्वाज, सामरी से प्रभा बेला मरकाम, जांजगीर चांपा से रविन्द्र द्विवेदी और महासमुन्द से राशि महिलांग को टिकट दिया गया है।

जनता कांग्रेस ने विधानसभा चुनाव के लिए अब तक अपने 32 उम्मीदवार घोषित कर दिए हैं। इससे पहले पार्टी ने बुधवार को 11 उम्मीदवारों की दूसरी सूची जारी की थी।

जेसीसीजे के प्रदेश अध्यक्ष अमित जोगी ने 10 चुनावी गारंटी दी है। उन्होंने कहा है कि अगर जेसीसीजे की सरकार बनती है, तो 4 हजार रुपए क्विंटल में धान

खरीदेंगे। गरीब, अनुसूचित जाति, जनजाति, पिछड़ा वर्ग के लोगों को 5 लाख रुपए की आर्थिक मदद, बेटी होने पर एक लाख और शादी में एक लाख रुपए की सहायता दी जाएगी।

बेरोजगारी भत्ता 3 हजार, वृद्धा पेंशन 4500, बिजली मुक्त, 15 साल से कब्जाधारकों को जमीन का पट्टा, 5 लाख तक जोगी आवास, शराब की जगह दूध की दुकान खुलेगी। अमित जोगी ने कहा कि सभी जिला मुख्यालयों में मेडिकल कॉलेज, मुफ्त इलाज, छात्र-छात्राओं को देश-विदेश में मुफ्त शिक्षा, गिरौधपुरी, सोना खान, राजिम, शिवरीनारायण धाम का विकास किया जाएगा।

जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ जोगी पार्टी ने बुधवार को प्रत्याशियों की दूसरी सूची जारी कर दी है। प्रदेश की हाईप्रोफाइल कोटा सीट पर जेसीसीजे ने मौजूदा विधायक और पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष रेणु जोगी को अपना प्रत्याशी बनाया है। वहीं, उनकी बहू ऋचा जोगी को अकलतरा से प्रत्याशी घोषित किया गया है। जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ ने अपने प्रत्याशियों का ऐलान कaर दिया है। विधानसभा चुनाव 2023 के लिए पार्टी ने 16 प्रत्याशियों की सूची जारी की है। संगठन ने इसे पहली सूची बताया है। पहले चरण के मतदान को ध्यान में रखकर पंडरिया, कवर्धा, खैरागढ़, राजनांदगांव, बस्तर, जगदलपुर, चित्रकोट और दंतेवाड़ा जैसी 16 सीटों पर प्रत्याशी घोषित किए गए हैं।

नक्सली बंद का असर

सभी दुकानें बंद, सड़कें सुनसान, बसों के पहिए थमे, एनकाउंटर में साथी की मौत पर बुलाया है बंद

बीजापुर, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। बीजापुर में नक्सली बंद का असर देखने को मिल रहा है। सुबह से कई दुकानें बंद हैं। सड़कों पर लोगों का आना-जाना भी कम है। बस स्टैंड में भी दुकानें बंद हैं और सभी बसें खड़ी हुई हैं। बता दें कि नक्सलियों ने एनकाउंटर में अपने साथी की मौत के विरोध में बंद बुलाया है।

बीजापुर में छत्तीसगढ़-तेलंगाना हाईवे पर बरदेला गांव के पास बुधवार को नक्सलियों ने लकड़ियों का ढेर रखकर आग लगा दी थी। इसके बाद आईईडी ब्लास्ट किया और फायरिंग शुरू कर दी थी। जिसके चलते रास्ता जाम हो गया था। सीआरपीएफ के जवान मौके पर पहुंचे और जवाबी कार्रवाई की थी। इससे पहले देर

शाम करीब 7 बजे इलाके में दहशत फैलाने की कोशिश की गई। वहां नक्सलियों ने दो पुतले लगा रखे थे और हाईवे पर आग की लपटें उठ रही थीं। वहां मौजूद दो लोगों ने रिपोर्टर को बताया कि आगे दादा (नक्सली) लोग मौजूद हैं, जिन्होंने सड़क पर आग लगा दी है। टीम इसके बाद भी अपनी जान जोखिम में डालकर आगे बढ़ी। थोड़ी और आगे जाने पर करीब 7 बजकर 20 मिनट पर आईईडी के धमाके और 7 से 8 राउंड फायरिंग की आवाज भी सुनाई दिए। जैसे ही फायरिंग रुकी वहां से 5-7 लोग जानवरों जैसी आवाजें निकालकर अपने साथियों को सिग्नल दे रहे थे। जंगल से कुछ लोग जोर-जोर से गालियां भी दे रहे थे। नक्सली उत्पात की खबर सुनकर कई लोग रास्ते से ही गाड़ी घुमाकर जिला मुख्यालय की ओर ही लौट गए। जिस जगह नक्सलियों ने आगजनी की वहां से करीब डेढ़ सौ मीटर के फासले पर ही सीआरपीएफ का कैंप है। घटना की खबर पाते ही करीब दो ढाई सौ जवान मौके के लिए रवाना हो गए। वहां पहुंचकर फोर्स ने मार्ग बहाल कराया लेकिन लोगों को बीजापुर जिला मुख्यालय की ओर जाने को कहा। हालात सामान्य होने पर भास्कर की टीम एक बार फिर ग्राउंड जीरो पर पहुंची जहां सीआरपीएफ जवानों ने मोर्चा संभाल लिया था। इस दौरान सड़क के किनारे जलती हुई लकड़ियां पड़ी थी।

पिछले पांच साल में 1574 लोगों की तस्करी

अब तमिलनाडु मॉडल अपना कर सरकार ट्रैफिकिंग करेगी खत्म, सीएम कर चुके हैं समीक्षा

रांची, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। देश के अन्य राज्यों के मुकाबले झारखंड ह्यूमन ट्रैफिकिंग का सबसे आसान स्थान बन गया है। एनसीआरबी, सीआईडी और राज्य में काम कर रही संस्थाओं के आंकड़े बताते हैं कि राज्य में बीते पांच साल में जितने भी ट्रैफिकिंग के मामले आए हैं उसमें लड़कियां शॉफ्ट टारगेट हैं। सरकार के आंकड़े बताते हैं कि राज्य में साल 2017 से लेकर 2022 के अंत तक 1574 लोग ह्यूमन ट्रैफिकिंग के शिकार हुए हैं। जबकि दर्ज मामले के आंकड़े आधे से भी कम हैं। ऐसे में इस समस्या के परमानेंट समाधान के लिए झारखंड सरकार तमिलनाडू मॉडल अपनाने जा रही है।

पांकी विधायक के बिगड़े बोल

शशिभूषण मेहता बोले, मंदिर के आसपास टोपी और दाढ़ी वाला दिखा तो दौड़ाकर पीटूंगा

पलामू, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। किसी भी धार्मिक स्थल पर या उसके आसपास भी दाढ़ी और टोपी वाले दिखाई पड़ गये तो अंजाम बुरा होगा उसको दौड़ा- दौड़ा कर मारेंगे। जो देश में हिंदुओं की बात करेगा वही देश पर राज करेगा। झारखंड के भाजपा के पांकी विधायक कुशवाहा शशिभूषण मेहता का यह बयान सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस बयान पर कांग्रेस और जेएमएम ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। दशहरा के मौके पर विधायक ने यह बयान दिया है। उन्होंने कहा, 'अगर टोपी और दाढ़ी वाले, गाय और गोश्त खाने वाले लोग मंदिरों के आस-पास भी दिख गए तो उसका अंजाम बुरा होगा। उसको दौड़ा-दौड़ा कर मारेंगे। शशिभूषण मेहता ने दुर्गा पूजा के मौके पर पांकी विधानसभा क्षेत्र में विवाह मंडप के शिलान्यास के दौरान खूब बयानबाजी की है। उन्होंने कहा कि अगर आना है तो धर्म बदल कर आ जाओ, मैंने तस्वीर में देखा कि विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के तहत संतो का समागम हुआ था। इस कार्यक्रम में 20 से 25 मुसलमान दिखाई पड़ रहे हैं। हमारे अंगने में तुम्हारा क्या काम है। विधायक ने कहा, जागरण के आगे - आगे मुसलमान रैली में हैं और बाइक चला रहे हैं। अगर मैं वहां मौजूद होता तो यह होने नहीं देता। इसकी वजह से चाहे दंगा होता या जो भी परिणाम होता देखा जाता। तस्वीर में यह देखकर मेरा खून खौल गया।

मुस्लिम मुल्कों पर फूटा ईरान का गुस्सा

कहा- आपकी फूट ने दी इजरायल को गाजा में हमला करने की हिम्मत

तेहरान, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। इजरायल की ओर से गाजा पट्टी में हो रहे हमलों पर ईरान लगातार सख्त रुख दिखा रहा है। ईरान की ओर से इजरायल को सख्त लहजे में हमले रोकने के लिए कहा जा रहा है तो उसने मुल्कों से भी इस मुद्दे पर एक होने के लिए कहा है। ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी ने कहा है कि एक यूनिफाइड मुस्लिम फ्रंट होता तो गाजा में इजरायल के हमलों को रोक सकता था। उन्होंने कहा कि ये बहुत दुख की बात है कि मुस्लिम देशों के बीच एकता नहीं है। जिसका इजरायल जमकर फायदा उठा रहा है।

रईसी ने गाजा में चल रहे संघर्ष पर कमेंट करते हुए कहा, मुस्लिम दुनिया की एकजुटता इजरायल की आक्रामकता और उसके पश्चिमी

समर्थकों की ज्यादतियों को प्रभावी तरीके से रोक सकती थी। इसके साथ-साथ मुस्लिम जगत में बेहतर समन्वय बाहरी देशों के हस्तक्षेप को रोकने में भी अहम बन सकती है। ऐसे में मुस्लिम मुल्कों को चाहिए कि वो एकता के साथ एक मंच पर आएं और तालमेल स्थापित करें। रईसी ने तेहरान के एक कार्यक्रम में ये बातें कहीं। जिसमें ईरान में सऊदी अरब के राजदूत अब्दुल्ला बिन सऊद अल-अनाजी भी शामिल थे।

इजरायल ने हमले ना रोके तो फैल सकती है जंग

ईरान के राष्ट्रपति के अलावा विदेश मंत्री हुसैन अमीर अब्दुल्लाहियन भी इजरायल-हमास संघर्ष पर कड़ा बयान दे चुके हैं। ईरान के विदेश मंत्री स्पष्ट तौर पर कह चुके हैं कि इजरायल ने गाजा पर हमले नहीं रोके तो फिर इस क्षेत्र में कुछ भी हो सकता है। इसके बेहद खराब परिणाम सामने आएंगे, जिसका पूरे क्षेत्र पर असर होगा।

हमास के हमले के बाद से ही चर्चा में है ईरान

हमास ने 7 अक्टूबर को इजरायल पर बड़ा हमला किया था। जिसमें करीब 1400 लोगों की जान चली गई। इस हमले के बाद से ही लगातार इजरायल और अमेरिका ईरान की ओर ऊंगली उठा रहे हैं। इस तरह की कई मीडिया रिपोर्ट आई हैं, जिनमें कहा गया है कि हमास को ईरान समर्थन कर रहा है। इतना ही नहीं 7 अक्टूबर को हमला भी हमास ने ईरान के समर्थन से किया है। हालांकि ने ईरान ने इस दावे को पूरी तरह से गलत बताया है। वहीं इजरायल की ओर से ईरान पर आतंकी संगठनों को शह देने का आरोप तो लगाया गया है लेकिन इस बात का कोई सबूत नहीं दिया है, जो ईरान की हमास के हमले में भूमिका को साबित करे।

इजराइल पर हमले के लिए 2 साल प्लानिंग हुई

तेल अवीव/वॉशिंगटन, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। गाजा पट्टी से इजराइल पर 7 अक्टूबर को रॉकेट हमले हुए। इसके बाद सैकड़ों हमास मेंबर्स इजराइल में घुसे और इसका नतीजा यह हुआ कि करीब 1500 इजराइली मारे गए। 224 लोगों को बंधक बनाया गया। जो अब तक हमास की कैद में हैं। हमलों के बाद इजराइल की बेहद ताकतवर खुफिया एजेंसी मोसाद पर दुनिया तंज कस रही है तो प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू भी 7 अक्टूबर की नाकामी कबूल करते हैं। सवाल यह है कि हमास ने इतना बड़ा हमला कैसे किया और मोसाद को इसकी भनक क्यों नहीं लगी? अब कुछ मीडिया रिपोर्ट्स बता रही हैं कि हमास काफी लंबे वक्त से हमले की प्लानिंग कर रहा था। उसने मोबाइल फोन की जगह लैंडलाइन फोन इस्तेमाल किए, ताकि मोसाद उसकी बातचीत न पकड़ सके। 'न्यूयॉर्क पोस्ट' और कुछ दूसरे मीडिया हाउसेज ने हमास की प्लानिंग और फिर हमलों के बारे में जानकारी जुटाई है।

जल्दबाजी में सुनाया गया फैसला

सीक्रेट दस्तावेज लीक मामले में हाईकोर्ट पहुंचे इमरान खान, दी ये दलील

इस्लामाबाद, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने एक विशेष अदालत की ओर से गोपनीय दस्तावेजों को लीक करने और देश के कानूनों का उल्लंघन करने के आरोप में 'जल्दबाजी' में दोषी ठहराए जाने के खिलाफ बुधवार को इस्लामाबाद उच्च न्यायालय में एक याचिका दायर की। उन्होंने इस आदेश को 'अवैध और गैरकानूनी' घोषित करने का अनुरोध किया है। खान (71) और उनके करीबी सहयोगी पूर्व विदेश मंत्री शाह महमूद कुरैशी (67) को सोमवार को विशेष अदालत के न्यायाधीश ने रावलपिंडी की अडियाला जेल में हुई सुनवाई के दौरान गोपनीय दस्तावेजों को लीक करने के आरोप में दोषी ठहराया था।

जेल में बंद दोनों नेताओं के लिए यह एक और झटका था जिन्हें मामले में मौत की सजा हो सकती है। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के अध्यक्ष खान ने अपने वकील सलमान सफदर के माध्यम से इस्लामाबाद उच्च

न्यायालय में एक याचिका दायर की, जिसमें अटॉर्नी जनरल और गृह मंत्रालय के सचिव यूसुफ नसीम खोखर को प्रतिवादी के रूप में नामित किया गया है। उन्होंने याचिका में दलील दी कि न्यायाधीश ने 'जल्दबाजी' में आदेश दिया। याचिका में कहा गया, 'ऐसा प्रतीत होता है कि न्यायाधीश की ओर से आरोप तय करने और सुनवाई समाप्त करने में हड़बड़ी दिखाई गई। यह ध्यान दिया जा सकता है कि आरोपपत्र हाल में अदालत में दाखिल किया गया और इसके शीघ्र निष्कर्ष के लिए या दिन-प्रतिदिन सुनवाई करने के लिए कोई निर्देश नहीं है।' उन्होंने कहा कि विशेष अदालत ने शासकीय गोपनीयता अधिनियम की धारा 5 के तहत आरोप तय किए थे, जो 'कानून का सरासर उल्लंघन है।' खान ने दलील दी कि न्यायाधीश ने मुख्य दस्तावेजी साक्ष्य की गैरमौजूदगी में आरोप तय करके बिलकुल अवैध सुनवाई की। याचिका में उच्च न्यायालय से आरोप तय करने की 'जल्दबाजी में की गई कवायद' को 'अवैध, गैरकानूनी और दंड प्रक्रिया संहिता के स्थापित सिद्धांतों के खिलाफ' घोषित करने का आग्रह किया गया। पिछले साल मार्च में वाशिंगटन में देश के दूतावास की ओर से भेजे गए एक गोपनीय राजनयिक दस्तावेज का खुलासा करके शासकीय गोपनीयता अधिनियम का उल्लंघन करने के आरोप में खान के खिलाफ मामला दर्ज होने के बाद अगस्त में उन्हें गिरफ्तार किया गया था।

भारत ने कनाडा के लिए फिर शुरू की वीजा सर्विस

सिर्फ 4 कैटेगरीज में अप्लाई कर सकेंगे, कनाडा बोला- ये अच्छा संकेत

ओटावा, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। कनाडा के लोगों के लिए भारत सरकार ने एक बार फिर से वीजा सर्विस शुरू करने का फैसला लिया है। इसका कनाडा ने स्वागत किया है। कनाडा ने कहा कि दोनों देशों के रिश्तों को देखते हुए ये अच्छा संकेत है। इंडियन हाई कमीशन ने 25 अक्टूबर को ओटावा में कहा था कि भारत 26 अक्टूबर यानी आज से कनाडा में वीजा सर्विस को आंशिक रूप से शुरू करेगा।

उन्होंने बताया कि फिलहाल सिर्फ चार कैटेगरीज- एंट्री, बिजनेस, मेडिकल और कॉन्फ्रेंस में वीजा के लिए अप्लाई कर सकेंगे। दरअसल, खालिस्तानी आतंकी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के मुद्दे पर भारत और कनाडा के बीच बढ़े तनाव के बाद भारत ने 21 सितंबर को वीजा सर्विस सस्पेंड कर दी थीं।

भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने 21 सितंबर को कहा था कि कनाडा में हमारे डिप्लोमैटिक यूनिट को धमकियां मिल रही हैं। वे अपना काम नहीं कर पा रहे हैं। यही वजह है कि वीजा सर्विसेज सस्पेंड की गई हैं।

इससे पहले, 20 सितंबर को भारत के विदेश मंत्रालय ने कनाडा में रहने वाले अपने नागरिकों के लिए एडवाइजरी जारी की थी। जिसमें कहा गया था- कनाडा में जारी भारत विरोधी एक्टिविटीज के मद्देनजर वहां रहने वाले या वहां की यात्रा पर जाने वाले नागरिकों को सलाह दी जाती है कि वो बहुत सतर्कता बरतें।

एडवाइजरी में कहा गया था- हालिया वक्त में देखा गया है कि कनाडा में मौजूद इंडियन डिप्लोमैट्स और इंडियन कम्युनिटी के एक खास तबके को धमकियां दी जा रही हैं। ये वो लोग हैं जो भारत विरोधी एजेंडे का विरोध करते हैं। कनाडा में बिगड़ते हुए सुरक्षा हालात के मद्देनजर वहां मौजूद इंडियन स्टूडेंट्स को सबसे ज्यादा सतर्क रहने की सलाह दी जाती है।

ट्रूडो ने कहा था- भारत के साथ तनाव को बढ़ाना नहीं चाहते

टोरंटो स्टार की रिपोर्ट के मुताबिक 19 सितंबर को कैनेडियन प्राइम मिनिस्टर का रुख कुछ नर्म दिखा। उन्होंने कहा था कि कनाडा की सरकार भारत के साथ तनाव नहीं बढ़ाना चाहती, लेकिन भारत को इन मुद्दों को गंभीरता से लेना होगा।

न्यूयॉर्क टाइम्स से पहचान न बताने की शर्त पर कनाडाई सरकार के एक अधिकारी ने कहा- निज्जर सिंह की हत्या पर जानकारी कई देशों की मदद से इकट्ठा की गई। जांच पूरी होने के बाद इसको लेकर पूरी जानकारी दी जाएगी। बता दें कि कनाडा एक फाइव आइज नाम के इंटेलिजेंस अलायंस का हिस्सा है। इसमें कनाडा के अलावा अमेरिका, ब्रिटेन और ऑस्ट्रेलिया भी शामिल हैं। इससे पहले ट्रूडो ने सांसदों से कहा था- कनाडा की धरती पर किसी नागरिक की हत्या करवाने में विदेशी सरकार का शामिल होना, हमारे देश की संप्रभुता का उल्लंघन है। हम इस हत्या की जांच में सहयोग देने के लिए भारत सरकार पर दबाव बनाएंगे। प्रधानमंत्री ट्रूडो ने कहा- कनाडा में रहने वाले भारतीय मूल के सिखों की बड़ी आबादी इस हत्या को लेकर गुस्से से भरी है। कई सिख अपनी सुरक्षा को लेकर डर में हैं। देश में करीब 18 लाख भारतीय मूल के नागरिक हैं, जिनमें से कई सिख हैं। कनाडा की विपक्षी पार्टी न्यू डेमोक्रटिक पार्टी के लीडर जगमीत सिंह सिख समुदाय से हैं।

भारत बोला- कनाडा के आरोप बेतुके

कनाडा ने भारत पर निज्जर की हत्या के आरोप लगाए थे। इन आरोपों को भारत ने खारिज किया था। विदेश मंत्रालय ने कहा था- कनाडा के सभी आरोप बेतुके हैं। इसी तरह के आरोप कनाडाई प्रधानमंत्री ने हमारे पीएम मोदी के सामने भी रखे थे और उन्हें पूरी तरह से खारिज कर दिया गया था।

इस तरह के निराधार आरोप खालिस्तानी आतंकवादियों और चरमपंथियों से ध्यान हटाने की कोशिश है। इन्हें कनाडा में पनाह दी गई है और ये भारत की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के लिए खतरा हैं।

चीन करे संप्रभुता का सम्मान

एससीओ के मंच से गरजे जयशंकर, सीपीईसी पर नाम लिए बिना ड्रैगन को फटकार

बिश्केक, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर इस समय किर्गिस्तान में हैं और वह यहां पर शंघाई को-ऑपरेशन ऑर्गनाइजेशन (एससीओ) की मीटिंग में हिस्सा लेने पहुंचे हैं। यहां पर एक बार फिर जयशंकर ने चीन पर तीखा हमला बोला। उन्होंने चीन के बेल्ट एंड रोड इनीशिएटिव (बीआरआई) को कर्ज का एक ऐसा जाल करार दिया है जिसमें छोटे देश फंसे हुए हैं। उनका कहना था कि कनेक्टिविटी से जुड़े प्रोजेक्ट्स को सभी देशों की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करना चाहिए। जयशंकर का इशारा चीन-पाकिस्तान इकोनॉमिक कॉरिडोर (सीपीईसी) की तरफ था। भारत इस प्रोजेक्ट को अपनी संप्रभुता के खिलाफ बताता है।

देशों की संप्रभुता का करे सम्मान

विदेश मंत्री जयशंकर ने कहा, 'भारत स्थायी और पारस्परिक रूप

से फायदेमंद और वित्तीय रूप से व्यवहारिक समाधानों के लिए सदस्य देशों के साथ साझेदारी करने का इच्छुक है। जैसे हम क्षेत्र के अंदर व्यापार में सुधार करने का प्रयास करते हैं, हमें उसी तरह से मजबूत कनेक्टिविटी और बुनियादी ढांचे की आवश्यकता है। भारत ने अपने क्षेत्र में इन प्रोजेक्ट्स को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है।' इसके बाद उन्होंने चीन का नाम तो नहीं लिया लेकिन कहा, 'अपनी विकासात्मक यात्रा, साथ ही कनेक्टिविटी पहल को हमेशा सभी देशों की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करना चाहिए।'

मिडिल ईस्ट कॉरिडोर की तारीफ

जयशंकर ने जी-20 सम्मेलन में लॉन्च हुए ऐतिहासिक भारत-मिडिल ईस्ट पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारे (आईएमईसी) का भी जिक्र किया। विदेश मंत्री ने इस कॉरिडोर पर भी भरोसा जताया। कई विशेषज्ञ इसे चीन के बीआरआई का प्रतिद्वंद्वी कह रहे हैं। बीआरआई को दुनिया में एक ऐसे प्रोजेक्ट के तौर पर देखा जा रहा है कि जिसने आर्थिक रूप से पिछड़े देशों में सफेद हाथी के तौर पर कई परियोजनाओं को लॉन्च कर दिया है। इसे चीन की सरकार की विस्तारवादी नीति का हिस्सा भी बताया जाता है। इस प्रोजेक्ट की व्यापक रूप से हर कहीं निंदा की जाती है। जयशंकर ने कहा, 'हमें यह ध्यान में रखना चाहिए कि ग्लोबल साउथ को अपारदर्शी पहलों से उत्पन्न होने वाले अव्यवहार्य कर्ज के बोझ से नहीं दबाना चाहिए। मुझे भरोसा है भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारा और अंतरराष्ट्रीय नॉर्थ-साउथ ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर इसमें सक्षम बन सकते हैं।'

सप्लाई चेन को बताया टूटा हुआ

जयशंकर ने किर्गिस्तान में एससीओ बैठक में टूटी हुई सप्लाई चेन के मसले का भी जिक्र किया है। उन्होंने कहा, 'आज जब दुनिया चुनौतियों, आर्थिक मंदी, टूटी हुई सप्लाई चेन, खाद्य और ऊर्जा असुरक्षा का सामना कर रही है, तो एससीओ के बीच मजबूत सहयोग की जरूरत है। इस संदर्भ में मध्य एशियाई देशों के हितों को प्राथमिकता देना काफी महत्वपूर्ण होगा।' उन्होंने और ज्यादा आर्थिक विकास की अपील की क्योंकि पश्चिम एशिया में युद्ध की जटिल स्थिति जारी है।

गाजा में घुसी इजरायल की सेना

जमीनी हमले में आतंकियों के ठिकाने ध्वस्त, अटैक के बाद टैंक सुरक्षित लौटे

गाजा, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। इजरायल डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) जल्द ही गाजा पर जमीनी हमले करने वाली है। आईडीएफफ की तरफ से जो वीडियो शेयर किया गया है, उससे तो कम से कम यही लगता है। इजरायली सैनिकों और टैंकों ने गुरुवार को बृहस्पतिवार को उत्तरी गाजा में थोड़ी देर के लिए जमीनी हमला किया। सेना ने बताया कि दो सप्ताह से ज्यादा समय के विनाशकारी हवाई हमलों के बाद बड़े स्तर पर संभावित जमीनी हमले के लिए युद्धक्षेत्र तैयार करने के मकसद से यह कार्रवाई की गई थी। इसमें कई आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया गया है। यह हमला ऐसे वक्त में किया गया है जब संयुक्त राष्ट्र ने आगाह किया है कि गाजा पट्टी में ईंधन खत्म होने की कगार पर है। इससे उसे क्षेत्र में राहत प्रयास को रोकने के लिए मजबूर होना पड़ेगा। इजराइल-फलस्तीन के दशकों से चल आ रहे संघर्ष में गाजा में अभी हो रहा खूनखराबा अभूतपूर्व है। अगर इजरायल हमास के खात्मे के मकसद से जमीनी आक्रमण शुरू करता है तो गाजा में मृतकों की संख्या बढ़ सकती है।

इजरायल पर हुए हमले के लिए ईरान में 500 आतंकवादियों को दिया गया था प्रशिक्षण

वाशिंगटन, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। इजरायल और हमास के बीच संघर्ष को आज 20 दिन होने जा रहे हैं। दोनों तरफ से हुए हमलों में अब तक करीब आठ हजार लोगों की जान जा चुकी है। फिलहाल, युद्ध के थमने का कोई आसार नहीं दिख रहा है। इस बीच, एक बड़ा दावा किया जा रहा है कि सात अक्तूबर को इजरायल पर हमला करने से पहले हमास के सैकड़ों आतंकवादियों ने ईरान में एक विशेष प्रशिक्षण लिया गया था।

'द वॉल स्ट्रीट जर्नल ' में बुधवार को प्रकाशित एक रिपोर्ट में यह खुलासा किया गया है। अखबार ने इजरायल पर किए क्रूर नरसंहार के बारे में खुफिया जानकारी से परिचित लोगों का हवाला देते हुए बताया कि हमास और फलस्तीनी इस्लामिक जिहाद के 500 सदस्यों ने पिछले महीने ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स (आईआरजीसी) के नेतृत्व में प्रशिक्षण में भाग लिया था। इजरायल हमास की क्रूरता के पीछे लगातार ईरान का हाथ होने का आरोप लगा रहा है। इजरायल का मानना है कि ईरान की वजह से हमास उच्च तकनीक वाली

गाजा सीमा बाड़ को निष्क्रिय करने और अपने विनाशकारी हमले को अंजाम देने के लिए सीमा पार स्ट्रीमिंग करने में सफल रहा है। इसकी वजह से ही आतंकवादी कम से कम 224 लोगों को बंधक बनाने में सफल हो पाए। हालांकि, वहीं ईरान ने हमास के हमले का स्वागत किया है, लेकिन इस बात से इनकार भी किया है कि हमले की योजना में उसकी कोई भूमिका थी। रिपोर्ट के अनुसार, कुद्स फोर्स के प्रमुख ईरानी ब्रिगेडियर जनरल इस्माइल कानी ने आईआरजीसी के नेतृत्व में प्रशिक्षण गतिविधियों में भाग लिया। बता दें, रिपोर्ट प्रकाशित होने से कुछ घंटे पहले, आईडीएफ के प्रवक्ता रियर एडमिरल डैनियल हगारी ने हमले की योजना बनाने में मदद करने के लिए सीधे ईरान पर अंगुली उठाई थी। हगारी ने बुधवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि ईरान ने युद्ध से पहले हमास को प्रशिक्षण, हथियारों, धन और तकनीकी जानकारियों की आपूर्ति के साथ सीधे सहायता प्रदान की थी।

उन्होंने कहा, 'अब भी हमास को ईरान से सहायता मिल रही है। ईरान लगातार आतंकवादियों को इजरायल की खुफिया जानकारी दे रहा है।' द वॉल स्ट्रीट जर्नल ने हमास और लेबनान के ईरान समर्थित हिजबुल्लाह के वरिष्ठ सदस्यों का हवाला देते हुए यह भी बताया है कि ईरान के सुरक्षा अधिकारियों ने सात अक्तूबर से पांच दिन पहले ही हमले के लिए हरी झंडी दे दी थी।

कतर ने 8 पूर्व भारतीय नौसैनिकों को सुनाई सजा-ए-मौत

दोहा, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। कतर की एक अदालत ने भारत के 8 पूर्व नौसैनिकों को मौत की सजा सुनाई है। ये एक साल से कतर की अलग-अलग जेलों में कैद हैं। हिंदुस्तान टाइम्स की रिपोर्ट के मुताबिक भारत सरकार ने इस पर हैरानी जाहिर की है। उन्हें छुड़ाने के लिए कानूनी रास्ते खोजे जा रहे हैं। विदेश मंत्रालय की तरफ से जारी बयान में कहा है कि हम जजमेंट की डिटेलिंग का इंतजार कर रहे हैं। कतर में जिन 8 पूर्व नौसेना अफसरों को मौत की सजा दी गई है उनके नाम हैं- कैप्टेन नवतेज सिंह गिल, कैप्टेन सौरभ वशिष्ठ, कैप्टेन बीरेंद्र कुमार वर्मा, कमांडर पूर्णेन्दु तिवारी, कमांडर सुग्नाकर पकाला, कमांडर संजीव गुप्ता, कमांडर अमित नागपाल और सेलर रागेश।

कतर की इंटेलिजेंस एजेंसी के स्टेट सिक्योरिटी ब्यूरो ने इंडियन नेवी के 8 पूर्व अफसरों को 30 अगस्त 2022 को गिरफ्तार किया। हालांकि भारतीय दूतावास को सितंबर के मध्य में पहली बार इनकी गिरफ्तारी के बारे में बताया गया।

अमेरिका में 3 जगह गोलीबारी, 22 लोगों की मौत

ल्यूइस्टन, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। अमेरिका के ल्यूइस्टन, मेन के एक रेस्टोरेंट में बुधवार की रात मास शूटिंग में 22 लोगों की मौत हो गई है। करीब 60 घायल हो गए हैं। इनमें से कई की हालत गंभीर है। सीएनएन के मुताबिक, पुलिस ने लोगों से छिपने के लिए कहा है, क्योंकि अभी तक हमलावर पकड़ा नहीं गया है। उसके इलाके में छिपे होने की खबर है। इसका नाम रॉबर्ट कार्ड बताया जा रहा है।

हमलावर ने ऐसा क्यों किया, इसका पता नहीं चल पाया है, लेकिन उसकी तस्वीर सामने आ गई है। वह हाथ में गन लेकर फायर करके जाते हुए दिख रहा है। पुलिस के मुताबिक, गोलीबारी 3 जगह रात करीब 8 बजे हुई, जब लोग परिवार और दोस्तों के साथ मौजूद थे। एंड्रोस्कोगिन काउंटी शेरिफ ने ऑफिशियल फेसबुक पेज पर हमलावर की दो तस्वीरें पोस्ट की हैं और लिखा है कि वह फरार है। सन जर्नल के मुताबिक इस शख्स ने तीन अलग-अलग कमर्शियल सेंटर्स में गोलीबारी की। इनमें स्पेयरटाइम रिक्रिएशन, स्कीमेंजीस बार एंड ग्रिल रेस्तरां और एक वॉलमार्ट सेंटर शामिल है। व्हाइट हाउस ने बताया कि अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने मेन के गवर्नर जेनेट मिल्स, सांसद और अधिकारियों ने मामले पर चर्चा की। उन्होंने हर तरह से मदद का आश्वासन दिया है। दूसरी तरफ, ल्यूस्टन से करीब 8 मील की दूरी पर लिस्बन शहर में पुलिस को हमलावर की कार खड़ी होने की जानकारी मिली है। ये देखते हुए लिस्बन में सभी लोगों को घर के अंदर ही रहने की सलाह दी गई है। ल्यूइस्टन सिटी काउंसिल रॉबर्ट मैक्कार्थी का घर घटनास्थल से कुछ ही दूरी पर है। उन्होंने बताया- ये बहुत ही डराने वाली घटना थी। हमने अपने घरों के दरवाजे बंद करके अपनी रक्षा के लिए बंदूक उठा ली थी। हम बस यही सुनने का इंतजार कर रहे थे कि हमलावर पकड़ा गया है। हमारी संवेदनाएं उनके साथ हैं जो गोलीबारी में मारे गए हैं।

नागरिकों के बंदूक रखने के मामले में अमेरिका दुनिया में सबसे आगे है। स्विट्जरलैंड के स्मॉल आर्म्स सर्वे यानी एसएएस की रिपोर्ट के मुताबिक, दुनिया में मौजूद कुल 85.7 करोड़ सिविलियन गन में से अकेले अमेरिका में ही 39.3 करोड़ सिविलियन बंदूक मौजूद हैं। दुनिया की आबादी में अमेरिका का हिस्सा 5% है, लेकिन दुनिया की कुल सिविलियन गन में से 46% अकेले अमेरिका में हैं।

अक्टूबर 2020 के गैलप सर्वे के मुताबिक, 44% अमेरिकी वयस्क उस घर में रहते हैं, जहां बंदूकें हैं। इनमें से एक तिहाई वयस्कों के पास बंदूकें हैं। 2019 की एक रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका में 63 हजार लाइसेंस्ड गन डीलर थे, जिन्होंने उस साल अमेरिकी नागरिकों को 83 हजार करोड़ रुपए की बंदूकें बेची थीं।

अमेरिका 231 साल बाद भी अपने गन कल्चर को खत्म नहीं कर पाया है। इसकी दो वजहें हैं। पहली- कई अमेरिकी राष्ट्रपति से लेकर वहां के राज्यों के गवर्नर तक इस कल्चर को बनाए रखने की वकालत करते रहे हैं। दूसरी- गन बनाने वाली कंपनियां, यानी गन लॉबी भी इस कल्चर के बने रहने की प्रमुख वजह है।

भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारा हो सकता है इजरायल-हमास संघर्ष की वजह

वॉशिंगटन, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने इजरायल-हमास संघर्ष को लेकर बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारे को लेकर हाल ही में जी-20 सम्मेलन के दौरान हुआ एलान भी हमास की तरफ से इजरायल पर अचानक किए गए हमले का एक कारण हो सकता है। गौरतलब है कि यह परियोजना चीन के बेल्ट एंड रोड परियोजना को चुनौती देने वाली साबित हो सकती है। हालांकि युद्ध की वजह से तीन अलग-अलग भू-क्षेत्रों को जोड़ने वाली इस परियोजना पर फिलहाल रोक लग गई है। बीते सात अक्तूबर को ही हमास के आतंकियों ने अचानक इजरायल पर हमला बोला था और 1400 से ज्यादा लोगों को मार दिया था। इतना ही नहीं हमास ने कई लोगों को बंधक भी बना लिया। हमास के इस हमले के बाद इजरायल ने गाजा पट्टी पर हमले किए हैं और इनमें अब तक 6500 से ज्यादा की मौत हो चुकी है।

क्या बोले अमेरिकी राष्ट्रपति?

अमेरिकी राष्ट्रपति ने ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज के साथ एक साझा प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि उनका यह विश्लेषण सिर्फ उनकी समझ पर आधारित है, हालांकि इसे लेकर उनके पास कोई सबूत नहीं है। उन्होंने कहा कि मैं इस बात को लेकर लगभग यकीन में हूं कि जिस तरह हम क्षेत्रीय तौर पर साथ बढ़ा रहे हैं और इजरायल भी इसमें शामिल है, तो यह तय है कि हम अब पीछे नहीं हट सकते। इस हफ्ते यह दूसरी बार है, जब बाइडन ने हमास की ओर से इजरायल के खिलाफ जंग छेड़े जाने के पीछे भारत-मध्य पूर्व-यूरोपीय आर्थिक गलियारे को वजह बताया है।

गौरतलब है कि इस बार भारत में हुई जी-20 समिट में पीएम मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने एलान किया था कि भारत-मध्य पूर्व-यूरोप कनेक्टिविटी कॉरिडोर जल्द ही लॉन्च किया जाएगा। यह भारत, यूएई, सऊदी अरब, ईयू, फ्रांस, इटली, जर्मनी और अमेरिका को शामिल करते हुए कनेक्टिविटी और बुनियादी ढांचे को लेकर सहयोग पर एक पहल होगी।

अंतरराष्ट्रीय अपराध हो सकता है रोहिंग्याओं द्वारा हिंदुओं का नरसंहार

म्यांमार, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। म्यांमार में रोहिंग्या समूह द्वारा 99 हिंदुओं का नरसंहार अंतरराष्ट्रीय अपराध की श्रेणी में आ सकता है। यह बात वहां गंभीर मानवाधिकार उल्लंघनों की जांच कर रहे संयुक्त राष्ट्र के एक अधिकारी ने कही।

म्यांमार के लिए स्वतंत्र जांच तंत्र (आईआईएमएम) के प्रमुख निकोलस कौमजियान से एमनेस्टी इंटरनेशनल ने साल 2017 में हुए अत्याचार के बारे में पूछा। इस पर कौमजियान ने कहा कि जिस घटना के बारे में आप बात कर रहे हैं, वो वास्तव में बहुत गंभीर है। करीब 100 लोगों का नरसंहार स्पष्ट रूप से बहुत डरावना है और यह अंतरराष्ट्रीय अपराध की श्रेणी में आ सकता है।

एमनेस्टी इंटरनेशनल द्वारा नरसंहार की पुष्टि करने के तीन साल बाद संयुक्त राष्ट्र (यूएन) का बयान आया है। हालांकि, यह महत्वपूर्ण है कि हिंदुओं के खिलाफ कई अपराधों में से सिर्फ एक को स्वीकार करने वाला यूएन का यह पहला बयान है। एक पत्रकार ने संयुक्त राष्ट्र के जांचकर्ता से पूछा, 'क्या आप राज्य में बदमाशी तत्वों द्वारा किए अन्य अपराधों की भी जांच कर रहे हैं। जैसे- एमनेस्टी इंटरनेशनल ने अगस्त 2017 में 99 हिंदुओं के नरसंहार की पुष्टि की थी। क्या आपके पास इस बारे में रिपोर्ट करने के लिए कुछ है?'

उन्होंने कहा, 'हम गैर-राज्य तत्वों की कार्रवाइयों पर नजर रख रहे हैं और वह विशेष घटना बहुत गंभीर और ध्यान देने योग्य है। जिस घटना के बारे में आप बात कर रहे हैं, हम उसके बारे में अच्छी तरह से जानते हैं। हालांकि, मैं इसमें नहीं जाऊंगा क्योंकि मैं उन सभी घटनाओं को सूचीबद्ध नहीं करता हूं जिन पर हम काम कर रहे हैं।' एमनेस्टी इंटरनेशनल के अनुसार, अराकन रोहिंग्या साल्वेशन आर्मी (एआरएसए) ने अगस्त 2017 में म्यांमार के राखीन राज्य के अंदर 99 हिंदुओं - महिलाओं, पुरुषों और बच्चों की हत्या कर दी थी और कई हिंदू ग्रामीणों का अपहरण कर लिया था।

गहलोत बोले-टिड्डी दल के जैसे ईडी का उपयोग कर रहे

हम डरेंगे नहीं, कल पांच गारंटी राजस्थान को और देने जा रहे हैं

जयपुर, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के ठिकानों पर ईडी के छापों और उनके बेटे वैभव को समन के बाद सीएम अशोक गहलोत ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। सीएम गहलोत ने कहा- केंद्र सरकार जांच एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही है। ये लोग टिड्डी दल की तरह ईडी का उपयोग कर रहे हैं।

गहलोत ने कहा- यह मामूली बात नहीं है। डोटासरा और वैभव गहलोत के खिलाफ कोई केस नहीं है। बिना केस के छापे नहीं मारे जाते।

वैभव गहलोत को समन के बारे में गहलोत ने कहा- मैं करीब पांच-दस साल से सुन रहा हूं कि उसके खिलाफ शिकायत की गई है। कल ईडी का समन आया कि 26 अक्टूबर को हाजिर हो जाओ। हम इन लोगों से डरने वाले नहीं हैं, कल 5 गारंटी राजस्थान को और देने जा रहे हैं।

अशोक गहलोत ने केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र शेखावत पर बड़ा आरोप लगाते हुए कहा कि शेखावत के खिलाफ इथियोपिया में इन्वेंस्टमेंट की शिकायत हुई। एसओजी बार-बार ईडी से कार्रवाई के लिए रिक्वेस्ट कर रही है , लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की।

सीएम अशोक गहलोत ने कहा- सीबीआई, ईडी, इनकम टैक्स जैसी देश की प्रीमियम एजेंसियों की साख नहीं रहेगी तो क्या बचेगा? इन एजेंसियों की क्रेडिबिलिटी होती थी। आज उल्टा हो रहा है। आज जो स्थिति है वह चिंताजनक स्थिति है। सवाल मेरे बेटे और पीसीसी चीफ के ठिकानों पर छापों का नहीं है। सवाल इन एजेंसियों की साख का है। इन एजेंसियों ने पूरे देश में आतंक मचा रखा है। छत्तीसगढ़ में तो ईडी के अफसरों ने पिछले 6-7 महीने से वहीं पर किराए पर मकान ले लिए हैं। वहीं पर सेटल हो गए हैं क्योंकि रोज कार्रवाई करनी पड़ रही है।

गहलोत ने कहा- पार्टी के मुखिया पर छापा मायने रखता है। कोई केस दर्ज नहीं, कोई शिकायत नहीं, उसके बावजूद सीधे छापा डाल दिया। जो शिकायत करने वाले हैं किरोड़ी मीणा, उनकी खुद की क्रेडिबिलिटी क्या है? जिनका

काम-धंधा यही है। किरोड़ी मीणा को एक टिकट लेने के खातिर साल भर से यही काम दे रखा था कि आप ईडी में शिकायतें कीजिए।

गहलोत ने कहा- किरोड़ी मीणा लॉकर के अंदर जाकर धरने पर बैठ गए कि अंदर 500 करोड़ पड़े हैं। कल हमारा कोई नेता जाकर धरना देगा कि फलां जगह 800 करोड़ रुपए हैं, क्या ईडी आएगी? गणपति प्लाजा के लॉकर्स मामले में ईडी का क्या काम था वहां? यह इनकम टैक्स डिपार्टमेंट का काम था।

गहलोत ने कहा- गोविंद सिंह डोटासरा किसान का बेटा है। जब से राजनीति में आया है, दिन-रात लगा हुआ है। विधानसभा में भी हर वर्ग की आवाज उठाने में कोई कमी नहीं रखी। हमारी गवर्नेंस को जिस तरह उन्होंने डिफेंड किया है, उस तरह कोई कर नहीं सकता, इसलिए उनको निशाना बनाया गया है। उनको टारगेट किया गया है। उसकी जितनी निंदा की जाए, वह कम है।

गहलोत ने कहा- वैभव गहलोत को ईडी का जो समन आया, उस पर 19 तारीख लगी हुई है। यह क्या मजाक है? हम घबराने वाले नहीं हैं। कांग्रेस पार्टी का कोई नेता घबराने वाला नहीं है। ये कितना ही ईडी-इनकम टैक्स का दुरुपयोग करें। हमारे यहां पाकिस्तान से जिस तरह टिड्डी दल आता है, सब कुछ चट कर जाता है, फसलों को चौपट कर देता है। ईडी ने भी टिड्डी दल की तरह ही हमला किया है।

गहलोत ने कहा- यूपीए राज में 2004 से 2014 के बीच ईडी ने 108 सर्च की। ये सर्च सही शिकायतों के आधार पर की गई थीं। उस वक्त 108 में से 104 के खिलाफ चालान पेश किए गए थे। एनडीए सरकार के नौ साल के कार्यकाल में 3010 छापे डाले गए। इनमें से केवल 881 मामलों में चार्जशीट पेश की, जो केवल 39% है। यूपीए सरकार में 93% चालान होते थे।

कोई बीजेपी में जाता है तो वह दूध का धुला हो जाता है। अजीत पवार के बारे में पीएम ने क्या-क्या आरोप नहीं लगाए। वह महाराष्ट्र में सरकार में शामिल हुए। उन्हें डिप्टी सीएम और वित्त मंत्री बना दिया। जिनके ऊपर आरोप थे, उनको वित्त मंत्री बनाने को क्या कहेंगे? कांग्रेस के प्रदेश प्रभारी सुखजिंदर सिंह रंधावा ने कहा- भाजपा को अपने कमल के निशान में ईडी और इनकम टैक्स को भी शामिल कर लेना चाहिए। राजस्थान में बीजेपी का प्रचार करने के लिए ईडी आई है। क्या ईडी मध्य प्रदेश और हरियाणा में नहीं जा सकती। वहां पर उनके नेताओं पर आरोप हैं। केवल कांग्रेस शासित राज्यों में ही ईडी के छापे क्यों पड़ रहे हैं।

पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने भी ईडी के छापों पर कहा कि इन छापों से हम डरने वाले नहीं हैं। इससे राजस्थान में भाजपा की घबराहट दिख रही है।

हेमाराम चौधरी का चुनावी राजनीति से रिटायरमेंट!

वन मंत्री ने खड़गे को लेटर लिखा; कहा- मेरी जगह किसी युवा को टिकट दें

बाड़मेर, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। वन एवं पर्यावरण मंत्री हेमाराम चौधरी ने कांग्रेस राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को लेटर लिखकर अपनी जगह किसी युवा नेता को टिकट देने की मांग की है। हालांकि, वे सार्वजनिक मंच से कई बार इसकी घोषणा कर चुके हैं। अब उन्होंने गुरुवार को लेटर लिख कर पार्टी को अपनी मंशा जता दी है।

उन्होंने अपने लेटर में लिखा- पार्टी ने मुझे 6 बार मौका दिया और अब मैं जीवन के ऐसे पड़ाव पर हूं जहां मैं सक्रिय राजनीतिक में हिस्सा नहीं ले पाऊंगा। वरिष्ठ नेता का कर्तव्य है कि वह युवाओं को राजनीति में आने के लिए स्थान दें।

राजस्थान में कांग्रेस प्रत्याशियों की तीसरी लिस्ट कभी भी जारी हो सकती है। इसी बीच फिर से गुड़ामालानी विधायक और वन एवं पर्यावरण मंत्री हेमराम चौधरी ने चुनाव नहीं लड़ने की बात दोहराई है। चौधरी ने यह लेटर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर शेयर किया है।

इससे पहले 17 अक्टूबर को उन्हें मनाने के लिए गुड़ामालानी के स्थानीय कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों ने एक मीटिंग भी

की थी। जिसमें उन्होंने साफ कहा था- मैं चुनाव नहीं लड़ूंगा अगर फिर भी आप लोग जिद करते हैं तो मैं अन्न-जल त्याग दूंगा।

सक्रिय राजनीतिक जीवन के लिए असमर्थ हूं: चौधरी

मंत्री हेमाराम चौधरी ने लेटर में लिखा- पार्टी ने मुझे 6 बार विधानसभा के सदस्य के रूप में जनता की सेवा करने का अवसर दिया। इसके अलावा राज्य सरकार के मंत्री मंडल का हिस्सा बनकर पूरे प्रदेश की सेवा करने मौका दिया। अब मैं जीवन के ऐसे पड़ाव पर खड़ा हूं जहां मैं खुद को सक्रिय राजनीतिक जीवन के लिए पूरी तरह से समर्पित करने में असमर्थ हूं। मैंने हमेशा माना है कि जिस तरह पार्टी ने मुझे कम उम्र में बड़ी जिम्मेदारी दी थी, वैसे ही मुझे आगे आने वाली पीढ़ी को मौका देना चाहिए।

किसी युवा को स्थान देना वरिष्ठ नेता का कर्तव्यः वन मंत्री

चौधरी ने लिखा- मेरा अपना मानना है कि प्रत्येक उम्रदराज और वरिष्ठ नेता की नैतिक जिम्मेदारी है कि वह युवा नेताओं को प्रेरित करें, उन्हें राजनीति में स्थान दे, और उन्हें आगे बढ़ने का मौका दे। अगर इस एहसास के बावजूद मैं चुनाव लड़ना जारी रखता हूं तो यह राजस्थान की जनता और कांग्रेस पार्टी के साथ बहुत बड़ा अन्याय होगा। चिट्ठी में लिखा कि आगामी चुनाव में मैं प्रत्याशी के रूप में नहीं, बल्कि एक साधारण कांग्रेस कार्यकर्ता के रूप में हिस्सा लूंगा।

कांग्रेस ने राजस्थान में अब तक 43 और 33 नामों की दो लिस्ट जारी की है। लेकिन गुड़ामालानी विधानसभा सीट पर टिकट फाइनल नहीं की है। गुड़ामालानी क्षेत्र में हेमाराम चौधरी के अलावा पार्टी के पास कोई दूसरा मजबूत उम्मीदवार नजर नहीं आ रहा है। हालांकि, ताजाराम चौधरी गुड़ामालानी सीट से दावेदारी जता रहे हैं।

बीजेपी की चुनाव आयोग से सीएस को हटाने की मांग

कहा- सरकार के पक्ष में कर सकती हैं पद का दुरुपयोग, चुनाव प्रक्रिया से दूर रखने की मांग

जयपुर, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रदेश की मुख्य सचिव उषा शर्मा को राज्य सरकार से उपकृत होना बताकर बीजेपी ने उन्हें तुरंत कार्यमुक्त करने की मांग की हैं। इसे लेकर नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ के नेतृत्व में बीजेपी के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्य निर्वाचन अधिकारी को ज्ञापन सौंपा।

नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने कहा कि चुनाव आयोग की ओर से समय समय पर जारी किए परिपत्रों में निर्देशित किया गया है कि जिन अधिकारियों का सेवाकाल बढ़ाया गया है, वो चुनाव संबंधित किसी भी कार्य से जुड़े नहीं रह सकते। मुख्य सचिव का कार्यकाल 6 महीने बढ़ाकर सरकार ने उन्हें उपकृत किया है।

मुख्य सचिव कर सकती हैं पद का दुरुपयोग

ज्ञापन में बीजेपी की ओर से

कहा गया है कि राजस्थान में चुनाव के समय आचार संहिता की पालना में मुख्य सचिव की मुख्य भूमिका रहती है। चुनाव आयोग की ओर से जो स्क्रीनिंग कमेटी बनाई गई है, उसमें पूरा नियंत्रण चेयरमैन के तौर पर मुख्य सचिव के पास ही रखा गया है। इस कमेटी में विभिन्न विभागों के अधिकारी भी शामिल है।

उन्होंने कहा कि मुख्य सचिव उषा शर्मा सेवाकाल बढ़ाए जाने के कारण सरकार से उपकृत अधिकारी हैं। इसके कारण वर्तमान पद पर रहते हुए उनके द्वारा निष्पक्ष रूप से काम नहीं करने और उपकृत करने वाले राजनीतिक दल के पक्ष में अपने पद का दुरूपयोग किए जाने की संभावना है। इसके चलते तत्काल प्रभाव से उषा शर्मा को कार्यमुक्त किया जाए और आचार संहिता लागू होने के बाद उनके किए गए निर्णयों को भी शून्य घोषित किया जाए। इसके लिए भाजपा का एक प्रतिनिधिमंडल जल्द ही भारत के मुख्य चुनाव आयुक्त को भी ज्ञापन सौंपेगा।

प्रियंका गांधी के मामले में भी दोहराई कार्रवाई की मांग

नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ ने कहा कि चुनाव आयोग के स्पष्ट निर्देश हैं कि चुनाव प्रचार के दौरान कोई भी नेता धार्मिक आधार पर देवी-देवताओं की पूजा-अर्चना पर टिप्पणी नहीं करेगा, लेकिन पिछले दिनों प्रियंका वाड्रा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर जो टिप्पणी की थी, वह आचार संहिता का उल्लंघन थी। इसको लेकर चुनाव आयोग को ज्ञापन सौंपा गया था, लेकिन अब तक उस मामले में कोई कार्रवाई नहीं की गई है।

प्रतिनिधिमंडल में राठौड़ के साथ चुनाव प्रबंधन समिति के संयोजक नारायण पंचारिया, प्रदेश उपाध्यक्ष श्रवण सिंह बगड़ी, चुनाव प्रबंधन समिति के सह संयोजक राजेन्द्र सिंह शेखावत और प्रदेश प्रवक्ता लक्ष्मीकांत भारद्वाज शामिल रहे।

जयपुर शहर में बीजेपी की राह आसान नहीं

2 सीटों पर घोषित प्रत्याशियों का विरोध, 4 सीटों पर जिताऊ उम्मीदवार की तलाश

जयपुर, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। जयपुर शहर की 8 विधानसभा सीटों पर बीजेपी राह आसान नजर नहीं आ रही है। अब तक जारी 2 लिस्टों में बीजेपी ने जयपुर शहर की 8 में से 4 सीटों पर प्रत्याशी घोषित किए हैं। बीजेपी ने झोटवाड़ा से राज्यवर्धन सिंह राठौड़, विद्याधर नगर से दीया कुमारी, सांगानेर से भजनलाल शर्मा और मालवीय नगर सीट से कालीचरण सराफ को प्रत्याशी घोषित किया है।

घोषित 4 प्रत्याशियों में से 2 प्रत्याशियों को लेकर विरोध जारी है। इसके अलावा जिन 4 सीटों पर अभी बीजेपी ने प्रत्याशियों की घोषणा नहीं की है। उन सीटों पर बीजेपी के लिए जिताऊ उम्मीदवार की घोषणा किसी चुनौती से कम नहीं है।

बीजेपी ने पहली लिस्ट में जयपुर शहर की दो विधानसभा सीटों पर

प्रत्याशियों की घोषणा की थी। शहर की झोटवाड़ा विधानसभा सीट से बीजेपी ने सांसद कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ और विद्याधर नगर सीट से सांसद दीया कुमारी को प्रत्याशी बनाया था, लेकिन दोनों ही सीटों पर प्रत्याशियों का विरोध शुरू हो गया था।

झोटवाड़ा में पूर्व मंत्री राजपाल सिंह शेखावत के समर्थक विरोध में उतर गए, जबकि विद्याधर नगर सीट से टिकट कटने पर विधायक नरपत सिंह राजवी ने नाराजगी जाहिर की थी। इसके बाद पार्टी ने दूसरी लिस्ट में राजवी को चित्तौड़गढ़ से टिकट देकर विद्याधर नगर के विवाद को पूरी तरह से खत्म कर दिया है, लेकिन अब सांगानेर की सीट पर विवाद खड़ा हो गया है। यहां से मौजूदा विधायक अशोक लाहोटी का टिकट कटने से नाराज उनके समर्थक विरोध में उतर आए हैं। लाहोटी के समर्थक भजन लाल शर्मा को बाहरी बताकर इनका विरोध कर रहे हैं।

शहर की जिन 4 सीटों पर बीजेपी ने प्रत्याशियों की घोषणा नहीं की हैं। वो चार सीटें सिविल लाइन्स, हवामहल, किशनपोल और आदर्श नगर हैं। इन चारों सीटों पर ही बीजेपी को जिताऊ प्रत्याशी की तलाश है। सिविल लाइन विधानसभा सीट को छोड़ भी दिया जाए तो बीजेपी के लिए किशनपोल, हवामहल और आदर्श नगर सीट पर जिताऊ प्रत्याशी तलाशना किसी चुनौती से कम नहीं हैं। ये तीनों सीटें ही अल्पसंख्यक बाहुल्य सीटें हैं। यहां अल्पसंख्यक वोटर किसी भी प्रत्याशी की हार और जीत तय करेगा। बीजेपी ने राजस्थान में पिछले चुनाव में यूनुस खान के अलावा किसी भी सीट पर मुस्लिम प्रत्याशी नहीं उतारा था।

पिछले विधानसभा चुनावों की बात करें तो बीजेपी जयपुर शहर की 8 में से 5 सीटों पर चुनाव हार गई थी और सिर्फ 3 सीट पर जीत मिली थी। इन तीनों सीटों पर बीजेपी ने प्रत्याशियों की घोषणा कर दी है, लेकिन हारने वाली 5 में से 4 सीटों पर बीजेपी को अभी प्रत्याशी घोषित करने हैं।

सीपी बोले- कांग्रेस पार्टी भ्रष्टाचार का लिफाफा

जिसमें भरा कालाधनःप्रियंका वाड्रा की चुनावी घोषणा, थोथा चना बाजे घना जैसी

जयपुर, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। प्रियंका गांधी वाड्रा के झुंझुनूं की सभा में की गई घोषणाओं को लेकर बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने तंज कसा। जोशी ने कहा कि प्रियंका गांधी वाड्रा की घोषणाएं थोथा चना बाजे घना सिद्ध होने वाली हैं। पिछले चुनावों में राहुल गांधी ने किसानों की कर्ज माफी का झूठा वादा किया था। इस बार ऐसे झूठे वादे करने के लिए प्रियंका गांधी वाड्रा को भेजा है, लेकिन अब जनता इनके झांसे में नहीं आने वाली हैं।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी ने कहा कि प्रियंका वाड्रा लिफाफों की बात करती है। कांग्रेस पार्टी भ्रष्टाचार का लिफाफा है, जिसमें कालाधन भरा हुआ है और यह जनता के लिए खाली है। राजनीति में इनका लक्ष्य जनता की सेवा नहीं, सिर्फ लिफाफा प्राप्त करना रहा है। जोशी ने कहा- थोथी घोषणाएं करके जनता को आकृष्ट करते हैं और

चुनाव के कुछ महीने पहले राहत की योजनाएं लाकर चुनाव जीतने का प्रयास करते हैं। जनता समझदार है, वह इनकी असलियत जानती है। प्रधानमंत्री पर 21 रुपए के लिफाफे के झूठे आरोप लगाने वाली प्रियंका वाड्रा उनकी देवनारायण भगवान के प्रति भक्ति पर टिप्पणी करके सनातन धर्म का अपमान कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री पर 21 रुपए के लिफाफे के झूठे आरोप लगाने वाली प्रियंका वाड्रा उनकी देवनारायण भगवान के प्रति भक्ति पर टिप्पणी करके सनातन धर्म का अपमान कर रही है।

प्रियंका गांधी के दौरे को लेकर बीजेपी सांसद और राष्ट्रीय प्रवक्ता कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ ने कहा कि प्रियंका गांधी नारा देती है मैं लड़की हूं लड़ सकती हूं, लेकिन उनका यह नारा खोखला साबित हो रहा है। प्रियंका महिलाओं पर गिद्ध राजनीति कर रही हैं। कहीं पर भी कोई महिलाओं से जुड़ा मामला होता है तो गिद्ध की नजरों से देखकर वहां पहुंचकर मीडिया इकट्ठा करती है, लेकिन राजस्थान में जब 35000 महिलाओं के साथ दुष्कर्म हुआ तो यहां पर उनकी तीखी नजर क्यों नहीं पड़ी। क्या राजस्थान की महिला कांग्रेस पार्टी के लिए सम्मान की पात्र नहीं है।

वैभव गहलोत बोले- हम भागने वाले नहीं, जवाब देंगे

ईडी के समन पर कहा- 12 साल पहले जवाब दे चुका, अब चुनावों में क्यों याद आया?

जयपुर, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। सीएम अशोक गहलोत के बेटे और आरसीए अध्यक्ष वैभव गहलोत को प्रवर्तन निदेशालय(ईडी) ने फॉरेन एक्सचेंज रेगुलेटरी एक्ट (फेमा) के उल्लंघन के मामले में समन देकर पूछताछ के लिए बुलाया। वैभव गहलोत ने ईडी से पूछताछ के लिए पेश होने का और समय मांगा है। वैभव गहलोत ने ईडी का नोटिस मिलने के मामले में तल्ख तेवर दिखाते हुए कहा- आज से 12-13 साल पहले भी यही आरोप लगाए गए थे। उनका उसी समय जवाब दे दिया था। अब 12-13 साल बाद फिर उन्हीं बातों को लेकर नोटिस आया है। प्रदेश की जनता समझती है कि चुनाव से पहले यह मामला क्यों लाया गया है? वैभव गहलोत गुरुवार को फतेहपुर (सीकर) में एक कार्यक्रम के दौरान बोल रहे थे। वैभव ने कहा- जनता इन सब चीजों को समझ रही है। क्यों चुनाव आचार संहिता लगने के बाद ही इन्हें इतने साल पुराना मामला याद आया है। हम डरने वाले नहीं है और भागने वाले नहीं हैं। हर सवाल का जवाब देंगे। उन्होंने कहा-आज जब मैं जयपुर से रवाना हो रहा था तो मालूम पड़ा कि प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के निवास पर ईडी के छापे पड़े हैं। कांग्रेस की सरकार को टारगेट किया जा रहा है, इसी कड़ी में प्रदेश अध्यक्ष पर छापे डाले गए हैं।

आज 4 जिलों में हो सकती है बारिश

2 दिन रहेगा पश्चिमी विक्षोभ का असर; बाड़मेर में रात का तापमान 20 डिग्री सेल्सियस से नीचे

जयपुर, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान में शुक्रवार को बारिश हो सकती है। पाकिस्तान की तरफ से एक हल्के प्रभाव का पश्चिमी विक्षोभ आ रहा है। इस सिस्टम के असर से कल शाम बीकानेर संभाग के 4 जिलों में हल्के बादल छा सकते हैं। आज देर शाम या रात में कहीं-कहीं बूंदाबांदी हो सकती है।

मौसम केंद्र जयपुर के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया- राज्य के अधिकांश हिस्सों में अगले एक सप्ताह मौसम साफ रहने की संभावना है। 27-28 अक्टूबर को एक कमजोर पश्चिमी विक्षोभ का प्रभाव पश्चिमी राजस्थान के बीकानेर, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़ और चूरू में देखने को मिल सकता है। इन जिलों में कहीं-

कहीं बादल छाने के साथ बूंदाबांदी हो सकती है। 27 अक्टूबर शाम से यह सिस्टम एक्टिव होगा।

बाड़मेर में तापमान 20 डिग्री सेल्सियस से नीचे आया

हल्की सर्दी की शुरुआत हो चुकी है। बाड़मेर जैसे गर्म इलाके में कल न्यूनतम तापमान 20 डिग्री सेल्सियस से नीचे चला गया। यह बाड़मेर में इस सीजन की पहली रात है जब तापमान 19.4 डिग्री सेल्सियस पर पहुंचा हो। बाड़मेर के अलावा कल रात जोधपुर, जयपुर, श्रीगंगानगर और चूरू में भी तापमान 20 डिग्री सेल्सियस से नीचे दर्ज हुआ। इधर, शेखावाटी के सीकर जिले में पारा कल रात 13, पिलानी में 15.7 और भीलवाड़ा में 14.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ।

दिन का तापमान सामान्य से नीचे आया

राजस्थान के अजमेर, चूरू, गंगानगर, सीकर समेत अन्य शहरों में दिन में भी अब तापमान कम होने लगा है। यहां कल अधिकतम तापमान सामान्य से कम दर्ज हुआ। कल श्रीगंगानगर में अधिकतम तापमान 31.9, सीकर में 31, पिलानी में 32.7, अजमेर में 31.9 और अलवर में 31.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ।

50 साल की महिला ने खुद का हाथ काटा

बोली- सास, ससुर, देवर व जेठ, पति हक नहीं देते; हसबैंड कमाता नहीं

अलवर, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। घर की संपत्ति में हक नहीं मिलने पर अलवर शहर में स्कीम 10 निवासी 50 साल की महिला ने धारदार हथियार से खुद का हाथ काट लिया। अब अस्पताल में इलाज जारी है। पुलिस को भी शिकायत दी है। महिला ने बताया कि 2003 में उसकी शादी भागीरथ के बेटे से हुई थी। पति कोई काम नहीं करता है।

महिला ने बताया- मैं प्राइवेट अस्पताल में 12 हजार रुपए की नौकरी करती हूं। ससुर के पास प्लाट व संपत्ति है। ससुर को पेंशन मिलती है। पति कुछ कमाता नहीं। बार-बार परिवार से हक मांगा। मेरे हक में एक प्लाट आता है, लेकिन सुनवाई नहीं होती। खूब शिकायत कर चुकी हूं। जब कहीं कोई सुनवाई नहीं हुई तो घर में हाथ काट लिया।

महिला ने कहा- अभी मेरे पास बच्चों की फीस के पैसे भी नहीं हैं। ससुर ने पहले कहा था कि पति के नाम पर अम्बेडकर नगर में प्लाट है, लेकिन मुझे प्लान नहीं दिया गया। पति सुनता नहीं। वह शराब पीता है। अब खुद अस्पताल में नौकरी करती हूं।

होर्डिंग लगाते समय करंट से पिता-पुत्र सहित तीन की मौत, परिवार पर टूटा दुखों का पहाड़

चूरू, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। रतनगढ़ में करंट की चपेट में आने से पिता-पुत्र सहित तीन जनों की मौत हो गई। इस हृदय विदारक घटना ने लोगों की आंखें नम कर दी। घटना की खबर सुनने वाला हर कोई अचंभित रह गया। चूरू जिले के रतनगढ़ में दर्दनाक हादसा सामने आया है। यहां करंट की चपेट में आने से पिता-पुत्र सहित तीन जनों की मौत हो गई। इस घटनाकी खबर सुनने वाला हर कोई अचंभित रह गया। बता दें कि बीते तीन दिनों में करंट से मौत की रतनगढ़ में यह दूसरी घटना है, जबकि दोनों ही घटनाओं में होर्डिंग लगाते समय मौत हुई थी।

घटना के अनुसार रतनगढ़ में चूरू रोड पर परमाणाताल के पास वेल्डिंग का काम करने वाला कालूराम लुहार नेशनल हाइवे 11 पर एक होर्डिंग लगा रहा था। 50 वर्षीय कालूराम के साथ उसका 21 वर्षीय पुत्र अनिल एवं दुकान पर काम करने वाला सिमसिया निवासी 25 वर्षीय सुरेश मेघवाल भी साथ था। नेशनल हाइवे पर पिलर रोपकर क्रेन की सहायता से जब होर्डिंग को ऊंचा किया, तो ऊपर से गुजर रही हाईटेंशन लाइन से लोहे का होर्डिंग टच हो गया तथा करंट दौड़ गया। जिससे पिता-पुत्र सहित दुकान पर काम करने वाला सुरेश भी करंट की चपेट में आ गया। वहीं इस घटना में क्रेन चालक बाल-बाल बच गया। सूचना पर डीवाईएसपी सतपालसिंह, सीआई सुभाष बिजारणियां मौके पर पहुंचे तथा तीनों को जिला अस्पताल लेकर आए, जहां पर डॉक्टरों ने तीनों को मृत घोषित कर दिया।

पड़ोसियों ने युवक को गोली मारी, मौत

घर के पास ही हमला; एक्स-रे में पेट में बुलेट दिखी तो खुला मामला

जयपुर, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। जयपुर में दिनदहाड़े युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। लोगों को सड़क पर वह लहूलुहान हालत में मिला। लगा कि उसका एक्सीडेंट हुआ है। उसे सवाई मान सिंह हॉस्पिटल पहुंचाया गया। यहां डॉक्टर्स ने जांच की तो पेट में गोली लगने का खुलासा हुआ। इसके बाद युवक के परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने बताया कि आशीष कुमावत (38) वैशाली नगर इलाके में कुमावतबाड़ी खातीपुरा का रहने वाला था। वह नगीनों का काम करता था। घर से काम के लिए निकला था। करधनी थाना इलाके में खिरनी फाटक के पास बाइक सवार बदमाशों ने उसे गोली मार दी। एक गोली आशीष के पेट में लगी, जिसके बाद वह सड़क पर गिर गया। आसपास के लोगों ने आशीष को सड़क पर लहूलुहान हालत में देखा तो एक्सीडेंट में घायल होना समझा। सवाई मानसिंह हॉस्पिटल में एक्स-रे करने पर डॉक्टरों को उसके पेट में गोली मिली।

पुलिस ने बताया- क्राइम सीन के आसपास जिन लोगों ने आशीष को उठाया था, उन लोगों से घटना को लेकर पूछताछ की गई। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया- घटना सुबह 10.30 बजे की है। इस पर पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगालने शुरू किए। इस दौरान बाइक सवार 2 लोग दिखाई दिए, जो उसी समय पर तेजी से मौके के पास से निकल रहे हैं। उन बाइक सवारों को पुलिस तलाश रही है। आशीष (मृतक) का भाई दीपक ने कहा- मेरे भाई को पड़ोसियों ने मरवाया है। वो पहले भी कई बार हमला करवा चुके हैं। इस संबंध में पुराने केस भी चल रहे हैं।

इंद्रसेन रेड्डी ने ली त्रिपुरा राज्यपाल के रूप में शपथ

हैदराबाद, 26 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। नल्लू इंद्रसेन रेड्डी ने गुरुवार सुबह अगरतला में त्रिपुरा राज्य के राज्यपाल के रूप में शपथ ली। त्रिपुरा उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति अपरेश कुमार सिंह ने रेड्डी को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। मनोनीत राज्यपाल दंपत्ति बुधवार को अगरतला पहुंचे।

मुख्यमंत्री डॉ. माणिक साहा, उनके कैबिनेट सहयोगियों, विधायकों, सांसदों, वरिष्ठ आईएएस और आईपीएस अधिकारियों ने अगरतला हवाई अड्डे पर जोड़े का स्वागत किया। नए राज्यपाल के सम्मान में वहां "गार्ड-ऑफ-ऑनर" आयोजित किया गया। इस अवसर पर, नल्लू इंद्रसेना रेड्डी ने अपनी नियुक्ति के लिए भारत के राष्ट्रपति, प्रधान मंत्री और केंद्रीय गृह मंत्री को धन्यवाद दिया। राज्यपालद्वय हवाई अड्डे से राजभवन पहुंचे।

शपथ ग्रहण समारोह के बाद इंद्रसेन रेड्डी ने राजभवन में मुख्यमंत्री डॉ. माणिक साहा और वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात की। बैठक के दौरान डॉ. माणिक साहा ने राज्य में क्रियान्वित की जा रही विभिन्न योजनाओं और कार्यक्रमों के बारे में बताया। सभा को संबोधित करते हुए, इंद्रसेना रेड्डी ने अधिकारियों से पारदर्शिता, जवाबदेही बनाए रखने और आम नागरिकों को भी सशक्त बनाने की दिशा में काम करने का आह्वान किया। इस अवसर पर कई जन प्रतिनिधियों एवं नेताओं ने राज्यपाल को बधाई दी. तेलुगु राज्यों के प्रशंसकों ने इंद्रसेना रेड्डी का माला पहनाकर स्वागत किया। बाद में राज्यपाल ने राजभवन में ''हाई टी'' का आयोजन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. माणिक साहा, साथी मंत्री, अधिकारी, न्यायाधीश और मीडियाकर्मी उपस्थित थे। राज्यपाल ने कार्यक्रम में आये सभी लोगों को धन्यवाद दिया।

पित्ती ट्रस्ट-अग्रवाल सेवा दल का 118वां नि:शुल्क मेगा मेडिकल कैंप 29 को

हैदराबाद, 26 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। बद्रीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट-अग्रवाल सेवा दल द्वारा यादव सेवा संघ हैदराबाद कामेडिकवर अस्पताल के सहयोग से118 वां निशुल्क मेडिकल कैम्प आगामी 29 अक्तूबर को सुबह 10 से दोपहर 2 बजे तक कवाडीगुड़ा ताला बस्ती (श्री राज कमल टेंट हाउस) स्थित जनता हाई स्कूल में आयोजित किया जाएगा।

आज यहां अग्रवाल सेवा दल के प्रचार संयोजक अजीत गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, शिविर में मेडिकवर अस्पताल द्वाराईसीजी-2डी इको-बीएमडी, आरबीएस, रक्तचाप की जांच की जाएगी शिविर में एलसीएस डूडू नेत्र संस्थान वेस्ट मारेडपल्ली के चिकित्सकों द्वारा नेत्रों की जांच निशुल्क रूप से की जायेगी और जरूरतमंद को निशुल्क चश्में और योग्य के लिए निशुल्क मोतियाबिंद ऑपरेशन की व्यवस्था की जायेगी। फिजियोथैरेपी की सेवा बजाज फिजियो केयर की डॉ. मीता बजाज द्वारा दी जायेगी। दंत की जांच ललिता डेंटल क्लीनिक के डॉ.संजय सूर्यवंशी द्वारा की जायेगी। स्त्री रोग की जांच डॉ.श्रुति द्वारा की जायेगी। अस्थिरोग की जांच डॉ.वेमूरी वेंकटरामना द्वारा तथा कार्डियोलॉजी की सेवा डॉ.दीपक शाह द्वारा दी जायेगी। जनरल फिजिशियन की सेवा डॉ.राजेश वुक्कला द्वारा दी जायेगी। अवसर पर श्री भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति द्वारा डायलिसिस रोगियों के लिए निशुल्क डायलिसिस की सेवा दी जायेगी। साथ ही कृत्रिम अंग का शिविर लगाया जाएगा और योग्य को निशुल्क सहयोगी एवं आवश्यक उपकरण जैसे कृत्रिम अंग, हैंड किट्स, कैलिपर्स एवं हैंड्स आदि का वितरण किया जाएगा। शिविर में नामों का पंजीकरण कार्यक्रम स्थल में सुबह 10 से दोपहर 12 बजे के बीच किया जायेगा। शिविर की अधिक जानकारी के लिए शिविर संयोजक प्रदीप अग्रवाल, सुधीर गुप्ता, सुरेन्द्र गोयल, नीलम संजीव यादव, एन.गंगाधर यादव, नीलम वेणु यादव से संपर्क किया जा सकता है। सभी से इस सेवा का अधिक से अधिक लाभ लेने का आग्रह किया गया है।

भगवान राम के जीवन का अनुसरण जरूरी : जस्टिस माधवी लता

हिन्दू संरक्षण समिति का 46वाँ रावण दहन कार्यक्रम संपन्न

हैदराबाद, 26 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। हिन्दू संरक्षण समिति भाग्यनगर के तत्वावधान में विजयदशमी महोत्सव के अवसर पर रावन दहन कार्यक्रम का विशाल आयोजन पुराने शहर में स्थित विजय मैदान कुली कुतुब शाह स्टेडियम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अधिवक्ता व समाजसेवी श्रीमती मेघारानी अग्रवाल ने की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में तेलंगाना उच्च न्यायालय की न्यायाधीश श्रीमती पी. माधवी देवी, मुख्य वक्ता के रूप में आचार्य सतीश चंद्र, उत्तराखंड शक्तिपीठ, परमाचार्य अतिथि महेश अग्रवाल श्रीमती माधवी लता उपस्थित थे। समिति अध्यक्ष पंकज कुमार अग्रवाल ने बताया कि कार्यक्रम के शुभारंभ के पश्चात उपस्थित सभी अतिथियों का परिचय व स्वागत सम्मान किया गया। मुख्य वक्ता आचार्य सतीश चंद्र ने मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री रामचंद्र जी की जीवन लीला पर प्रकाश डाला। अवसर पर माधवी लता ने नारी सम्मान से ही समाज का उत्थान तथा शक्ति पूजन सफल होने का परामर्श दिया। मुख्य अतिथि न्यायाधीश श्रीमती माधवी देवी ने सभी नगर वासियों को बुराई की अच्छाई पर विजय का प्रतीक दशहरा महोत्सव की हार्दिक शुभकामनाएं देते हुए भगवान राम के जीवन का अनुसरण कर बड़ों का सम्मान तथा सामाजिक समरसता बनाए रखने का आग्रह किया।

श्रीमती मेधारानी अग्रवाल ने केंद्र सरकार द्वारा समाज उत्थान व संगठन के लिए किया जा रहे कार्यों पर प्रकाश डाला। अवसर पर संस्था अध्यक्ष पंकज कुमार अग्रवाल ने संस्था के संस्थापकों को याद करते हुए कहा कि संस्था के 52 वर्ष के इतिहास में पहली बार इस दशहरा महोत्सव में शिव, सुरक्षा, विकास, विश्वास और आध्यात्मिकता में अपनी पहचान रखने वाली नारी शक्ति तथा साधु संतों का समागम भाग्यनगर की पुण्य धरा पर हुआ है। कार्यक्रम के अंत में संस्था अध्यक्ष श्री अग्रवाल ने कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग करने वाले सहयोगियों का आभार जताया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सरिता अग्रवाल ने किया तथा लोगों के लिए मनोरंजन के लिए रंगारंग आतिशबाजी राजकमल, अनूप अग्रवाल, आलोक अग्रवाल, पवन, सुरेंद्र अग्रवाल द्वारा प्रस्तुत की गई। कार्यक्रम में श्रीमती प्रियंका अग्रवाल, अंजलि अग्रवाल, नेहा अग्रवाल, योगिता बृजमोहन अग्रवाल, मृणाल सिग्नोडिया, उमेश सिंघानिया व अन्य कार्यकर्ताओं उपस्थित थे।

हवाला रैकेट का भंडाफोड़, दो गिरफ्तार

हैदराबाद, 26 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। कमिश्नर टास्क फोर्स, सेंट्रल जोन टीम के अधिकारी एबिड्स पीएस की सीमा में चिराग अली लेन के पास वाहन चेकिंग कर रहे थे। इसी बीच दो व्यक्ति सुजुकी पर आ रहे हैं। जांच के दौरान 10 लाख रुपये वाहन में मिला। आरोपी मनप्रीत सिंह निवासी अंबरपेट और शेख अरशद निवासी आसिफ नगर बरामद धनराशि का दस्तावेज नहीं दिखा सके। मनप्रीत सिंह अंबरपेट की सीमा में रहता है और अपनी आजीविका के लिए स्क्रैप व्यवसाय चलाता है। उन्होंने एक ऑफिस बॉय शेख अरशद निवासी को काम पर लगाया। इस दौरान, मनप्रीत सिंह हवाला मनी ट्रांसफर एजेंटों के संपर्क में आया और गुप्त रूप से अवैध हवाला मनी ट्रांसफर व्यवसाय का आयोजन किया। विशेष रूप से महानगरीय शहरों में और एक कोड बनाकर संदेश और व्हाट्सएप चैटिंग के माध्यम से दूसरों के साथ संवाद करता था। आयकर विभाग को कर से बचने के लिए हवाला धन पहुंचाने और हवाला धन परिवहन पर कमीशन प्राप्त करने के लिए उपयोग किया जाता था।

बीआरएस को झटका, एमएलसी दामोदर रेड्डी ने इस्तीफा दिया

नगरकुर्नूल, 26 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। विधानसभा चुनाव से पहले, सत्तारूढ़ दल को नगरकुर्नूल में एक और बड़ा झटका लगा, क्योंकि एमएलसी कुचुकुल्ला दामोदर रेड्डी ने गुरुवार को पार्टी से अपने इस्तीफे की घोषणा की। पार्टी छोड़ने के अपने फैसले की घोषणा के बाद, एमएलसी ने अपना इस्तीफा बीआरएस अध्यक्ष और मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव को भेज दिया है। एमएलसी ने बीआरएस अध्यक्ष को संबोधित करते हुए पत्र में उल्लेख किया कि हालांकि उन्हें पार्टी में उपयुक्त पद मिला था, लेकिन स्थानीय समस्याओं के कारण उन्हें छोड़ना पड़ा। उन्होंने बताया कि जब मैं कांग्रेस पार्टी में था, तो मैं तत्कालीन आंध्र प्रदेश में एक पखवाड़े में एक बार तत्कालीन मुख्यमंत्री वाईएस राजशेखर रेड्डी से मिलता था। हालांकि, बीआरएस सरकार में स्थिति पूरी तरह से अलग है और मुख्यमंत्री के से मिलना बहुत मुश्किल है। चन्द्रशेखर राव। दामोदर रेड्डी ने अपने त्याग पत्र में कहा, पिछले साढ़े चार साल के दौरान मुझे एक बार भी मुख्यमंत्री से मिलने का मौका नहीं मिला। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ने एमएलसी पद को रबर स्टांप पद के रूप में माना है और उन समस्याओं की कभी परवाह नहीं की जो वह उनके सामने उठाना चाहते थे।

बंडी ने बीआरएस नेताओं की आलोचना की

कुना श्रीशैलम गौड़ पर हमले की निंदा की

हैदराबाद, 26 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव और सांसद बंडी संजय ने आज सत्तारूढ़ बीआरएस पार्टी के नेताओं पर उनके क्रूर व्यवहार के लिए हमला बोला। उन्होंने सत्तारूढ़ पार्टी के विधायक केपी विवेकानंद द्वारा कुतबुल्लापुर विधानसभा क्षेत्र के पार्टी उम्मीदवार कुना श्रीशैलम गौड़ पर हमले की निंदा की। उन्होंने बीआरएस नेताओं को कड़ी चेतावनी दी। हमले के बाद बंदी संजय ने कुना श्रीशैलम गौड़ से मुलाकात की और उन्हें सांत्वना दी।

मीडियाकर्मियों से बात करते हुए संजय ने मांग की कि कुना श्रीशैलम गौड़ पर हमला करने वाले विधायक के खिलाफ मामला दर्ज किया जाना चाहिए। कूना श्रीशैलम गौड़ पर हमला करने वाले विधायक को चुनाव लड़ने से अयोग्य घोषित किया जाना चाहिए, उन्होंने मांग की कि उनकी पार्टी हमले के खिलाफ आंदोलन कार्यक्रम आयोजित करेगी।

क्या आप लोगों को चेतावनी दे रहे हैं कि अगर वे वोट नहीं देंगे तो उन पर हमला किया जाएगा? अगर बीजेपी चाहे तो बीआरएस पार्टी के नेता सड़कों पर नहीं घूम सकते। विवेकानन्द को अयोग्य घोषित किया जाना चाहिए। तेलंगाना के लोग बीआरएस पार्टी को राज्य से बाहर करने के लिए तैयार हैं। उन्होंने लोगों से यह भी पूछा कि क्या वे अब भी कमीशन वसूल कर छापेमारी करने वाली बीआरएस चाहते हैं या लोगों के लिए लड़ने वाली बीजेपी? उन्होंने लोगों से बीआरएस पार्टी को सबक सिखाने का आग्रह किया।

पं. गंगाराम स्मारक मंच प्रतिनिधियों ने की बंडारू से मुलाकात

क्रांतिवीर पंडित गंगाराम की जीवनी पुस्तक भेंट की

हैदराबाद, 26 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। स्वतंत्रता सेनानी पंडित गंगाराम स्मारक मंच द्वारा हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय को उनके हैदराबाद स्थित निवास स्थान पर भक्त राम अध्यक्ष, श्रुतिकांत भारती मंत्री, प्रदीप जाजू कोषाध्यक्ष, सोमनाथ और ऋषि राम ने मिलकर "जीवन संग्राम" क्रांतिवीर पंडित गंगाराम वानप्रस्थी की जीवनी की एक प्रति सप्रेम भेंट स्वरूप प्रदान की। इस अवसर पर राज्यपाल ने प्रसन्नता जताई कि एक गुमनाम स्वतंत्रता सेनानी, हैदराबाद निज़ाम शासन के विरुद्ध प्रथम शस्त्र विद्रोह का बिगुल बजाया, बंदूक की गोली लगने पर हुतात्मा होने से बचे। निज़ाम शासन को हटाने जैल गए, लेकिन निज़ाम से मुक्ति दिलाकर ही चैन ली। दीन दरिद्र जन की सेवा की रक्षा के लिए जीवन देने वाले, समाज सुधारक, विचारक, आर्य समाज के निर्माता की जीवनी आगे आने वाली पीढ़ी के लिए बहुत ही लाभकारी होगी। उन्होंने पंडित गंगाराम जी की प्रशंसा करते हुए उनके हिंदी के प्रति योगदान को भी याद दिलाया और उनके विचार विमर्श और हंसमुख स्वभाव को भी याद किया। स्वतंत्रता सेनानी पं गंगाराम स्मारक मंच की ओर से राज्यपाल का सम्मान किया गया और जीवन संग्राम की एक प्रति सप्रेम भेंट स्वरूप दी गई।

एसपी ने एआरएसआई परिवार को चेक सौंपा

कुमरम भीम आसिफाबाद, 26 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। कुमरम भीम आसिफाबाद जिला पुलिस मुख्यालय में एआरएसआई के रूप में काम करने वाले एम. सुरेंद्र रेड्डी की फरवरी 2023 को दिल का दौरा पड़ने से मृत्यु हो गई। जिले के एसपी सुरेश कुमार आईपीएस ने आज उनकी पत्नी इंदिरा को पुलिस विभाग से मिलने वाले लाभ को चेक के रूप में सौंपा। सुरक्षा निधि द्वारा 7,98,000 रुपये का चेक प्रदान किया गया। एसपी ने कहा कि जल्द ही उनके परिवार को और लाभ दिया जायेगा। इस कार्यक्रम में अतिरिक्त एसपी प्रशासन अचेश्वर राव, डीपीओ एओ श्रीनिवास रेड्डी, बी अधीक्षक श्रीनिवास, पुलिस एसोसिएशन के अध्यक्ष एम विजय शंकर रेड्डी, उपाध्यक्ष स्वामी ने भाग लिया।

गौलीगुडा में श्री तुलजा भवानी एसोसिएशन द्वारा स्थापित माता के पंडाल में पूजा-अर्चना करने पहुंचे जामबाग के पार्षद राकेश जायसवाल। एसोसिएशन के अध्यक्ष रवि ने उनका सम्मान किया।

चिंतल आईडीपीएल कॉलनी स्थित स्व.श्री ताराचन्दजी चोयल की श्रद्धांजलि सभा में श्रद्धा के पुष्प अर्पित करते हुए वेनाराम चोयल, पुखराज आगलेचा, मनोज, मांगीलाल, स्वरुपराम, चन्द्रगुप्त, शंकरलाल, गणेशलाल, भुराराम, मुलाराम चोयल, व अन्य।

महेन्द्रा हिल्स स्थित पहाडी श्याम मन्दिर में ग्यारस के उपलक्ष्य में जय श्री श्याम-श्याम मेरे श्याम समिति द्वारा आयोजित एक श्याम खाटूवाले के नाम कार्यक्रम अन्तर्गत भजन गायक प्रतीक दाहिमा व पंकज ओझा तथा अतिथियों का सम्मान करते हुए श्याम मन्दिर के परामर्शदाता अरुण डाकोतिया, अभिषेक शर्मा एवं उपस्थित भक्तगण।

शिव शक्ति युवा मंडल कोत्तापेट के तत्वावधान में शारदीय नवरात्रि महोत्सव पर आयोजित जागरण में सिखवाल प्रगति समाज के उपाध्यक्ष रामदेव नागला, सहमंत्री चन्द्रभान व्यास का मनोहरलाल जोशी, रवि जोशी, पंडित हरिओम जोशी शाल ओढ़ाकर सम्मान किया।

मतदाता सूची में नाम जुड़वाने और त्रुटियों को ठीक कराने का मौका 31 तक

हैदराबाद, 26 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। विधानसभा चुनाव की चल रही तैयारी के अंतर्गत मतदाता सूची का पुनरीक्षण अभियान आगामी 31 अक्टूबर तक तेलंगाना प्रांत में रहेगा। 31 अक्टूबर तक तेलंगाना विधानसभा के चुनाव के लिए मतदाता सूची में नाम जोड़ने और काटने का अभियान चुनाव आयोग द्वारा किया जा रहा है।

अशोक फाउंडेशन संस्थापक पंकज कुमार अग्रवाल ने बताया कि लोग मतदाता सूची में नाम जोड़ने काटने के साथ-साथ मतदाता पहचान पत्र की त्रुटियों को भी ठीक करा सकते हैं। श्री अग्रवाल ने बताया कि मतदाता सूची में नागरिक अपना तथा अपने परिजनों व पराजित जनों का नाम सीईओ तेलंगाना की वेबसाइट तथा नजदीकी म्युनिसिपल ऑफिस में निरीक्षित कर अपना नाम जुड़वा सकते हैं। समाजसेवी श्री अग्रवाल ने बताया कि नाम जोड़ने, त्रुटियों को ठीक करने और नाम कटाने का काम आगामी 30 नवंबर को होने वाले तेलंगाना राज्य के विधानसभा चुनाव के अंतर्गत चुनाव आयोग द्वारा 31 अक्टूबर तक मतदाता सूची निरीक्षण किया जाएगा। उन्होंने बताया कि नए मतदाताओं फार्म, नाम हटाने के लिए फार्म, संशोधन के लिए नागरिक ऑनलाइन तथा नजदीकी म्युनिसिपल ऑफिस में भरना होगा। इस कार्य के लिए नागरिक राजनीतिक दलों का सहयोग भी ले सकते हैं।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

संधिग्द अवस्था युवक की मृत्यु

निर्मल, 26 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार की रात निर्मल जिला तानूर मंडल के भामिनी थांडा गांव के राठौड़ नितिन गुलाब (24) किसान अपने घर से पड़ोसी गांव भामिनी गांव गये थे, तभी रात 9 बजे सूचना मिली कि वह जमीन पर गिरा है। भामिनी गांव के बाहरी इलाके में सड़क, उसके परिवार के सदस्य वहां गए और नितिन को सड़क पर पाया। नितिन, जो गिर गया था और बेहोश था, उसे भैंसा अस्पताल ले जाया गया और डॉक्टर द्वारा जांच करने के बाद पता चला कि वह मर चुका था। गुरुवार को उनके बड़े भाई सुनील की शिकायत के अनुसार मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

बेंगलुरु तथा राजस्थान राज्य जैतारण से नगर पधारे जाट समाज के प्रतिनिधि मंडल के खियाराम, बलदेवराम, रखाराम व अन्य ने शिवरामपल्ली बाबा रामदेव जी के दर्शन किया। इस अवसर पर सभी का सम्मान करते हुए समाजसेवी धर्माराम ढाका, प्रदेश अध्यक्ष तेलंगाना जाट एकता मंच व अन्य।

विश्व के सर्वप्रथम गोल्ड मेडलिस्ट
अब तक परेशान क्यों?
कोई भी पंडित, तांत्रिक, बाबा हम से पहले काम करके दिखाये मुँहमांगा ईनाम पाये
हजारो के दुखो को खुशी में बदलने वाले
बाबा साबिर खान बंगाली
जैसे पति-पत्नी मे झगड़ा, सौतन व दुश्मन से छुटकारा, मनचाहा प्यार, गृहक्लेश, विदेश यात्रा, जादू-टोना, AtoZ समस्याओ का तुरंत समाधान पाये।
स्पे० वशीकरण व मुठकरनी
9810940158

5 नवंबर को कोहली लगाएंगे 50वां शतक

ईडन गार्डन बनेगा इसका गवाह, गावस्कर ने की भविष्यवाणी

नई दिल्ली, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर ने विराट कोहली को लेकर बड़ा बयान दिया है। उनका कहना है वह पांच नवंबर को अपना 50वां वनडे शतक लगाएंगे।

वर्ल्ड कप 2023 में भारतीय स्टार बल्लेबाज विराट कोहली का बल्ला जमकर चल रहा है। उनकी उम्दा बल्लेबाजी का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि वह टूर्नामेंट के 24 मुकाबले बीत जाने के बाद सर्वाधिक रन बनाने के मामले में दूसरे स्थान पर चल रहे हैं। किंग कोहली ने टूर्नामेंट में ब्लू टीम के लिए अबतक कुल पांच मुकाबले खेले हैं। इस बीच उनके बल्ले से पांच पारियों में 118.00 की औसत से 354 रन निकले हैं। इस दौरान उनके बल्ले से एक शतक और तीन अर्धशतक भी आए हैं।

वनडे फॉर्मेट में सर्वाधिक शतक लगाने का रिकॉर्ड भारतीय टीम के पूर्व महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर के नाम दर्ज है। सचिन ने यहां उम्दा बल्लेबाजी करते हुए कुल 49 शतक लगाए हैं। इसके बाद दूसरे स्थान पर विराट कोहली का नाम आता है। किंग कोहली के बल्ले से 48 शतक निकले है। पूरी संभावना है कि कोहली वनडे फॉर्मेट में सचिन के सर्वाधिक शतकों का रिकॉर्ड तोड़ देंगे, लेकिन कब यह बताना थोड़ा मुश्किल है।

हालांकि, कई पूर्व क्रिकटर भविष्यवाणी करते हुए अपनी राय दे रहे हैं कि कोहली कब सचिन के शतकों का रिकॉर्ड तोड़ देंगे। इसी कड़ी में भारतीय टीम के पूर्व कप्तान एवं दिग्गज बल्लेबाज सुनील गावस्कर ने भी अपना विचार साझा किया है।

गावस्कर ने स्टार स्पोर्ट्स पर बातचीत के दौरान कहा, 'विराट कोहली अपने वनडे करियर का 50वां शतक दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ ईडन गार्डन्स में लगाएंगे। वह अपने बर्थडे पर ऐसा कारनामा करें, इससे अच्छा क्या हो सकता है। मुझे तो ऐसा होता हुआ दिखाई दे रहा है। जब आप वहां शतक लगाएंगे तो आपको स्टैंडिंग ओवेशन मिलेगा। क्रिकेट प्रेमी चीयर करेंगे। ये प्रत्येक खिलाड़ी के लिए खुद को साबित करने का सुनहरा मौका होता है।'

मोहम्मद शमी 5 विकेट लेने के बाद भी अगले मैच से हो जाएंगे बाहर!

नई दिल्ली, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। विश्व कप 2023 में भारतीय टीम को अपना अगला मुकाबला इंग्लैंड के साथ खेलना है। इस मैच को लेकर प्लेइंग इलेवन में बदलाव हो सकता है।

वनडे विश्व कप 2023 में टीम इंडिया का शानदार प्रदर्शन लगातार जारी है। इस विश्व कप में भारतीय टीम अभी तक एक मैच नहीं हारी है। पांच मैच जीतकर टीम इंडिया प्वाइंट्स टेबल में पहले स्थान पर है। अब टीम इंडिया का अगला मैच इंग्लैंड के साथ 29 अक्टूबर को लखनऊ में खेला जाएगा। जिसके लिए टीम इंडिया लखनऊ पहुंच चुकी हैं। इस मैच में भारतीय टीम की प्लेइंग इलेवन कैसी रहने वाली है इसको लेकर एक बड़ा अपडेट सामने आया है।

अश्विन को मिल सकता है मौका

जानकारी के मुताबिक, इंग्लैंड के खिलाफ होने वाले मैच में भारतीय टीम की प्लेइंग इलेवन में बदलाव देखने को मिल सकता है। इस मैच में रोहित शर्मा तीन स्पिनर्स के साथ मैदान पर उतर सकते हैं। यानी इस मैच के लिए आर अश्विन को प्लेइंग इलेवन में शामिल किया जा सकता है।

अब बड़ा सवाल ये है कि अगर आर अश्विन को प्लेइंग को इलेवन में मौका मिलता है तो कौन सा खिलाड़ी बाहर होगा। बताया जा रहा है कि, मोहम्मद शमी को एक बार फिर से बाहर बैठना पड़ सकता है। इसका मतलब शमी न्यूजीलैंड के खिलाफ 5 विकेट लेने के बाद भी अगले मैच से बाहर बैठ सकते हैं। हालांकि इस बात की अभी कोई पुष्टि नहीं हो पाई है।

हार्दिक के खेलने पर संशय

हार्दिक पांड्या बांग्लादेश के खिलाफ मैच में चोटिल हो गए थे। जिसके बाद उनको न्यूजीलैंड के खिलाफ मैच से भी बाहर बैठना पड़ा था। बीसीसीआई के एक अधिकारी के हवाले से कहा गया- "हार्दिक के लखनऊ में इंग्लैंड के खिलाफ अगला मैच मिस करने की संभावना है।

इस स्तर पर यह एक एहतियात है और कुछ भी गंभीर नहीं है।" हार्दिक की जगह इस मैच में सूर्यकुमार यादव को शामिल किया गया था।

बता दें, हार्दिक इस विश्व कप में कमाल की फॉर्म में दिख रहे थे बल्ले से लेकर गेंदबाजी तक में उनका शानदार प्रदर्शन देखने को मिला था।

पीएम मोदी से पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर दानिश कनेरिया की अपील, बोले- बैन हटाने में मदद करें

इस्लामाबाद, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। दानिश कनेरिया ने शाहीद अफरीदी पर बड़ा आरोप लगाते हुए कहा कि उनके साथी खिलाड़ी लगातार उनपर धर्म बदलने का दबाव डालते थे।

पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर दानिश कनेरिया ने भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बीसीसीआई से मदद की गुहार लगाई है। दरअसल, 2012 में स्पॉट फिक्सिंग के मामले में ECB (इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड) ने कनेरिया पर आजीवन प्रतिबंध लगाया था। इस बैन को हटाने के लिए दानिश कनेरिया ने पीएम मोदी और BCCI से मदद की अपील की है।

पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर दानिश कनेरिया पिछले कुछ महीनों में अपने बयानों और ट्वीट को लेकर सुर्खियों में रहे हैं। आजतक से विशेष बातचीत में ने दानिश कनेरिया ने कहा कि मैं प्रधानमंत्री मोदी और बीसीसीआई से अपील करना चाहूंगा कि ईसीबी की ओर से मुझ पर लगाए गए प्रतिबंध को हटाने में मेरी मदद करें।

दानिश ने बातचीत के दौरान पाकिस्तान क्रिकेट बोर् को भी निशाने पर लिया और कहा कि अगर मैं हिंदू नहीं होता, तो पाकिस्तान क्रिकेट टीम का कप्तान होता। उन्होंने कहा कि मैंने सिर्फ अपने धर्म को खेल से ऊपर रखा, इसलिए कई मायनों में मैं पीछे रहे गया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड में लोगों की सिफारिशें चलती हैं, वहां टैलेंट की कोई कद्र नहीं होती। उन्होंने बड़ा आरोप लगाते हुए कहा कि बोर्ड की ओर से और साथी खिलाड़ियों की ओर से भी कई बार उनपर दबाव बनाया गया कि वे इस्लाम स्वीकार कर लें।

दानिश कनेरिया ने शाहीद अफरीदी पर बड़ा आरोप लगाते हुए कहा कि उनके साथी खिलाड़ी लगातार उनपर धर्म बदलने का दबाव डालते थे और उनसे नमाज पढ़ने को कहते थे।

एशियन शूटिंग चैंपियनशिप में भारत स्कीट टीम ने जीता गोल्ड

अनंत जीत, गुरजोज और अंगद वीर की भारतीय तिकड़ी ने कोरिया को 1 अंक से हराया

हांगझोउ, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। कोरिया में चल रही एशिया शूटिंग चैंपियनशिप में भारतीय शूटरों ने तीन मेडल जीते। अनंत जीत सिंह नरुका, गुरजोज खांगुरा और अंगद वीर सिंह बाजवा की मेंस स्कीट टीम ने गोल्ड जीता। जबकि सरबजोत सिंह और सुरभि राव की जोड़ी ने 10 मीटर एयर पिस्टल में सिल्वर जीता। वहीं जूनियर वर्ग में शुभम बिस्ला और संयम की जोड़ी ने 10 मीटर एयर पिस्टल के मिक्स्ड में ब्रॉन्ज मेडल जीता।

अनंत जीत सिंह, गुरजोज और अंगद वीर सिंह की भारतीय तिकड़ी ने 358 स्कोर किया और

कोरिया को एक अंक से पीछे छोड़ा। कोरिया की टीम ने 357 अंको के साथ सिल्वर और कजाखिस्तान की टीम तीसरे स्थान पर रही।

अनंत जीत सिंह और गुरजोज ने मेंस सिंगल्स के फाइनल में भी बनाई जगह

अनंत जीत सिंह और गुरजोज खांगुरा ने मेंस सिंगल्स के फाइनल में भी अपनी जगह बनाने में सफल हुए। अनंत जीत सिंह चौथे और गुरजोज छठे स्थान पर रहे।

10 मीटर एयर पिस्टल मिक्स्ड टीम ने जीता सिल्वर

एयर पिस्टल में पहला कोटा दिलवाने वाले सरबजोत सिंह ने सुरभि राव के साथ मिलकर 10 मीटर पिस्टल मिक्स्ड इवेंट में सिल्वर जीता। उन्होंने क्वालिफिकेशन राउंड में 581 स्कोर किया। चार टीमों के 581अंक थे और इसमें दो चीनी टीमें भी शामिल थीं। नियम के अनुसार फाइनल में एक देश की केवल एक टीम ही खेल सकती है, ऐसे में भारतीय जोड़ी को फाइनल खेलने का मौका मिल गया। गोल्ड के लिए हुए मैच में सरबजोत सिंह और सुरभि राव को चीनी जोड़ी ली जू और लियू जिन्याओ से 4-16 से हार का सामना करना पड़ा। भारतीय जोड़ी को सिल्वर से संतुष्ट होना पड़ा।

जूनियर मिक्स्ड टीम को मिला ब्रॉन्ज मेडल

जूनियर वर्ग में भारत के शुभम बिस्ला और संयम की जोड़ी ने 10 मीटर एयर पिस्टल मिक्स्ड इवेंट में ब्रॉन्ज मेडल जीता। उन्होंने ब्रॉन्ज मेडल के इवेंट में कजाखिस्तान की मलिका सेल और किरिल सुकानोव की जोड़ी को 16-10 से हराया।

विश्व कप में टीम का साथ छोड़ स्वदेश लौटा बांग्लादेश टीम के कप्तान शाकिब अल हसन, बड़ी वजह आई सामने

ढाका, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। विश्व कप 2023 का रोमांच हर तरफ देखने को मिल रहा है। जहां एक तरफ ये विश्व कप कुछ टीमों के लिए काफी शानदार रहा है तो वहीं कुछ टीमों के बेहद खराब रहा है। कुछ टीमें टूर्नामेंट में एक जीत से आगे नहीं बढ़ पा रही है, उनमे से एक है बांग्लादेश। इस टीम ने इस टूर्नामेंट में अभी तक पांच मैच खेले है और महज एक मैच में उसको जीत हासिल हुई है। लेकिन अब इस टीम के कप्तान शाकिब अल हसन को लेकर एक बड़ी खबर सामने आई है। बांग्लादेश को अपना अगला मैच 28 अक्टूबर को नीदरलैंड के साथ खेलना है लेकिन उससे पहले टीम के कप्तान शाकिब अल हसन बांग्लादेश वापिस लौट चुकें हैं। अब सबके मन में ये सवाल उठ रहा है कि आखिर बीच विश्व कप के बीच में से शाकिब बांग्लादेश वापिस क्यों लौट गए हैं? हालंकि इसकी पूरी जानकारी अब सामने आ चुकी है। बता दें, ढाका के शेर-ए-बांग्ला नेशनल स्टेडियम में शाकिब अपने मेंटर आबेदीन फहीम के पास पहुंचे हैं। यहां पहुंचकर शाकिब ने सबसे पहले थ्रोडाउन सत्र किया, जोकि लगभग तीन घंटे तक चला। शाकिब की ये ट्रेनिंग तीन दिन चलने वाली है जिसके लिए कप्तान 25 अक्टूबर को ही ढाका पहुंच गए थे।

37वें नेशनल गेम्स की ओपनिंग सेरेमनी

पीएम ने रथ पर लगाया स्टेडियम का चक्कर, गोवा के लोक कलाकारों ने परफॉर्म किया

गोवा, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। नेशनल गेम्स के 37वें सीजन की शुरुआत 25 अक्टूबर से हो चुकी है। नेशनल गेम्स की ऑफिशियल ओपनिंग सेरेमनी आज (26 अक्टूबर) गोवा के जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में शुरू हुई। पीएम मोदी शाम करीब 6:45 बजे स्टेडियम पहुंचे।

गोवा के लोक कलाकार और जिम्नास्टिक प्लेयर्स फिलहाल परफॉर्म कर रहे हैं। सिंगर सुखविंदर सिंह की परफॉर्मेंस के साथ ओपनिंग सेरेमनी शुरू हुई। नेशनल गेम्स के मल्टी स्पोर्ट्स इवेंट 25 अक्टूबर से शुरू हो कर 9 नवंबर तक चलेंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शाम करीब 6:45 स्टेडियम पहुंचे। उन्होंने रथ पर सवार होकर स्टेडियम का चक्कर लगाया। स्टेडियम का चक्कर लगाने के बाद पीएम स्टेज पर पहुंचे। स्टेज

पर पीएम को गोवा की स्पेशल शॉल पहनाई गई।

इंडियन ओलिंपिक एसोसिएशन की अध्यक्ष पीटी उषा ने सभा को संबोधित किया। उन्होंने नेशनल गेम्स में पीएम का स्वागत किया।

नेशनल गेम्स की ओपनिंग सेरेमनी गोवा के जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में शाम 6:30 बजे शुरू हुई। सिंगर सुखविंदर सिंह ने सबसे पहले परफॉर्म किया। उन्होंने 'जय हो', 'कर हर मैदान फतह', 'चक दे इंडिया' और 'छैया छैया' जैसे फेमस गानों से सेरेमनी देखने आए दर्शकों को मोहित किया।

नेशनल गेम्स गोवा के पांच शहरों (मापुसा, मडगांव, पणजी, पोंडा और वास्को) में आयोजित किए जा रहे हैं। गोवा पहली बार नेशनल गेम्स की मेजबानी कर रहा है। गोवा में गेम्स के 45 इवेंट्स होंगे, लेकिन साइकिलिंग और गोल्फ के मुकाबले दिल्ली में होंगे।

गोवा में आयोजित नेशनल गेम्स में कुल 47 इवेंट्स होंगे। इनमें 10,000 से ज्यादा एथलीट हिस्सा ले रहे हैं। नेशनल गेम्स में भारत के विभिन्न राज्यों की टीमों के अलावा इंडियन आर्म्ड फोर्सेज की स्पोर्ट्स टीम और सर्विसेज भी हिस्सा लेती हैं। सर्विसेज ने पिछले 4 नेशनल गेम्स में पहला स्थान हासिल किया है।

ग्लेन मैक्सवेल ने खास शख्स के नाम किया वर्ल्ड रिकॉर्ड

आरसीबी ने दिलचस्प अंदाज में दी बधाई

नई दिल्ली, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया के धाकड़ ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल ने विश्व कप इतिहास में अपना सबसे तेज शतक ठोक डाला। उन्होंने महज 40 गेंदों में सेंचुरी कूटी। उन्होंने विश्व कप इतिहास में सबसे तेज शतक बनाने के मामले में एडेन मार्कराम को पीछे छोड़ दिया। मिड-इनिंग ब्रेक में बोलते हुए मैक्सवेल ने एक खास शख्स को अपनी सेंचुरी डेडिकेट की।

हाल ही इंडिया आया है परिवार

उन्होंने कहा कि उन्हें खुशी है कि उनकी पत्नी और बेटे उनकी बल्लेबाजी को देख पाए क्योंकि उनका परिवार स्टैंड में मौजूद था। मैक्सवेल ने अपना शतक नवजात बेटे लोगन मेवरिक मैक्सवेल और पत्नी विनी रमन को समर्पित किया। वह इस मैच से पहले ही इंडिया आए हैं।

मैक्सवेल की शानदार सेंचुरी के बाद आईपीएल फ्रेंचाइजी रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर ने खिलाड़ी को खास अंदाज में बधाई दी। दरअसल, मैक्सवेल ने नीदरलैंड के गेंदबाज लोगन वैन बीक की 7 गेंदों में 257.14 की स्ट्राइक रेट से 18 रन बनाए। मैक्सवेल ने अपने बेटे का नाम टॉम क्रूज और ह्यू जैकमैन के कैरेक्टर्स के नाम पर रखा है।

पाकिस्तान के खिलाफ पिछले मैच में मैक्सवेल पहली गेंद पर डक पर आउट हो गए थे, लेकिन उन्होंने नीदरलैंड के खिलाफ जोरदार वापसी करते हुए 27 गेंदों में अर्धशतक जड़ा, इसके बाद अगली 13 गेंदों में वह शतक तक पहुंच गए।

डेविड वॉर्नर और ग्लेन मैक्सवेल के तूफानी शतकों की मदद से ऑस्ट्रेलिया ने 50 ओवर में 399 रन का बड़ा स्कोर खड़ा किया। डच गेंदबाज बास डी लीडे ने अपने दस ओवरों में 115 रन दिए, जो विश्व कप इतिहास का सबसे महंगा स्पैल रहा। नीदरलैंड को 400 रनों का लक्ष्य दिया गया था, लेकिन टीम महज 21 ओवर ही खेल सकी और 90 रन पर आउट हो गई। इस तरह ऑस्ट्रेलिया ने इस मैच में 309 रनों से बड़ी जीत दर्ज की।

श्रीलंका ने इंग्लैंड को 8 विकेट से हराया

बेंगलुरु, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। डिफेंडिंग चैंपियन इंग्लैंड वर्ल्ड कप 2023 से लगभग बाहर हो चुकी है। टीम को श्रीलंका ने 8 विकेट से हराया। टीम ने लगातार तीसरा मुकाबला गंवाया है।

बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम में गुरुवार को टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने उतरी इंग्लैंड 33.2 ओवर में 156 रन पर आउट हो गई। 157 रन का टारगेट श्रीलंका की टीम ने 2 विकेट खोकर 25.4 ओवर में हासिल कर लिया। ओपनर पथुम निसांका और सदीरा समरविक्रमा ने सेंचुरी पार्टनरशिप की। दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 122 बॉल पर 137* रन जोड़े।

श्रीलंका की इंग्लैंड जैसी शुरुआत, 2 विकेट गंवाए; रूट से कैच छूटा

157 रन का आसान टारगेट चेज करने उतरी श्रीलंकाई टीम ने इंग्लैंड जैसी शुरुआत की। टीम ने 10 ओवर के खेल में 2 विकेट पर 56 रन बनाए। इंग्लैंड ने पावरप्ले में 2 विकेट पर 59 रन बनाए थे।

श्रीलंकाई टीम ने ओपनर कुसल परेरा का विकेट जल्दी गंवाया। परेरा 9 के टीम स्कोर पर 4 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें डेविड विली ने आउट किया। दूसरे ओवर में जो रूट से स्लिप पर कप्तान कुसल मेंडिस का कैच छूटा, हालांकि मेंडिस जीवनदान का फायदा नहीं उठा सके और छठे ओवर की दूसरी बॉल पर 11 रन के स्कोर पर डेविड विली का शिकार बने। 23 रन पर दूसरा विकेट गंवाने के बावजूद एक छोर से टिके ओपनर पथुम निसांका दबाव में नहीं आए और सकारात्मक तरीके से रन बनाते रहे।

अब टॉप-4 में कैसे जा सकता है इंग्लैंड?

ऐसे में इंग्लिश टीम को टॉप-4 में प्रवेश करने के लिए दूसरी टीमों के प्रदर्शन पर निर्भर रहना होगा। आज का मुकाबला गंवाने के बाद इंग्लैंड सेमीफाइनल में चौथे स्थान के लिए दावेदारी कर सकती है। उसका कॉम्प्टिशन ऑस्ट्रेलिया, पाकिस्तान, श्रीलंका और अफगानिस्तान से होगा।

यहां से आगे बढ़ने के लिए इंग्लैंड को अपने शेष मुकाबले अच्छे नेट रन रेट के साथ जीतने होंगे। इस स्थिति में ऑस्ट्रेलिया 4 में से 2 मुकाबले हार जाए, जबकि पाकिस्तान, अफगानिस्तान और श्रीलंका भी एक-एक मैच हार जाते हैं, तो इंग्लिश टीम के सेमीफाइनल में पहुंचने के चांस रहेंगे। इसके उलट, इंग्लैंड अब एक भी मुकाबला हारने की स्थिति में टूर्नामेंट से बाहर हो जाएगी।

अजय जडेजा ने अफगानिस्तान का मेंटॉर बनने से पहले पाकिस्तान क्यों किया था फोन?

नई दिल्ली, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। वर्ल्ड कप 2023 के 22वें मैच में अफगानिस्तान ने कमाल का प्रदर्शन करते हुए पाकिस्तान को 8 विकेट से पटखनी दी. अफगानिस्तान की इस जीत के बाद लोग भारत के पूर्व क्रिकेटर अजय जडेजा को भी सलाम कर रहे हैं जो कि इस वक्त टीम के मेंटॉर हैं. इस बीच जडेजा को लेकर पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर राशिद लतीफ ने एक बड़ी बात कही है.

वर्ल्ड कप 2023 में अफगानिस्तान ने कमाल ही कर दिया. इस टूर्नामेंट के 22वें मैच में अफगानी टीम ने पाकिस्तान को एकतरफा अंदाज में 8 विकेट से हरा दिया. पाकिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 7 विकेट पर 282 रन बनाए लेकिन इतने बड़े स्कोर को भी अफगानिस्तान की टीम ने आसानी से चेज़ कर लिया. अफगानिस्तान की टीम के हर खिलाड़ी ने इस जीत में अपना 100 फीसदी योगदान दिया. गेंदबाजी में नूर अहमद और नवीन उल हक ने कमाल परफॉर्मेंस दी वहीं उसके बाद इब्राहिम जादरान, रहमनुल्लाह गुरबाज, रहमत शाह और हशमतुल्लाह शाहिदी ने कमाल की बल्लेबाजी कर पाकिस्तान के हौंसले तोड़ दिए. वैसे अफगानियों की इस जीत में भारत के पूर्व क्रिकेटर अजय जडेजा का भी बड़ा योगदान है. वो टीम के मेंटॉर हैं और उनका अनुभव अफगानियों के काम आ रहा है. अजय जडेजा ने भारत के लिए 200 से ज्यादा इंटरनेशनल मैच खेले हैं और इस खेल में उनकी समझ कमाल की है. जाहिर तौर पर उनकी सलाह अफगानी खिलाड़ियों के काम आ रही होगी. बता दें अफगानिस्तान की टीम ने वर्ल्ड कप से ठीक पहले अजय जडेजा को मैनेजमेंट में जोड़ा था. इस बीच जडेजा के अफगानिस्तानी टीम से जुड़ने को लेकर पाकिस्तान के पूर्व कप्तान और विकेटकीपर राशिद लतीफ ने बड़ा खुलासा किया है.

वर्ल्ड कप में इस्तेमाल हो रहे हैं खास तरह के 9 लोगो

नई दिल्ली, 26 अक्टूबर (एजेंसियां)। वर्ल्ड कप 2023 में कुछ खास तरह के लोगो देखने को मिल रहे हैं। सबके मन में सवाल है कि आखिरकार इन लोगो का मतलब क्या है?

क्या है 'नवरसा'?

टूर्नामेंट के दौरान कुछ खास तरह के लोगो देखने को मिल रहे हैं। सबके मन में सवाल है कि आखिरकार इन लोगो का मतलब क्या है? अगर आपके मन में भी यही सवाल है तो इसका जवाब हम लेकर आए हैं. वर्ल्ड कप 2023 में आईसीसी ने 'नवरसा' शब्द को शामिल किया है, जो भारतीय क्रिकेट में 'नौ भावनाओं' को दर्शाने के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है। सभी लोगों के अपने-अपने महत्व हैं, जो इस प्रकार है-

Joy (खुशी): आईसीसी द्वारा जारी किए गए लोगो में सबसे पहले Joy के प्रतीक को दिखाया गया है। जिसका मतलब खुशी होता है। मैच के दौरान फैंस को अपने पसंदीदा टीम के जीत मिलने पर यह महसूस होती है।

शक्ति : दूसरा लोगो खिलाड़ियों के पॉवर को दर्शाता है। मैदान में जब बल्लेबाज उम्दा बल्लेबाजी करते हुए बड़े शॉट लगाते हैं, तब इसका इस्तमाल होता है।

सम्मान : आईसीसी द्वारा इस्तमाल किए जा रहे तीसरे लोगो का मतलब क्रिकेट प्रेमियों और खिलाड़ियों के प्रति समान सम्मान दर्शाना है।

बहादुरी : चौथा लोगो बहादुरी का प्रतिक है। जब कोई खिलाड़ी मैदान में चोटिल होने के बावजूद जीत के लिए जूझता रहता है तब इसका इस्तेमाल किया जाता है।

गर्व : यह लोगो अपने देश के प्रति गर्व महसूस कराने के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है। टूर्नामेंट में इसे आमतौर पर राष्ट्रगान के दौरान देखा जा रहा है।

वैभव : इस लोगो का सटीक उदाहरण वर्ल्ड कप की खिताब को अपने नाम करना और परम गौरव के लक्ष्य तक पहुंचना है।

आश्चर्य : इस लोगो को आश्चर्यजनक और अप्रत्याशित चीजों के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है।

जुनून : इस लोगो का इस्तेमाल खिलाड़ियों और फैंस के जुनून को दर्शाने के लिए किया जा रहा है।

पीड़ा : इस लोगो का इस्तेमाल खिलाड़ियों और फैंस के दुःख को दर्शाने के लिए किया जा रहा है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.